# 

नवम ज्याना

(A) 1622

বিভূত ব্যবহা ও গুণবিফুক্ত টাকা সহ গ্রহীবোমালি উপময়মান্ত সংস্থার <u> भारा रहेक-टिल्बरक्ट कि मर्शनिक शुक्रक ।</u> শইমারাধ্য প্রাণাদ প্রত্তন্ত দারকান্থ বিদারে ও প্রত্তন্ত মধ্যানাথ স্তাররত্ত ঞ্ছতি মহাশয়গণ্ দ্বারু। সংশোধিত।

ক্ষিকাতা। পোই,—বরাইনগ্র, –পান্দগ্রু, চতুশারি হইতে প্রকাশিক। জীমমধনাথ স্থতিরত্ত ভটাচাধ্য কর্তক্

ব্যাইনগ্র, – পানপাড়া ' দিন্দু-সৎক্রমানা" প্রেদে শীশাশিভ্যণ দে ছারা মুন্তিত।

MET 100 ET WITH !





### বিজ্ঞাপন।

শেষণীৰিক্ষকারক ও অফনা-বিকাশক গ্রতাধান হইছে উপনংন পরাস্থ নাবাীয় সাক্ষার নিড্ড নাবস্থা ও গুণ্ধিষ্ঠত জীকা সভিত নোগা ২ইসায়েছ। এবা নোকে বত্ৰিস প্ৰায়োহলীয় জ্বৰ, কন্তাপিক জনছে। সুৰা । ৮০ জানা। অসাত ভাগে ব্রোৎনর বাস্তরাগ্র ও দেব প্রতিষ্ঠাণি ধ্যকিবে।

मार्कालगाड हो। हेशाउर भाजेबातामें, इस्टेग्डे कम, मारुष, हास, गाम छ प्रका धरा मर्क्ष कराह মতামত নগদনিত লাগদাদি, অনুদা ও কীলক তথ্যু বৃহৎ ও সাক্ষেপ্ৰস্থু, বুটক পেণ্ট স্ফাও ক্ষিত্ৰ-কত মুখা মুখাৰী সৱল অনুধাদ সহ (মুৰাওতী) বিভন্ন লগে তুল্ট কাগ্ৰেজ পুৰিব আৰু লগে ৩৬৪ পূঠায ক্সাদি এবং জীমন্দোপান চক্রবরী কুক্ 'ড্ডপ্রকাশিক।' নায়ী বিক্তচ দীক। ও ঐ চিক: ন্যত্ত প্রকাশক সূতন অক্ষরে মুজিত ব্টগাছে। মূলা দ৹ বারে। আনা।

দিতীয় সংক্ষণ "সভানাধায়ণ" হ্লা ৮০ গ্রহ জান। ইগাছে রেলাগলীয় "মুল" এশ তেতিশ একার শহতে দেশ অধ্যাদ ও প্ৰাণি এনার বিজ্যুত ৫ বিজ্ঞা ভাষায় দেশ। ধ্যময়ে। স্টাক বিজ্ঞ বিষ্টো শুপিত আকাতে ছালা হলতেছে। ন্যা 🗸 নগৰে। (বাবহু) ও জন্মায় হত এতনাল । 🛙 স্থান্ত

## क्थिकिद्वक्त्रा ।

"ফিকুনাংক্ৰমালা" ফিলপদকেপে বিভছভাবে প্ৰকাশ লভা সমাদৃত হত্যায় বা ৰে কারণেই হউক লিখিজে সন্ধত নহেন এবং স্থতির ব্যবস্থা লইয়াই অধ্যাপ্কেয়া এখনও ভূমূল বাদাস্থাদ করেন; স্থতি-শশ্ৰতি ইছাৰ ছই একগানি অসুবিপি ( নকল ) পুত্তক প্ৰকাশিত হইয়াছে, ডক্লশনে সংধাষ্ত্ৰৰ বছল-প্রচার বাসনাপূণ হইবার আমাশার আনমি প্রথমত: আনমন্দিত হইয়। পরে বিমধিত হইয়াছি; কারণ **শী স্তক্তে ক'লে** কানে অফ্টান প্ৰণ্নী ও ব্যৱস্থাদির অম ছালা আজিক সমাজেক বিশেষ ধৰ্মহানির স্মত্তরাং ( আপপ্রাভে ) বিনা শুরুপদেশে শায়ের ভাৎপর্যাস্থভন করিয়া ভাষাস্তরে প্রকাশ করিভে গণ্ডয়। দুকাহ ও পাপ কাৰ্য্য মনে ক্রিবেন; অদ্যাপিও মাও ভিন্ন প্রায় ডিডোদির ব্যবস্থাদি জাজা প্তিতে সামাজিকগণৰ এই সকল ভাষা পুত্ৰ শা চাকচিকে। মুক্ষ হ্ইয়া উহাকে শালেৱে ভায় বিশান করা কতদূর সঙ্গত বিবেচনা করিবেন; জাধিক লেখা বাহলা; কারণ হইয়াছে, একজ অস্ক্রণবিশ্ন মতেশিরগণ সমীপে বক্তব্য এই 'ধর্মছানই আধিকাতীর জীবন' শীলে বুণ্ৎপীয় অংথচ কর্মঠি নিটাংশন পুরেগ্ছিত ভিন্ন কর্মকাণ্ড উপ্দেশ করিবার অন্ত অন্ধিকারী নাই।

প্রীম্মধনাথ স্মৃতিরত্ন ভটোচার্য।

कामिक्कि, – भाष बडाइमाइ, भाषणाड़ा – प्रकृष्णाक्री

#### म्होन्त ।

विषम् ।		10 m	भवाका विस्या		中国
bigerceta	;	•	<b>डि</b> णेमग्रं	<b>:</b>	2
अकाशन	;	,R	मारिका-ठक्रमाम	•	7
·大大大大大大大大大大大大大大大大大大大大大大大大大大大大大大大大大大大大	;	*	्राधी वर्षक	•	3
क्षीबर्द्ध प्रदेश	;	<u>\$</u>	Services	::	9
ACT O PERSON NUMBER	MANAGE TO	2	গুহারক	:	2
TOTAL ALTERNATION	<b>;</b>	5.7	मरक्षित्रमाधात्रभवादका	; <b>:</b>	. <b>\$</b>
THE PRINCIPLE.	***	3	विविद्धि योवकामि	**	<b>.</b>
AND PARK AND	· •	200	अद्विष्मिक्ष्यावन्द्रापि ***	;	\$
· pietos	:	40000	क्रिमेदम-वावकामि	:	دوج جي

**	÷,	7.8	8	) () 	۴.	R	A.	33	The street of th	
	8	1	:		:	:	:	•		
:	नव्धार्कव्ह	मन्येजीएखांच	शायकी-माट्रशासाय		শ্ৰাবতারত্তোল •••	ে কাক	मध्यमन-त्छात	मत्राण की कुछशकाष्ट्रक		
श्याकः। विषया	> नवसा	३५ मन्द्र	200	2 e	DIE DE	28 लक्नीरकाब	३५ मध्या	ऽ.३ मन्त्राथ		
न्य		:				· .	•			,
٠	नकांगुड के मैचडन वावतानि	नीमकंत्रण-वावकाष्टि	जिल्लाकि बावधानि	व्यक्तिमार्थं ७ ह्डांक्ड़न वावश्रापि	:	डिन्यस्मामि-यायस्	क्रक-रेक्तवरहाज	अमिक्यह		

१क्या भाना

बर्फ स्वार्थ

ভাষাভা বগুকে কায় বামে লইয়া এবং কুশ-পুনা সম্ভিত জ্বল পাত দক্ষিত। "ত অংগ জংশিধি নামাসি" (ইত্যাদি কমে) পুলশ্চ অয়ির নাম করণ ও 

• পূৰ্ণে, বিবাহ দিবস হইতে বিলাল জুতীত হইলে চতুৰ দিনে চতুৰী হোম ক্যা ইইত, সূত্ৰাং দিনভিত্তী কৰা কিম্মাণ হইলে, উদীচাতি পূৰ্ণ কৰা শেষ ক্ষিলা, পুন: ক্ৰীলভে পুথক বহু ছাপনাদির জানজংজ্ঞানীক। একংগ এক দিনে স্বয়ন্ত ইংগ্রাল আকেচ্ছ ক্ৰীলভে কেবল অ্লিন নাম ক্ষ্মাদির क्षरश्रीकान कानः मक्किक्वरमात्य अकामा उम्रोहा कर्ष कत्रा रग्न জ্যবাইনাদি কুরিয়া, সনিধ একেশুও পুর্কক মহাব্যাজতি (৮২ ৬২ 9ई। দেধ) 

भारत शत्कर्ण केतिरका मज क्या — अस्ति । গতাতীত দিলেন এবং আত্তীক আতিতি নোব (ক্তবলামূত বিদ্ধ) প্ৰ সাণিও জন-

🕇 चाता क्षांत्र क्रिस्ट कर हे मानि। यक्क्षु शुक्तकार्यमूर्य कृष्ट विभिन्न कर्मान विभिन्न कर । ज्यापकार्या वाष्ट्रा नि

ट्यांशिक्ट के प्रवासार आंशिक विविध वासाधका नाथकाम डेशभावामि याच्छाः भाभी-

দৈৰত। হে আগে প্ৰায়ন্দিতে দোয়া<sub>ু,</sub> নিজ্তিবিয়ানে কং দেবানামিআলাশীনাং প্ৰায়ন্দিতিঃ নিজ্তিদোষ-সাগহভাগি ভবনি যতঃ অতে। পুৰুষ্টিত বিশ্বসূত্ৰ উত্তান্ত উত্তান্ত বিশ্বসূত্ৰ বিশ্বসূত্ৰ নাথকামঃ ৰাজ্জা-কমি: নাপ্নাধ্যাক্ষোপভাপিশ্বশাশীগৈতি পঠাতে তাম্যেব যাজাং দশ্যুতি অভাঃ কভাষাঃ শাপী বন্ধীঃ ষ্ট্ডন্দ্ৰী শোভা তাং অপ্ৰতি অপ্তৰ ়েজুজুমিশ্সাবিত্যোম্জাঃ ওতৈৰ শোভা অবেটিইছে। नकी-कामका व्यवक्रिक् वाहा । ३४ कामा निक्कित-वाम मार्गातमा वाम-किन्ता क्रिकी त्वादम विविध्योगः। ७ वादमी लोगिनिधक कर त्मरीकार कामिकिकामि जाक्रमणा मारकार उन्हारी मार्ग मार्ग मार्ग मिलक उन्हार मार्ग रा विकानि

अरख्येन खेडवापि घ्यापि हाथाज्ञानि । १ के बार्ज साम्हित्य । इत्यापि । विक्रमित्र । ष्मश्रक्षि याश। ७ । श्रकार्शिक्षिति-त्रामज्जामां। स्ट्रां। त्मबङ्गा छन्ने (श्राम विनि-क्यां है या क्या ने मा मिलक म कराकि क्षित्रमा क्रिक्रों क्षेत्र मिलक में में प्राप्त क्षेत्र क्षित्र का अति-दाग्रामानकटन्नी क्षेत्रा कियुर्निदारम निन्दिनिक्ष के छन सामिक्ष्य कर त्मराजार आश्रीकिन्दिति द्रायानका निर्वकार्य छन्यावाचि याजी: षञ्चा अनुवान होक मूर्वक निविधः मुक्ता क्रिक्षित्रक्षि हर कर्मात्रक्षी बन्ना मुक्तम्पनिवर्ति कर्मात्रिक

गीश-वर्षि-वर्षि ठम क्षान्छटाचा त्मवलां छ्बो रहार्य विनिरमाशः ि 🗳 भाषिभान ठम ज्याः थात्राक्तितः सूत्र (प्रयोगार थात्राक्तिकृतः य वाक्ताना वाषकात्र किष्यावाति मीना निमित्तः भगताः व्यनमतः निष्ठ त्याता है है। विन्ता वरा न भगता भे क्षातिनी न क्षेत्रों है। मीमवायुष्टम देशाः साम्रक्षित्वतम् द्वार त्मवीमाः क्रिमिष्टः। दुन्तक क्रार्टन त्यतमामकः स्टिश्किक्तिति সোগঃ। ওঁ সুধ্য প্রায়শিচতে ছং দেবালাং শায়শিচতিরশি আকাশ্বা নাশকাম উপশা-ঘাতাঃ পাপীলক্ষী-ধা-পডিয়ী যা জহুত্র্যা যা জ-পুশ্ব্যা তমুন্তামক্ষ্যা জপ্যত যাহা। 🥲 । धिकाशिक अधि नामक्रामाध्नाक्षिक किष्मीरहाटम विनिष्ठाभः। ७ प्रदा साम-मंदाम त्रमुणिकां क्षेत्र की व्यक्तिकी में बामारिक में के किये के जावनायातः । नेत्रात्क कर बार्सिन क्षेत्र-वांशायक विस्मान्तः। ज्यातः शास्त्र नीव्यवक्षांग्राक्ति नव्दः ह। यज्ञेश भक्षा श्रुरक रिकृषकृति क्रित्तः। বানি যাজাঃ অ-প্ৰবা তনুভামতা অপ্ৰাহ বাহ।। ৪ । অজাশ্তিকবি ধাষ্ত্ৰ-वीवाय नक्टकनानी मंत्रीविक्ति ननः करंदर। अवनि नक्ष्यं मध्ये हे हिंछ मध्यविक्ष निक्:। विकोछ - 1966年日本の「お売から、を養けられた」といる教育を大学である。「大学で、「大学で、大学な、よ

चुनिडी जामभ्राङाजि छ्डीशक। डेक्ट्ब षममरित्र हिमाइ जिन्मकः म है छि छरमाश्रीनिट-প্রায় কিছির্দি তাল্লগুণা নাথকাম উপধাবামি যান্ড্যাঃ পতিমী তমুন্তামন্তা অপজ্যি कै ज्या सार्विध्य पर प्रयागार कार्याक्षितिम बाक्ष्यंचा नाथकाम छैन्यास्ति बाजाः श्रृष्ण त्यन्त्राष्ट्रक्षीरशास विनित्त्रायः। ॐ जनिवान् न्य-श्रृष्णाः काम्निकर्ता क्रि बाहा। 🔻 । काकाभिक्यिति-बामकामानः श्रका ध्वता छ्वतिह्यास विनिम्नामः। প্তিয়া তমুভামলী। জনাজ্যি সাহা। ১ । প্ৰমাণ্ডিগ্ৰি রামন্ত্রামাণা-অমিনাযুচন শিচতে ছং দেবানাং প্রায়শিচতির্সি বান্ধন্য নাধকাম উপধাবামি বাজাঃ পডিশী তমুন্তামজা-অপক্ষি হাহ। ৬ । প্রকাপতিপ্বি-রামস্ত্র-মাথে। বায়ুদেৰত। চকুলী-कांग छैनकात्रांति वांकाः निडिम्नो छन्छामका ष्मनकहि यादा। १ । स्रकामिङि अधि शांतात्रीयान्महत्त्वा तनवन्ना हजूबीत्वात्म विम्दित्राभः । ॐ हत्त्व शांत्रिक्टंड षर त्यंतामार रश्टम निमित्रमानः । ॐ यादत श्राप्ति का प्रामान्य सामान्य सामनिक्षान निम-ष्ठमां ९ पशामायाणि यज्ञातः वित्माज्ञितः एश्यामुक्षात्म ॥ ५---२० ॥ होडि विवास्तः॥ দেবানাং প্রায়ন্দিত্য়ঃ স্থ ব্যন্ধণো বো নাথকাম উপধাবাসি বাস্যাঃ পতিনী ভত্নস্থামস্যা

उँ भरत वास्तीकरके दर अवामी वामिक वित्रि वामिका वामिका के भाषा के भाषा मि यम्भा वर्षा कर्मकामक वनकरियाको । ४५ । अमानिज्यपि रामकागरीन राष्ट्रिक অপহত যায়। ১০ । এজাপতিশ্বি-রামন্ত্রামাণে।হয়িদেবতা চতুণীহোঁমে বিনিয়োগং। ठकुवीरदारमं विविद्याताः १८६ वार्षाः व्याविक्टाः घर स्वितानारं थायाकि छित्र जिल्ला नीक्षाम उपरावामिकाको कर्नका उत्तायका व्यवज्ञा क्षाका १३ । व्यक्षिपित् ধবিধানজ্ঞাণাণতভো দেবত। চত্তীহোমে বিনিয়োগঃ। ও চন্দ্র প্রায়ণিততে ছং দেবাদাং পারশিচিতিরশি আনুষ্পত্ত নাথকাম উপগাবামি যাজা অপুত্র। তর্ভানতা আপুশ্বি শীহা। ১৩ । প্রজাপতিশ্যিরামন্ত্রামাণঃ স্থাধ্য দেবত। চতুলী হোমে বিদিয়োগঃ। ওঁ কুৰ্য আধানিচতে হং দেবানাং পায়নিচতিরসি বাকাব্যা নাথকাম উপধাবামি যাক্যা অপুরা। তুমুভামস্য। অপুজহি বাহ।। ১৪ । প্রজাপতিথবিরামরামাধা-জায়িবায়ুচ— সুৰ্গা দেবতামজুৰীহোমে বিনিরোগঃ। ওঁ অগিবায়ুচক্র স্বাঃ প্রায়-চিতহয়। যু সং দেবানাং প্রার্ডিতয়ং হু বালনে। বে৷ নাথকাম উপধাবামি যাস্তা অপুত্রা **তমুখালনা** 

অপহত ধাহা। ১৫ । প্ৰকাপতিশ্বি-রাম্ন্তামাধোংগিদেবতা চতুণীহোমে বিনি-য়োগঃ। আংগ প্রায়ণিচতে ছং দেবানাং প্রায়ণিচ্টিরসি বালাণজা নাথকাম উপধাবামি বাসী অ-পশ্যা ত্রুস্থামস্য অপজ্ফি যায়। ১৬ । প্রজাপ্তিথ(ধিক্যয়ুক্তেব্তা ष्रिक्शीरशास्य विनित्याभः। ॐ वाद्या थात्रक्तिछ दर त्यवानार श्रामकिछत्रनि बाच्चवच्या नावकाय एनधावाचि बाजा ज-नवता छन्छायजा जनकृष्टि याहा। ऽ१। धाकानिह-श्वि-वागत्रीयानकत्सा तमवजा छङ्गीत्शत्म विनित्यानः। के ध्य थायिकत्त भ प्रयामाः आग्रन्धित्रमि खास्रम्था नायकात्र उनग्याप्ति याज्या ख-नमध्ता उन्तृकात्रका অপক্ষহি সাহা । ১৮ । প্রজাপতিধ্বি রাম্ন্র্যমাণঃ ফ্রেন্য। দেবজা চছ্ণীছোমে अकाणजिकतिन्द्रामहामाना-व्यावनातु-छ्यन्द्रम्। एषवज्ञारुज्योत्स्तम् ं विनिद्धांभः 🎼 🕉 विनित्योगः । उर्वेश्वेषाः थात्रीकतेकः पर तम्योगेर आंत्रीकवित्रीकः वास्त्रीका नाथकांच उल्लोबामि याउन जन्मेंबा उल्लोबाम्या जलकाहि बाहा । ১৯ ।

जिवाबृष्टकार्योाः क्षांबन्दित्वा वृष्ट तम्बानार क्षांबन्दिकः बाचत्वा त्वा नाथकाध তৎপরে, যথ সহিত্ত পতি উথান পূর্মক উভয়ে জায়ির উত্তর দিকে দ্রগ্রেমান ফ্ট্রেম उनकानामि याना ज-नन्ता उनुखामका जनहु काहा। २०।

बर कांगांछ। वर्षत महिटक टकामा इटेट ( अन्यनाध कृष्ठ मिलिक ) अन्त किट्रन। भारत, তৎপরে, প্রাদেশপ্রমাণ গতমুক্ত সমিধ অগ্নিতে প্রকেশ পুর্বক মহাব্যাছতি হোম चारात वणकः काशाका वर्षत नित्र हि निम्न किकि मिशा, प्यवश्रेन मिशा किर्या कतिया, जिमीछा कर्षा (भ्या ७० श्रुषा) मयाथन कत्रमानश्चत तत्रक्छाटक शृष्ट नहिंदा माहेटका

इंडि दिनाशक हामापि कर्ष त्राक्षम्।

#### भेड़ी स्मेम ।

শুকু সানের পর (রজেন দশন দিবসু হইতে বোড়শ রাত্রি কাল মুধ্যে) ভাব্যা গমন বিহিত প্রসন্ত দিবসে সারং সন্ত্যা জাতীত কালে গুভ লয়ে দিব্যগল-মাল্যামরধারী

স্বেশ পতি প্ৰগিভিম্পে লট সুমীপে ব্যুক্ত বামে এইয়া, উপৰিষ্ট হইবেন। তৎপরে, ঘটে গণেশাদিকে গল-পুলাদি ছারা পূজা করিয়া, বহীর ও মাক্তেরের ধানা প্রথম ভাগে দেখা পূর্বক ঘণাশকি উপচারে পূজা সুমাণা করণানজ্য "মহাবাম দেবা লবি—ইড্যাদি মতে ব্যুক্ত শান্তি দান ক্রিবেন।

गीए वर्ष कर्म गुरुत अर<sup>क्ल</sup>हें जीत रेख गीए वर्ष कर्म गुरुत अर<sup>क्ल</sup>हें जीत रेख गांता जानामि न

the cross of the tecental constitution of the techniques of the present the second

तम्बर्क कार्त मिर्मेन, मेरी माना-"के कियाया विक्टा कही (खड़ी) क्यिरमानित्रमिकः

ভাষতে বিষ্ণুডেজন্ম, জগংসবিত্ৰে গুচিনে সুবিত্ৰে ক্ষ্মণ্ডিন্ত, বিষ্ণুগ্ৰীসুৰ্গায় নমঃ। (কোন কোন পাছতিতে অবিস্তৃত্ৰ সাহি মন্ত্ৰপাছে । ডংগৰে, জামাভা উপ-বিষ্ণু বিশ্বাৰ পাছত লাগি কৰি লাগি বিশ্বাৰ স্থান কাৰ্য্য কাৰ্য্য কাৰ্য কা नवशुटकारिशंद (रिमय शृहानाहीत) क्रियोर श्रृंति कर मिनेन्द्र । े के मध्य निविध्य कि वक्षन

াত্ৰ বিভিন্ন সংগ্ৰহ কৰিছিল ছাত্ৰ বাধা হ'ব চুকাৰে জন বাধা কিয়াই আৰু বাধা কৰি কৰিছিল। বিশ্ব কৰি কৰিছিল। বিশ্ব কৰি কৰিছিল। বিশ্ব বীজেন গরেঁ। ভরতি ভাবমাত্রমেব জাসিকছে । কিছেশগুড্ডার্থঃ। কিছে ধাতা জাদিত্য, তে তর

उँ गर्डा (महि मिनीतानि गुर्डा, (महि नत्रश्रक्ति। धर्डा (ङ अभिरतो स्मर्यास्त्रोधकार धष्ण्यत अदिको ्राक्ष के स्टिन अदिक स्ट्रिन के अस्ति क्रिक मिन इस्त्र का साम प्रतिकटन वर्ष न माजिक सम लामी अस्तिक रिएएक 🛨 वे मीन करमा कव कर्मक क्रांत्र क्रांत्राचारम्ब्रिक्काव । जन्मा क्रांत्र শেষ্ণাত্ৰগ্ৰহত্বাছ্কঃ বিন্বলো সর্ষ্ত্যাধ্নো দেবতা গৰ্গধানে বিকিয়োগঃ।

क्वीन समया नात्री या क्वान बानक बात्रा मजत्नाधिक भक्षणेत्र वर्षाक भान कत्राहेश कित्वी क्षणेत्र कार कार सम्बन्ध कार्य (सम्बन्ध कार कार्य कार्य कार्य कार्य का अपने मृद्धी श्रीका स्वतित्व अधिनवस्ता मुक्तान्य मृद्धाः अत्यापा स्वति । अत्यापा स्वति अधिन म्रोहा

कमार्गि अस्ति अस्ति । जिल्लासिक । जिल्ला मिन्द्र । वर्षा मिन्द्र । जुल्ला कमस् स्वास्त । ज्यर नरत,

গৰ্জী পুৰাৰ দিশাৰু ধারমুভু । ১। ওঁ প্ৰথিতাদি। দিনীবালাদিয়ে দেবতা: পূৰ্বা অনাবজা দিনীবালী দা আখিতে। কে ভগবভি দিনীবালি অজাং বৰ্ষাং গৰ্জ বোহ ব্যায় বভাতামনূর। एर मनगडि भेची: (यदि। किक एर वर्ष एक खनाबित्नी तगतो भर्चमागता: कृककार किक्नुत्तो भन्नमान) भग्नमामित्मो । २ हेन्डिगर्डामानः ।

^

क्रित्व। भारत, श्रुश्राष्टा श्रुत्वमी वर्ष चात्रित्र अभिष्टात्र ज्ञानीएन त्राभित्रा, क्षांब्युची रहेशा, शिष्ठत मन्मिनशास्त्र जिनद्यमम क्रित्र । उरश्रत, भिष्ठ ष्रमञ्जक मित्र লাউক্রো সমাধা থ্রক পতি ( অভাবে অন্ত ব্যক্তি) র্দ্ধি আগমাদি করিয়া, 'চক্র' লামক আমিছাণনানতর বিরুপাক্ষ জ্পান্ত কুনাতিক। (৮ম ভালে দেখ) স্মাপন THE RESERVE OF STREET STREET, STREET STREET, S क्षांक्रि श्रीक वाष्ट ममछ महोवामिं (हाम ( हम जान ६२ श्री तम, ) कतिरवन।

. के ब्रीटी, के कुन्नि के प्राप्त कर्मा प्रति मानाम कथावान एहें उस्ताम् मानाम तक वर्षान

ममूमीयक अन्त्रीहोति बन्धि मास्क गत्रक मोह्नत क्षित्र। स्वाधात्र (यहेन भूत्रक किछ घाटन श्राधित । भूत्र ক্ষ্তি বৃদ্ধ সাধিকে ধুৰু কিছা শাব কিন অঞ্চল ক্ষিয়া সাক্তব্যে পাত্ট একেপিয়া, খাতটা বট শুক

क्य करा रहेळ ध्वर, मार्ग्य मार्थ कोठ वर्ष वृक्ष रहेए । माह्य क्या हहेळ, धामारा के मक्त क्य डिएमरम (क्रम मज्ज भाठे कड़ा बाबरांत वीकांत लोहांहे (मधा क्रेन । ণতেই, পতি উপবিস্থা বধুৰ শশ্জাৎভাগো মাইল, দদিশ্যস্থ মালা বধুর দশ্জিণ-খ্ৰু

শ্প্ৰিষ্টাৰ বস্তাদি ব্যৱদান রহিত নাভিদেশ্য শ্প্ৰথক মন্ত্ৰ প্ডিকে, স্থা,---'প্ৰহণ্ गिछिस्विस्ट्रेन कटना मिद्धानकुणांसाधि नाग्रहना पनवछाः शुरमन्दन निन्धानाः। 🕉

তৎপরে, বটশুক কয় উদ্দেশে সাতি মন্ত্র পাঠ করিবে। সাতি মন্ত্রেরই ঋষি শাক্তাজ ধ্যা তথা তত্তাভদ্যিতি চ ক্ষিয়াণদম্মনাধাণি হৈ। তেনামুমহান্। ধ্যা প্রাংগে। মিনাবজন্য জাণিতাপ্ততিতকো বলা চতুমানোবজিনী দেববৈলো। বথা চতুমানগ্ৰিথ। চতুমান বায়ঃ তথা জবো-हेकाति । जै एसति करम् हा हैकाति । के एतृत्वतिहास । कै एमति एक्षा । के प्रमति दिर्धारमा पुमारत्मे मिखावज्ञत्मे शुमारमार्वाचनादुष्डो। शुमानिक वाङ्गम्ड शुमान् मध्युष-इक्षांति এক প্রকার, উগ প্রতিমন্তে পৃথক্ প্রক্ পাঠ করিবে; ধথা,— প্রকাপতিশ্বিং ষ্মত পুংমবনং । উত্তম্য শবিত্যাদি—বিত্যাবিকণাদি দেশতো পুণেবনে বিনিষ্কাঃ। সাপেকল-সংক্ষণ গ্রহী পুষানবিছিল। ১ ও বলানি নৌমীভাবি । তি বলানি বাজনীভাবি । তি ৰদানি বফ্রভা - द्वामद्व - ४ -

कींपांति (७) है यहाति तिरश्रका प्रत्यका तिरश्रका प्रत्वकाषा त्रारक पत्रि-দেবেতা ইত্যাদি। মধ্ব ঘছ্ े লগোধণুলাজয়ং বিনিমুক্তানি মোনায়৻য় দেবতাঃ। নিগদিতাভোলি। হক্ষুবিদং এম্মিট্টন্ত্র ছেগনে সিনিতুক্তা। তে ওম্বার সুম্য ক্র্যানা প্রন্যতেত্তা ভুষা শ্বকার কীকালাং को हाएक भतिकीषामि (२) छै यमानि बश्चाका बभुष्काका बाएक शतिकोषामि (७) উ যদ্যদি কলিভা কলেভাস্থা রাজে পরিকীণামি (৪) ও হদ্যদি আদিভোভা তে অধ্যোধভাদে বং যদি বৌদা, কামদেব্তাকা তদ। দোমায় রাচ্ছে তরধীরাং রাচ্ছে চন্দ্রমূদে যোগজ গ্যক্তঃ দৃষ্যুশ্যৎ পরিকশুণাফি বিনিময়েন গ্রহ্মামি। সৌমীতি সোনজা দেয়তেতালেন সোমায় রাজে कै बतानि कोमी काशा का द्वाटक अहिकोगामि (५) के रमानि बाक्रनी वक्रनाम भामिट्डाना नाटक पनिकीनाति (०) छै यमानि महत्ता महस्ता नाटक भनि-মই।থে বছলং ছন্দুমীতি চতুপী। যা হাং পরিকীণামি তথা বদাসি বাজনীতা।দিষ্, ৫১। ওঁ এমধম ইতানিদ্ कीपात्र (१)। १।

ं शहत, बहेकुन चाइत्रत उत्मत्य भन्न भन्ति भन्ति, म्था, —धन्नाशिक्धित-त्तायत्था त्मवत्।

नार्ध्वां विकारक स्थान विनिध्याता । ॐ अत्रम्यः क्रममध्याकृष्णार् बीक्षर क्षेत्रास्छ देन्द

ष्ट्रमुद्रीयसः सर्वाष्ट्रमानेमम्। त्रिमिष्का । "ष्ट्रमान्नित्ताः । "ष्ट्रमान्नित्ताः । "ष्ट्रमान्नित्ताः त्राधिया, नौर्गत कंल मरायात श्र्यक उन्नीक्र ज्यावी घाता छेश रणयन कत्रिय। यात, निष्य বটভঞালীং বীৰ্চ, সালধি সম্ধত্ত অপ্যত যত ইদং কথা প্ৰেস্ত্ৰলক্ষণ কবিৱাতি। ৩। 🄞 পুমামিতি मिष्ण करन्छत ष्यनारिका ७ ष्यक्ष्म बाहा वर्षत्र मिष्णि नामात्रस्त धिनान कतिरव, তৎপরে, কোন কুমারী বা গভ ব্তী ক্রীলোক কিয়া কোন সংবাক্ষণ শূর্পের वाहर तारे क्नातकि व वेष्टम नहेंगा, व्यक्ति छेढन छाए। क्षमानिक नीनात छेंगत পশিচমে বধুর পশ্চাৎভাগে অব্যিষ্ড পাশ্ডি দেই পেষিত বটগুণুক বস্ত্রথডে লইয়া, উহার রস क्ष क्रियां छि। ७।

ছে বৰ্ষধা প্ৰান্তিত ধৰা প্ৰান্তিলে। বৰা ধুমান্ত্ৰেনে ইছফাডি কৃষ্ণ ভজগুৰু কিছিল এ, বছুণ সমূল

মন্ত ৰথ, — প্ৰচাপ চিশ্বি বয়ুই প্ৰকোষমী অৱহুপাৰয়ো। নেৱত। নাম্মুখ শুলাইন্সামে विमित्रमागः। के.श्रुमान्यः श्रुमानिकः श्रुमम् तमत्त्र। श्रुमगंत्रतः।श्रुमत् रिम्म कर श्रीमान्त्रमात्रकार । ४।

क्रविट्य धन्र क्रेनीक्राणक शामानि क मास्तिमान क क्रिट्य। कुक्रमेंस कीय खरेश, शांतिकी कर छ किया मित्रा, मानिस मिरक बांतिकार कर अधिकाली कंत्राकेटता को मिन क्षेट्रिक अध्वत्री नमीडीत क्ष्यवाह्मामक नम्भावसन प्रमाधक प्रमाधक माम गित्रकाण कविद्य [ विविधिक के ज अग्रमाहि जा कहा बुक्ति नक्षक कांत्रम कहीर एक नक्षामाशिक्षामा उरशास, महासामिडि हाम कतिया, क्यारमन्थमान निम्म प्रशिष्ट कार्यमन मक्साएक (सबटनाम् मुक्ककुण्डाक कोव कम (किकाकुटा) काङोकन ७ खदान चाहा जिल्हामान) शक्त अद्योष मध्यत ("मध्य काटन भारताणग्यम विधि मन्द्र)]।

भूका विक्रिय में कम मिर्ग महिका | किस उनक्ष उन्त महिका मार्का मिर्ग भूमान भूका उन्त का कांक्र है। इस देकि भूरत्रवत्रः । अ

#### नीमह्हामम्मर ।

পতি থাত: মানাদি নিত্য কাৰ্য্য সমাধা পূৰ্বক য়দ্ধি আন্ধাদি ক্রিয়া, "মঙ্গল" त्रटम् मिम्स थटक्मे शूर्तक मश्तामात्र्यि रश्मक्तिरव। भटत,भष्टि यभुत्र भक्तारकारम युक्ता-ভিমুখে অবস্থান পূৰ্বক এক র্ড ফিড পট সুনাদিতে অথিত পক উডুম্ব (বক্ষড়ম্বর) নামক অগি ফাপনানতত্ত্ব সাধারণ কুশতিক। ( ৮ম ভাগে দেখ ) সমাপন ক্রিবে। পরে, সুষাত, সুমঙ্গলবেশা বগুকে বীয় দক্ষিণে জগ্নি সমীপে উপবেশন করাইলা, প্রক্রেড কর্মা-ফলবয় লইরা,—থাজাপতিশ্বিরমূপ্ত পৃত্দঃ খ্রী-দেবতা উত্তর ফলবুণল বন্ধনে বিনি-त्मागः। ' छे षामम्जीवत्जा त्रक छेक्नीय क्लिनीज्य। भर्र ( भूर्र) यनन्गर्छ मुद्रा सुद्रा मंथ मीयरकामकाः। 🕉 व्यवम्जामि । श्रीरम्दङाः উত্यत्रक्रमञ्जानम् विभिष्यम्। इत्मिरिष्रम्। (र कमार्गिल खदा दुक छेषुभूषां वा छेकीयान अफूडकताः। एषा अमुख्यत्त्रोक्रकांवतः स्थित्रं मार्गिन क উদীব উতুদ্রীৎ কলিনী পুরিনী তব কিল তে বনলাতে উতুদর অন্তাং প্রস্তারাং বিষাং দুয়া রবিঃ

ছत्मा वासूरभत्त । मर्जिनश्रिक्ती छिः नीमत्त्रीमस्म विमित्सभः। छे जूवः।" बद् मत्त्र পূর্দের জায় দীমন্ত উন্নয়ন করিবে এবং উহা কেশ পাশে স্থাপন করিতে হইবে। খুন-তায় কেশ পাশে ফ্রাপন করিবে। পুনশ্চ দভণিজলীত্তয় লইয়া,—প্রজাপ্তিশ্বিক্ষিক্ চসুকুডাং রুদ্ধি। ১। এই মজে ঐ মান্য বৃদ্ধ কটে এদোন করিবে। তৎপরে, দর্ভ-বিনিয়োগঃ। ওঁ ভূঃ।" এই মজে ঐ দৰ্জিপানীতায় ঘারা বধুর সীমন্ত ( পিকুর ফাপন ফুান) হইতে ক্ডিপয় কেশ মন্তকের উর্দাকে সংস্থাপন করিবে এবং দর্ভপিঞ্চী-পিজনিব্যু লইনা,– "প্রজাপতিপ্দি-শার্তীজ্বেশ্চ হিদিবতা দর্ভপিজনীভিঃ সীমজোময়নে

भूत्रमतः स्क्रकाः छरमम्। इति कि मित्र स्या स्या (ख्या (ख्या प्रामित स्मर्गाष्ट्रक (ख्यानीयः।)। 🕉 (ঘনেভ্যাদি। দ্রিট্রিয়ং শ্লীদেবতাকা দীমস্ভোন্নদে বিনিদুক্তা। প্রশাশতির্জগতঃ অধী যেন শরেণ অদিতেশ্বেষ্যাতুঃ দীমানং দীমন্তং নয়তি নীতবান্। কিমথং মহতে তুহতে দৌভাগায়ি তেন ৰ্বাৰ দত পিঞ্চাী এর ভক্রা, পুর্বৎ মন্ত্র পড়িবে, বথা,—প্রজাপতিথ বিবয়্ত্র প্রজ্ঞা

मर्जिष्णीम माता मीमस श्रेट किन्जिया तक्म स्टिंक उन्नयम किराय बाबर मर्जिभिष्णनिव्य सृत्यात्मत्छ। मर्जिश्वनीचिः नीगत्कात्रम् विनित्यानः। व यः। धरे मत्त्र भूत्रंबर

भारतमाशः छडी करेन बन्ताः श्रिशः नीयानः नीयकः नग्रामि करत्रामि । खकाः भूखानीव्राप्तिकाः खन्नकृष्टिः बरेख है कि परीर्थ छड़ थी बखर ताकि छड़ थी। २। अ अंक्रिका कि जान हो अन्तर का का क्ष्म प्रमुन किन महत्रों स्थिन कत्रित । शहत, नत ( मिलाक कत्रत लांग-कर्केक, बीत एक विश्व (क्र विनिधा थाएकन, ) नरेग्रा—श्राकाणिङ्श कि- निष्ठे ण्रुक्षः क्री-एमवङ् भएत्र नीगर्छा-मग्रत्म विनित्रम्भः। उँ त्यमामित्छः मौमान मग्नि कामानिष्यंश्ट त्रोक्ताम त्वमाश-मरेख मीमांन नहामि शक्तामरेख कत्रमृष्टि क्रानीम। र। अरे महत्र एक अनित्र एक उन्नाम श्रीक ध मत दक्षमग्रासा शायम कतिरव। भरत, स्वश्र् उर्क (काष्ट्रामात मानाका) कशानधाताः भिषकानकीविनीः क्रांशीय काषामि । त्रोज्ञारिक्षि मुख्यमञ्ज होत्र मुर्शाम्य भोग्छ छ नाम टक्षी मीमाखामात विमित्रका। ताका त्मीपामीकुाठाएड डामश् डडी हाव बाखात्रामि किक्रुडाः मुख्याः

স্মুচপা শোভন-পুণ্যা। ন কেবলং স্থোত্ অপি চ জনা অনুষ্কা বোধয়ত্ব অবধায়য়ত্ সৈব ভূয়ঃ প্ৰাধ্যিত। নইয়া,—" প্ৰজাপতিপ্ৰিক্তণতীভূদেন রাকা দেৰতা স্তৰ্প্তকুণা মীমজোলয়মে বিনিয়োগ:। ওঁরাকামহং সূহবাং সূবহাং সুষ্ট্ডী ছবে শ্লোডু ন:। সূভগা বোপ-रकू खना। नीदाव्यः मृ (मृ) हा जिक्तमामानश समाष्ट्र दीतः भटमान्न (बू) मुथार''। ७। এই মত্রে ঐ ডকুর অংগ্রভাগধারা সীমন্ত ফানের কডিপায় কেশ প্রবিং উময়ন পূর্ষক শোভনাসাং ক্যা হবে ফুইুতী শোভনতত। আহ্বান প্রোজনমাহ সূণোতু নোহমাকং বচং কিছুত। সা জায় এতৎ পুতাজনালক পুত্রপৌতাদিবক পংবীবাত্ দীবাং। কয়। ফ্চাা সংঘটন শীবায়া কিস্তুতরা শক্তিদাবানয়। কিঞ্বীরং পূরং পূর্ব কিস্তুতং শতদায়ুম্ধ্য, শত্দায়বঃ প্রভূতদাতারঃ তেরু সুধার প্রধানং লায়ুরৌবাদিক:। মুধুনীকি গুশংমুনুগিতি গুর্ক্ষবর্ণঃ হবে ইতি বছলং ছন্দুমীতি সংপ্রসারণং জনা

हेि कारमश्रम् हेड्याकाश्यमीयः। ष्यय हेि ष्यमरमा मक्षित्र राट्यायम यक्षितः क्षित्र भूखत्क ष्याः र्याता हैटिकाक्रणमस्त्राधातः मृतैः धर भटामायुवासिकाज भटमायुवासिक भारते मृत्रैः। छन्। भक-দায়া: প্রভূতদাতার: জের মুখা: ইতি বাগাক। ়। ওঁ বাজে রাকে ইড়াদি-জগতীরং রাকা উহ। কেশমধ্যে থাগন করিলে। তৎপত্তে, ডিন স্থানে শ্বেছাভ সন্ধান কর্তক সুইরা, 🗝 প্রজাপডিঋণিজজনতীক্তনো রাক। দেবত। কিবেতবা শলল্যা সীমজোচতরে ধিবিরোগ্য।

দেবতা শুলিলা শীল্ভোললনে বিনিষ্ভা। হে তাকে বাজে তব সুনতঃ: শোভনা বুছঃ: ভিছতোঃ ২১ एभागहि महत्यत्भाषर श्रुक्ता वत्रांगा ( तत्रांगा ) । ६। अहे मत्त्र पे मझाक कर्केक दाता श्रीयर तम्म छित्रम कतित्व अवर छेटा तम्म मह्या ज्यामम कतित्व। प्रतमानी श्रवनी:। भिक्त माठिका मोटाद रक्ष्यानात्र स्त्रीय समीत ममाति छोडिः स्मरिकिकानक्षित् ওঁ যাতে রাকে স্মত্যঃ সুপেশ্রো যাভিদ দাসি সাজ্বে বস্দি। তাভিনেফ্সাস্থন

বছলংকুমনীতি শংশা বুকু। অস্থগাজোগদেশ ইত্যাদিন। অস্থুমানিক্রোগঃ। তহ্যাসিষ্কালা-বাণিজ্ঞাসিভিত্যাৎ জতে। তেত্ত্ত্ব ক্ৰিছি সুক্ষণাগ্ৰনিতি ক্ৰিছি গান্ত হয়।গেডি হা আনু ৰাছ্ৰু পুভাগে ন্পালোকবন্তাতে নহলপোষ্য বছল্ন পানকং জ্বঃ ররাগা গগান।। গাতৰ ইতি লাভ্ গানে দাধীৰ মাক্ষাৰ ৰীচং ভোট বিচিক্ৰেনী নিপাভাতে চতুইধাক্ৰচনং হয়ে।ঃ সংখ্যাবার্গ। ভট্যাগ্যগুতি

য় অস্তাহনি নেক্ষাক উপ গ্রীশংশাগৃহি শাগফ। কিছুতা প্রমন্ধালয়ে। কি ভূকী। কে

পরে, জিলা ভাষুলা সংগ্রেক্ত মাষ কলাই ভূইবার থাকালন প্রক্ত যে কোন চুচুলিক্তে किकिए शूर्य भाक कतावेगा, वे शाक्शावक ठक्त उंशत एड सिहा, कैटा वसुन मगीरण क्षाणम कित्रिय । छद्भारत, शिक के क्षाणीभाक ब्रुट्क प्रवाहिता किकात्रा मह

भिष्टात, संबा, — "धाकाभिष्टिक्षित: श्री-तमत्रका वर्ष्यतः विनित्मागः। ६ किर भक्षित । वर्ष.

পদালিখিত উত্তর ফুচক মত্র বৃধ্বে পড়াইবে, যথা,—প্রকাণতিথবিঃ জ্রীকেবজা

श्वासिनारक काक्रमध्यक्षिरस्य आकाः श्रुदानीजातिकः श्रुन् श्रीमहिदात्तीन् मृष्ट् यम रेष्ट्राः त्रीक्ष्यहेर 8 किः मञ्जान हेड्यानि-वस्तिमः श्रीरेन्धकः कामीनाकारवक्ष्य विम्युष्टरः। एवं कनगानि क्षित्रम् केकान्याय भेषूना मरभा यवनः हम्मेनीकि मामायिकि विभिन्नः वाकार्यमायानामः मान्ता । अ थातीणाकरियंकर्त मैंबितरवांषः। के टाक्षं लम्बं रत्रोजाणार भावांष्ट्रे ( क्षं) তৎপত্ত, প্রকৃতকর্ণাকৈ মহাব্যাক্তিহোম পুর্বক সহত সমিধ শ্রিতে দিয়া, উদীচ্য नकुर्रा ६।

ক্ষাইতে। এবং বাদানীধণ সমূকে নদিবে, "বীরস্তুং ভব জীবস্তুপ্ভেব জীবপন্নী ছং छव।'' गर्डिंगों दे मिन श्रृत्मी क 5 क़ कफ़न कतिरदम्। केतिरव। लट्डा, टकाम नम्या नाती कमन्दित् कल दान न्हिन्दित आनामि नक्ष्त्र कर्ष

भूद कमितल भन्न भुजादक एकामान मा मन्नारेश ज्या एकात गाँजिएक मन्त्रियात भूति শিজী মুহর প্রিধান বস্তু সহস্থান পূর্দক রুদ্ধিশাক অনুমূপে অনুমূপ বা ভোকোধিন্ত

नककानकोतिङ कि प्रश्नि धरा खन्ना भूक्ष्मुक नको छित्रमार नक्षा परमुक पर्णामी कि। ( अब छाएम एमधे) कवित्यम । भएत, कुमानी गर्डवरी या (काम मामाना द्राष्ट्रक घाता मरामिति बहीर्य ठकुषी ॥ ० ॥ हेकि मीमरक्षांमध्याः

बार कोडर्यमध्योगा। ७ रेशमङ्गिम। त्रीरिय्दहर्गम क्यावस किस्माम्हरम दिनिमुक्ता

প্ৰকাণিত শিলার সুপিট বীতিও বৰ দদিল তত্তুর অস্ট ও অনানিকা ছারা এচণ প্রজাপ্তিজ্বিরহং দেবতা ঐতি যবচুবেন কুমারত জিকামাজ্জনে বিনিযোগং। ও कतिया, ज्याता क्यातत किला माळना कतित्व, मज रथा.--

দেবতা: কুমারজ্ঞ শবি: প্রাশনে বিনিয়োগ:। ও মেধাতে মিত্রাব্রুণে। মেধামিদি ধাকুতে। মেধাক্তে অধিচন দেবা বাধ্তাং পুক্রতক্তেই। হোহা )। ২। পুনশচ সূবৰ মাজনা করিবে, মত্ত বথা, --প্রজাপ্ডিক্ষিরসুষ্ট্ প্তদ্দে। মিত্রাবক্রণা ( ব্যিন্নী) গ্রাথিনো हैव्यास्कामम्बर्गिमम्बर्धः। १। ए९ भरत, जुदर्गं ५७ दात् इन्त सहेत्रा, किस्सा

ছে ব্যোক ইন্ন প্রভাক্ষম: ইন্মাকা প্রজা পা স্মস্থাৎ কারেণ জানহৈত্যাৎ ইদ্যায়ুঃ প্রাণ্ধারণ; ইদ্য-মুকং আননেন বিধিনা উপৰ্ক্যমান্ত অমূলনধাণি ত্ৰাজিটি বাকাশেকঃ। ১। ও মেধাক ইত্যাদি। অন্ত্ ই বিয়ং স্পিট্রোশ্নে বিনিযুক্তন। বিহাবকণাগ্রাখিনে। দেবতাং। কে বাল্ক মেধা পাঠআবশ্বিধর-अस्तिः (ख स्व विज्ञावकाः) (सर्वे कांग्रसाः अषा क्षिति। शूक्तवाष्ट्रो "मूप्रांनानकृत्ते। त्यवीयांथयाः ছাপ্রতাং। ডথালিবাতু ছাপ্রতু। ২। ও সদসঃ পতিমিতাাদি –গাংমীয়ং ইমলেবন, স্পিএনাশ্মে बांता इष्ड नहेत्रा किस्ता मार्कना कतिरव,गत्र मधा,—शकार्या छर्दामाग्रजीकम-नेटका (नवडा कुंगात्त्रक ग्रिकि ध्वानात्म विनिध्यागः। छ मनम्माङिगङ्क धियामञ्ज्ञ कांग्रार मनिर মোধামায়াসিষং ষাহা। া তৎপরে, পিডা শিশুর নাভিচ্ছেদন ও শুন্দ দান করিতে অনুজ্ঞ। कतिहा, भूष मणेन निमिष्टक स्थान ना कतिहा था किटन এই ममझ शुनक स्थान कतिहरन । পুর্নাফে শিশুকে শ্লান করাইবে, পরে, নায়ং সন্ধাাকাল অভীত হইলে, পিতা চক্রাণ \* নিজ্মত নাম করণের পরে, কিন্তু জাতিকার নিজ্মণ লোপপ্রায় এবং নামকুরণ জারাশন এক দিনে वानकींत्र केश्राप्त क्रेम विन्धां स्टाइश निभिनाम ।

निक्रम्भ 🛊 ।

বিনিযুক্তা। সদ্দঃ সভাগঃ পাতিং মুখাং অঙুতং আশ্চিধারপং প্রিগমিজ্জ ইজ্জ লভ্য় (বল্পভং) কামা-मजीहोर्थनाथकः (मधाः मनिः बीधांत्रवावजी (यथा जमा माजातः भूताहार्थात्रव्यसामिषः भन्नेपरम त्मार्थेन কুষ্রায় মেধাং দল্ভিডাশিংদা বাকাপ্ত। স্নিদিতি ছক্সি রূণসন্ধশিক্ষণামিতীন। আয়াসিধ্মিতি भारतेत् ह भग । ०। । हिन्द का कम्भगन्न नाथा। नगाथा। তিমুখে কুডাঞ্লি হইয়া অবহুনি ক্রিবেন এবং মাডা শুচি বস্তু হারা কুমারকে জাচ্চাদন

পূৰ্মক ভাৰ্ডার বামপাশে থাকিয়া, উত্তর শিরক শিশুকে পিড় হক্তে সমপণ করিবেন এবং ভার্ডোর দশিশণ পাথেশ অগ্যিয়া চক্রাভিমূশী হইয়া অবস্থান ক্রিবেন। তেৎপরে, ণিতা মত্র পাঠ করিবেন, যথা,—'থজাণতিথ্নিরমূষ্ট্রপ্ছদশ্চন্দ্রে দেবতা কুমারস্য চক্রদর্শনে বিনিয়োগঃ। ওঁ মতে সুমীমে (সুমীমে) ক্রম্যং হিতমন্তঃ প্রকাপতে)। বেদাহং পামিমীৰ নিছিতং আংদয়ং জ্পিতং বফলামং ডৰ্জ, জায়। ডংহানহাৎ জহং বেট জানামি। মন্যে তথু কা মাহং পৌএমদং নিগাং।১। প্রজাপতিশ্বিরমূষ্ট্ প্ ছন্দ্দেশ্রেল। দেবত। কুমারস্থ জাথ নিজমণমূলগাখ্যা। ওঁ হতে সুসীমে হানয়ং ইত্যাদি—অষ্ট্ৰিয়ং চাক্ৰাঃ চক্ৰদৰ্শনে বিনিষ্কা। কে চক্ষ যতে ভবাজামুখো মুখীমে অভিশীতনে প্রজাপতে বিজানামানক্ষনহয়ে পড়ো) পভাাবিব **उन्नारं अवरमार्वकि मटक वर्षाक्रमार श्रृ**क्षमशक्र आसर वाममः अमिष्टेरमाग्यापिमाणापिक्रणमङ् मानिनार ন নিগছের ন আগুরামীতি হাবং। অমুমণ্ড হান্দ্ত অস্তিভ্নামুমানিটসমূলে। ন ঘটতে। নিগা-मिछि हेन गरको माधिकू होरन। नाजुडी डि नारमण्डा । । वद पृथवानिकानि म्नवद मृथिवार क्रमामुक्त न समीत्यङ गूत्या कनिया चिथा ।।।

মজ পাঠাতেও কুমারকে চৰ্দুদেখাইবে। পরে, পিন্ডা চন্দুকে অধ্য দিবেন, মাস্ত অমৃত্যির দিবি ছালোকে চল্লমদি লিডং জালিতং ভদংং অমৃতস্ত নাম বেদ জালামি। ইতোহ-

 (छोर्ट्स (पीक्कक् शूल्मक्कित्रतात मा कदा मा ( गमम्) प्रक्रामि । अति मत्तो माडि तृत् ् छोक्मित्राद त्मक्रह् । क्षक् कर्वामिक होक्मम्था र क्षकि महक्ष्मि क्षम्यातः। २। के हेळाग्रीकामि—क्षात्रक्षाभ्री ह्रव्यक्त । रेखांगी प्राः त्यस्य क्षेत्रारेश्वभवं क्ष्णांभः स्कृत्रः मक्षः। किक्ष्त्रं । व्यस्य क्षेत्राभकी त्राव्यभारते।

[ছংসায়ায়। ০। ওঁ ব্যদক্তর্মনীত্রাদি। চক্তমা এব ্রব্ডা ব্যুজ্ঞ । এত্রজ্যোদি কুকং সাহ্তরং তিথা শৰ্ম মজ্ভতং যথায়ং কুমারো কানিতায়া কাধি উৎসকে ছিভোন আধিয়ৈতত ন ছিংজেত। মীঙ্

यथा,— ४ फ्रीत्त्रोमार्थत मङ्गुरू अस्तिमव ममुख्य। धृश्रांशार्थाः भर्भाष्ट्रमः त्यारिका।

সায়ং कोटन চক্র দর্শন প্রক জলাঞ্লি ডাাগ করিবেন, মন্ত যথা,—প্রজাপাতিশ্বিরমূষ্ট্রপ্ সদয়ং থি (৭) ডং। ডদহং বিষাং তথেপজনাহং পৌতামগং কদং। ৪। অপর ছুইবার শমন্ত্রক জলাজনি ড্যাগ করিবেন। পরে, পিড। বামদেয্য গান এবং কুমারের মশুন শরে, পিড। অপর চৃতীয় শুরুপক্ষ যাবং প্রতি শুরুপক্ষীয় চৃতীয়া ডিথিডে ছ-ল-শচল্ডোদেবত। কুষারতাত চন্দ্রশনে বিনিয়োগং। ওঁযদদক্রমসি ক্রয়ং পৃথিবা তৎপরে, শিতা পুর্মবং উত্তরশির্ষ কুমারকে মাতৃহতে অপ্ণ করিয়া, "মহাবাম-प्रस्थार्थाय—ङ्ज्यामि भाष्टि गन्न लाहे श्रृतक यक्षन हिन्छ। कतिष्रा भृष्ट श्वरम् कतिरयम । फिक्षा क निरंतन ।

পুৰিষ্ট স্থান্ত পালিত। ভালত। উল্লেখ্য স্থান উল্লেখ্য প্ৰান্ত জালিন উচ্চ পালীন্ত্ৰ স্থান বিজ্ঞান স্থান আৰু কাৰিব চৰ্ ্ণীজন্ত: পুজন্ম মিল্পাপ: ুশাকং প্রাপাুম্ কৃদ্ং মারোদিমী তাথ: ।। ইতি নিজমণ্মরবাব্যা স্মাঞ্জা। পিডা জভাবে অন্য ব্যক্তি (তু ৬৫ পূচা দেখ) নিত্যকৰ্ম ও বৃদ্ধি আদাদি সমাপদ পুৰ্কক পুৰ্বাস্ত হট্যা, বিরূপাক জপান্ত কুশ্ভিকা নমাধা করিয়া, কথারতে,—''অগ্রে মং পাথিব নামাসি '' এই ক্ৰমে অগ্নির নাম করণ আবাহন ও প্ৰা প্ৰক্ৰ য়ত শ্ৰিক্ত সমিধ

প্রজাপতিঋ্যি গায়তীজ্বদোহ্যির্দেবতা মহাব্যাস্থতি হোমে বিনিয়োগঃ। ওঁ জুং বাহা। ভঙ্পরে, বানকের মাতা শুদ্ধ বস্ত্রঘারা কুমারকে আচ্ছাদন পূর্কক প্তির দ্সিণ-পাতে পাকিয়া, উত্তর শিরক বালককে পতিহতে অর্ণ করিয়া, পতির পুঠদেশ ঘারা প্রকাপতিঋষিরাকিক্ ছদ্দো বায়ুর্দেবতা মহাব্যাক্তি হোমে বিনিয়োগঃ। ওঁ ভূবঃ বাহা। क्षकानिष्क्रशिवत्रुषु न्हमः स्त्रात्मत्का महायास्थित्। मित्रागः। कै यः योश। बाम पारम बागिया, मिक्टक क्राट्ड नरेया, श्र्म्म्यी ररेया উপবেশन क्रिटियन। ष्ममुक षश्चित खात्कल कतिता, महाचात्रिङ हाम कतित्वन, यथा,

1

ষাহা। ওঁনবমৈয় সাহা, ওঁপিশাচেড্যং ফাহা। ওঁদশমৈয় হাহা, ওঁধআঁয়ে সাহা। ওঁ এক দিলৈ যায়। ওঁ কথায় পাহা। ওঁ দাদলৈ পাহা, ওঁ বায়বে ঝাহা। ওঁ এয়ো-দলৈ যাহা, ওঁ কামদেবায় াহা। ওঁ চঙ্দলৈ যাহা, ওঁ যদেভাঃ সাহা। ওঁ পৌণ্মালৈ সাহা, ওঁ বিখেভো। দেবেভাঃগাংগ। ওঁ অমাবস্থাগ়ৈ সাহা, ওঁ পিতৃভাঃ সাহা। ১৯। ওঁ চতু বৈধি স্বাহা, ওঁ ধমায় সাহা। ওঁ পঞ্মা স্বাহা, ওঁ নোমায় সাহা। ওঁ বট্ঠা সাহা, क्मातात्र याश। अँतछरम् याश, थँ मूनिष्ठाः याश। ष्ठहेरम् याश, थँ यस्रुष्ठाः কুমাত্রের ক্ষম্ভিণি ও ডদ্দিগুলু-দেবজা এবং জন্ম নক্ষ্ত ও ডদ্দিগুলু-দেবভার নাম-निस्फिन शून्नक नार्यारस्य क्तिया, भाग कतिर, रथा,--ए अल्लाम यात्रा, छ बन्नार বাহা। ভ দিতীয়ারৈ বাহা, উ হুটে পাহা। ওঁ তৃতীয়ারৈ বাহা, ওঁ জনাদনায় কাহা। পরে, পিডা,—'ওঁ এজাপাড়রে সাগ।' মাত্র একবার ছতাগুডি দিবেন। ডংগারে,

নক্রতোম। ও ক্রতিকাড্যং সাস, ও অগ্নে সাগ। । ও নোহিশীড্যং সাম, ও প্রজান প্তয়ে ফ্বাহা। ৪। ওঁ মুগশিরনে স্বাহা, ওঁলোমায় সাহা। ৫। ওঁ আর্দিরৈ স্বাহা, ওঁ

ণীভ্যাং কাছা, ও অৰ্গন্নে বাহা। ১২। ও হতালৈ কাহা, ওঁ সবিত্ৰে আহা। ১৩। ওঁ बारा। १९। डे क्योंकीरेय यारा, छ हेन्यात यारा। १४। छै मुनारेय यारा, छै देनथंडाय ষাহা। ১৯। ওঁ প্ৰামাঢ়াভাঃ বাহা, ওঁ অন্তঃ বাহা। २०। ওঁ উত্তামাঢ়াভাঃ বাহা, ওঁ গাভা: যাহা, ওঁ বসুডা: যাহা। ২০। ওঁ শত্তিমাভা: যাহা, ওঁ বক্তশাস্ক যাহা। ২৪। उँ श्रम जायभाषार याता, के करिक न नाम याता। १६ । के छिन्त जायभग्नामा যাহা, ওঁ অহিবশুর কাহা।২১। ওঁরেবজৈ ফাহা, ভঁ প্ষে স্বাহা।২৭। ভঁ অখিনে के पिक्छाः याश् । ১ । ७ ज्रीक ख्रीजार याश, के छशाय याश। ३३। के छित्रक झ-क्तिगोरेस स्रोश, ॐ कर्छ साश । ১৪ । ॐ सारेखा याश, ॐ बासरब याश। ১৫। ॐ विमा-बाडाः यादा, ७ हेसाबीड्यार यादा। ३०। ७ ष्यूताराखाः यादा, ७ मिनाम विष्युत्ता एमरवनाः यात्रा। २० । ॐ व्यवनारित्र यात्रा, ॐ विकारत यात्रा। २२ । ॐ मन्

যাহা, উ অধিনী কুমারাভ্যাং পাহা। ১। উ ভরশৈ বাহা, উ যমায় কাহা। २।

তংশত্র, ঋণিতা কুমাত্রের মুখ নানিক৷ নেত্র ও কণ ষয় এই সগু স্থান দক্ষিণ ক্ষান্তর ষারা অক্ষিদনের স্থায় স্পর্শ করিয়া, পশ্চালিথিত মন্ত্র ঘুয় পাঠ করিবেন, **শার্কাপাতি** अति ( अयुष्टे प्रकृम ) व्यानिष्ट्या तन्त्रा क्यात्रस्य नायकत्रत् विनिष्माणः । के तक्ष्मि শান । ত্ৰীলমূক দেবছাইলাইলাত্যং যাসং প্ৰবিশ। **শ্ৰীলমূক দেবছাই**।১।

(বালকের সম্বোধনাস্ক নামোলেথ করিবে)। প্রজাপতিশ্বি (রমুষ্ট্রপ্রদ্ধান্তর সংক্রাজি \* দেশ বিশোষ এই স্থান থড়ি দারা প্রত্যাদিতে চুইট নাম কল্পনা পূর্বক বিশিষ্য, তাহার \* দেশ । তেন্ত্ৰ প্ৰজানিত দুহদীপ নয় বাশি আন্তি কৰিক উজন হইবে, সেই নাম রাখা ব্যবহার আছে।

क्षथ नामक्ष्रवन्यस्तावता । ७ ्ति क्रियाश्तिक्षम्त्रिकम्त्रिकार्काला मानः व्यविमात्ते। বজুরিদমাদিত্যদৈবক্ত নামকরণে বিনিযুক্ত। অসে আমন্তনে দেবদ্ভ কোদি ক্ৰমনি। সক্ষণপ্ৰায়ঃ। কভমোধিদি কিংজাতীয়োহদি। জাতি প্রশে। উত্তর এমোহদি ভবদি প্রত্যকনির্দেশ:। স্মান্নান্ত বিনার্ভনি যতঃ অতথ্য অংহলভায়ে মান্য ফ্রামান, দক্ষোভিচিহ্নতং প্রবিশ। ১। ও নগাকে ইভানে ।

ধুমামাজ্য মামেভাঃ পরিদদত্। মামা**জ ঋতুভাঃ পরিদদতু ঋতবেজা সম্মেরার**ি बार्डा पतिममाङ् । बाजिष्यारमाञ्जानाम् पत्रिममाज्ञरमातार्जो बार्षमस्य मञ् । समरमत्यात्रात् करारेग्र भतिममाञ् । २ । श्रीसमूक तम्यम्बन्।" দেবতা কুমারফ) রাদিতো। দেবতা নামকরণে বিশক্ষামাত্র

আহিম্পান্তাবেশ্য ভন্মতে । জামী হৈ দেবদ্ভ বোহ্দুশানিপ্তা কাং আছে দিক্সায় প্রিদাতি সম্পত্ত স্কর্জনায় যাবৎ শত্যুদ্ধং মাস্স বিশেষণ্ড্ডেশ্গৃঞ্জ্পতির্দ্ধ শাস্ত্র বিশেষণ্ शाक्ति भूस क छेनी। [ अन्नश्रामान मित्रम नागकत्र १३८न छेनी। मर्त्रमाम ] कत्रित् क्षेड्रवमुम्(डि।२। हिट नामकत्र्वमञ्जत्राथा मुम्रीक्षी।

ज्येभारत, गांछ। निक्टक सरेता याहेटवन। भिछा मश्राताम्बिङ्गा कतिता, मिम

भटत, भिका कुभारतत मांकात वामकर्शत ममीरण विभारतम,--'जिन्मुक मियमीग्रार

उड़ । क्याहतत मिक्न कर्त तिगर्वम, "शिष्मुक प्रत्मिपामि ।"

## अप्रक्रीना ।

स्वरहा शुक्रवारिणভाकामच छङ्र्ं। ध्रश्यावानिज्ञा जिम्यम् जाकारश्या विनिष्छा। जात्रः देव किन এक-क्षित्रका अकः वाषामः जनात्रक्षमध्यम् जारमानानिजारः । अक्ष्यत्रत्वज्ञात्रः । किक्षमधः क् পরে, পশ্চাৎ লিখিত ঘাহান্ত মল্তে গ্ডহারা হোম করিবে, যথা,--প্রকাণ্ডিগ্নি-र्गास्त्रीकृषम् व्याप्तित्ता तम्त्रज्ञा शुक्रमांत्रिभाजाक्षाम्य ठड्डव्यात्य व्याप्तामिन्ताष्टिमूथ-क्षशक्रदानाममञ्जर्गाना। क्षक्रत् ता এक्छन्तम् ज्यक्तः क्टिङ्काक्ष्मक्र । शाज्ञजीयमापिटङ्गा যত্মাৎ একং ভূতেভাঃ ভূতানাং তৃপ্তার্থং ছন্দয়তি প্রবৃত্তয়তি জয়মর্থঃ। যথা আদিতাকে রামাজানং যুট্যভিদা লোকান্ চ্নদগতি অগ্রণোভি ডাঝামণী অগদিত্যপ্রদাদাৎ বহুতরং ভবজু বেনাহং পুক্ষকেল্থি-जिजा साम शुस्र क निछा किया गर्मामा कतिया, ब्रिक्सिम्बामामि कतिरयम। उद्भारत, বিরুপাক জপাত কুশতিকা (৮ম ভাগে দেখ) সমাপন করিয়া, "জ্ডি " নামক অগ্রি ফ্যপন পুষ ক প্রকৃত কমারতে পাদেশ প্রমাণ স্মিধ অমস্ত্রক অগ্নিতে আছতি দিয়া, भश्यातामिष्डि दश्म कतिरदम (२० शृधा नामकत्रान प्रथ)।

প্ৰজাপতিৰ্গযিগায়ৰীজন্দ আদিতো। দেবত। পুক্ৰগাধিপভ্যকামস্ত চজুন্দৰে অগ্নামাদিত্যাতি তাপ্যথেমে ।বান্ধোয়ঃ। ও আনং বা একছনস্থানং হোকং ভূতেভাশ্ৰুসারতি থাবা।১। কামো জুহোমি সাহা।৩। প্রজাপতিঋ্ষিঃ কুদেবত। রভাবিচিতিকামজ্ঞ সায়ং প্রাতঃ भीरुर्ख्यामि । अक्ष्रभगामि इत्यक्षमनीति १५।२। ॐ आदित्रज्ञामि । यक्षतिकः **अदे**क्ष किन धार। टीकाको किश्वर मधा नः मेचशात्वत् मत्ता वित्राध्न कामित्ता मशि मधः चामिनकाः चरमशकु লনতাবাল:। ভেল: সম্পুৎ আধিণতাং ভৎকাষায়মানো জ্ছোমি যুতং যায়। ৩। ফুলে বায়। কুপণিশ্ৰাভ্যা: শাহা। বতুৰী হৈম বৃত্যবিদ্ধিতিকাম্স্য শায়: প্ৰতে: ফুৎত্ভূচোমে বিনিষ্জে। জুৎ-गूनकाकारशास्य विनिष्यांगः। ॐ क्रियां धमा नचा त्ना वित्ताहत्ना मन्नि नष (ष्) मवष-শাকু ফাছা। ২। প্রজাপতিশ্বরিষ্ইতীছন্দ্ আদিতো দেবতা পুরুষাধিপত্যকামস্ত চতু-णाय षाश्वामिक्शाच्मियकाका हाम विनिधानः। वै षामग्र हरूमव उत्राक्षकः त्रमाद-অপুরতু। স্থান ইতি সফ্র্যাস্থ্থে ছকাসি বনীপৌবজন্যাবিতি বনিপ্। ২। 🗳 আনস্যয়ত্যেব রমজিকা: শৃশাৎকানো কুহোমি। বৃহতীয়ং অরুদা দুত্মের রুম: দার: তথা চ যদ্মুত: তদ্ভোলনমিতি

কুজোমে বিনিয়োগঃ। উক্ধে বাজা। ৪। প্রজাপতিথ দিঃ কুথপিপাসে দেবতে উ কুনুদিপাসভাগি যায়। উ প্রাণায় সাহা। ৫। উ জাপানায় যাহা। ৬। উ সমানায় রত্যবিচ্ছিছিক মিজ সায়ং প্রাতঃ কুংপিপাস। লেমে (কুইডে ঢামে) বিনিয়োগঃ। माहा। १। छ उनानात माहा। ६। छ नामात माहा। ३।

(इ असमार इ क्रिक्त)। कामिक हन्नाहर ह वृष्टिनु हिन्दा हर कामा के कि प्रटरः। काम्ना कामनीयमा লানীবস্পারোগাকরসাভাষাঃ ভাষিঃ ভারিত্তিকরসা উজিঃ বলং ংক্টিঃ কিঞ্চ আমসা আংনাভারং ভার্ डाइव। एष्पा त्मार्ट्याकर विनास डकुणात ६ मर् युनर् सिक। खनमीत त्याषा केटारक। जार्ष ইতি কুষ্কাতরগায়াঃ পাস্তাৎ প্রাধিনায়াং নিং নোটাস্থা, নাটাস্থাসারিতি স্বাটাস্থাত্রা निमास रेम्टरङ । ६— ३। 'के क्रम्सर्ट्स्यात्मडामि । दृष्टोग्नः, ष्मम्नीडरम्यङाष्मम्योगस्न विनिष्का । এই স্কল প্রুড ক্রাক্সক হোম স্যাধা হইলে,মহাব্যাস্তি হোমপ্রক্র ছ্ডাক্ত স্মিধ क्षिहाउ किया, छेने।। हांग ( च्य छांग ) এवर वामासवा भान कवित्व। भारत, कुर्मारत्रत

मृत्य जनमाम \* कतित्य, मञ्ज यथा.--शक्तानित्यतिहरुको हत्माक्रमनिक्तिवरु जन्ना-भारम विमिरमागः । ४ ष्मत्रभारङ्गम् त्मा (स्काममीतम् कृष्मिः क्षमार्कात्रः जार्ष केष्काः त्मा

ঁপেছি দিপদেশং চতুম্পদে বাহা। ১•। পৰে, দক্ষিণান্ত ও অছিদ্ৰাবধারণাদি করিবে।

्रिंश-केंत्रथ ।

পিতা নিত্যকিয়া সমাধা পূর্বক যুদিশাদ্ধাদি সমাপ্ন করিয়া, বিক্রপাক জপাস্ত কুশ-

 ব্যবহার বশ্তঃ জনক জননা শিশুর মূথে অনুদ্ধি করেন না। অনুধ্পিনের পর শিশুকে এমর্ করাইয়। আনাইয়া, ধানা পুত্তক মসাধার লেখনি স্তিকাও মুদ্র। পড়িত দ্বয় পুণ্ পাত্র বাবাকের নিকটে अभिरत, यात्रक भारत त्य वस्त शक्त कतिरत, छाहाहै छहात क्रोविका इहेरत।

मिन्। चात्रमाभिङ्गारम्हिन् त्नामः हेडम् त्नामः। भन्नत्यनमीमिङ हेकान्नतामः मक्षान्ता कृष् विष्टे व (लागः । ১ । हि कि कमिल्रामाममान्त्रा मनान्त्रा

পুথক্ পুথক্ লুগিতেৰ এবং এই দিকে উল্লেদক সহিত কাংজ পাত রাণিতে ও জুর ক্সত নাপিত ক্রায়-মান পাকিবে। অধির উত্তরে ভিনপাতে বুবগমর এবং ঘন্ড ভিন পাতে (নাপিতের জত্ত) ভিন ভণ্ডুন • এই সমতে জাগ্রির দক্ষিণ নিকে সাতটে নাতটি পহিত দ্বিগিজনী জয় কোন পাজে

অধির পুর্কদিকে আটি ঘৰ দিল পুণ পাত তিনটি এবং তিল নাব মিল পুণ পাত তিনটি ছাপুন माघकमाक मिल्लिङ कतिषा दाप्रित ।

অধুচুড়াকরণারহায়ধা। ওঁ কায়মগাৎ সবিভা ফুরেণ। মধ্রেমানি যকুণি চূড়াকরণে বিলি-যুক্তানি। আহিময়োপাত্রবিতাদেবতাক্রিন। ছে কুম্ব জয়ং লাপিত। স্বিতাদেব: ফুরেণ জা

ě

(উহাকে ফ্ৰা মূচিবৎ ভাবিয়া) মন্ত্ৰ পড়িবেন, ৰথা,—প্ৰজাপতিপ্ষিঃ স্বিতা দেবতা চূড়া-করণে বিনিয়োগঃ। উ আ রমগাৎ সবিতা ফুরেন। ১। কাপ্তে পাত্র ভিতে উষ্কোদক डिक्स यात्र-डेमटकरेनिध । २। भरत, याम रुख घाता यानादन प्रक्रिश क्रमूष्टिकांत्र দেখিয়া, মন্ত্র পড়িবেন, যথা,—প্রজাপ্তিশ্বিব্রিয়েশ্বেতা চূড়াকরণে নিনিয়োলঃ। উ (দক্ষিণ কৰেণ্য কিঞ্চিৎ উপরিভাগের কেন্যের নাম) কেশ এছণ পূর্দক দক্ষিণ হস্তে ছারা श्रिक काशिक किकिए छैटकामक नहें हा उन्हां के एक में किकाहें हा मिटन, बाज नकी,--कागीर जागहरान् এडक प्रांकत्रनात्र ज्याहरू। वार्त्रहाजानामभूषकः । १ के खेटकम नात्र एकदम्पित তে থারে। যমণি উক্তেমোনকো গুরীতেম কুমারশিরঃ প্রাথমিক্ট। ঐথি জাগজ্ঞ। জাজিন্তাশ্রুতি ফিজাঝা ।২৩ তি জ্বানি নিজাই জীনতে । বাস্থান হা জানীতে। জ্বাণ্ড হৈ জ্বাপি ভাজাণ ভিজাই ক্লেইজ ইজাই জিলানে।

প্রজাণতিথনি রাপে। দেবতা চ্ডাকরণে বিনিয়োগঃ। ওঁ জাপ উদ্দন্ত দীরনে। ৩।

मिक्रनकशुष्टिकात्र ज्याम्ट त्करम छत्। छैक्ष मूस कतिया वैमिष्या मिरव, पञ्ज षथा,---क्षक्रीणिज्-स्तित्वार्माश्यम्बर्का हृज्ञाक्तरा विभित्रमाः। के एत्राम द्याम्रोक्नर। । । भात, याम हच्छे बाता श्री उम्हि मर्जिन जी महिक कथू हिका मिक्स इस्टिइक कृत बाता म्लान कि किरिय, विमिरमागः। ॐ विस्थामंरहोधिम। । ' भरते, भूत्रमाभिष्ठ मर्ङ्भिक्षनीत कक्षि मेरेबो, हिस्ती:। ७। शूनक बे क्यूष्टिकान तक्ष शूर्वतर कृत घावा म्यान कतिया गञ्ज भिड़त्व, किमर्थ औरत मोननाश। मोनतः है छि छुम्दर्थत्म हेटामिन। सन अछ। ॥ अ निकामित् विनामित् टक कृत का विश्वामार है। शिम मरक्षाशीन । अ कि स्मान जात्रतेन । (ह स्मान हि मर्ज अनः क्यांतर তায়স রক্ষা । । ওঁ স্থিতে নৈনং হিনীঃ। স্থিকিরৌডুস্বঃ ক্রঃ। ছে স্থিতে এনং ক্যারং মা पाठारी। कुत अवरताकन श्रक निष्टिन, --अक्षिनिक्मिति क्राक्तिन्। हां क्राक्रि মন্ত্ৰ হথা, -- প্ৰজাপি ভিশ্বিঃ স্থিতিকেবিতা চুড়াকরণে বিনিয়োগঃ। 🗳 স্থিতে মৈশং

किरमीर म स्रिमित्रामि ॥ ७ ॥ छ (तम त्र्या दुकम्मटङ्कारम् तिक्कान किर्नाटकम एक दर्गाम जन्मना क्रीवाकरत

বচ্চদেশ ৭। এই মন্ত্র পাঠাতেও ঐ ফুর ছুই বার সঞ্লিলন পূর্মক দক্ষিণ কপুষ্ঠিক। ছেদন ষ্ণা,--প্রজাপডিঅধিঃ পুষা দেবতা চূড়াকরণে বিনিয়োগঃ। উ কেন পুষা রহশ্যকে ৰ্দিয়ারিক্ষস্ত চাবপৎ ভেন ভে বপামি বন্দণা জীবাভবে জীবনায় দীঘাষুষ্ঠায় বলায়

করে।মি কিমধং জীবাততে জীবনায় অসাপাধং দীধাষ্টায় বৰ্জনে তেজোবুজাধং ৮৭। ও জমদগেরলাদুদং ও জীবনার দীষাষ্টায় বলায় বঠনে। ঘথিতিজতিপুলীকং বিনিযোগমাহ কেন স্থিতিন। পূব: পোবা কলগুল অনুষ্ঠাত ও অগুন্তাত নুন্তুত ও গুদেন্দ্র। তার্লিন্ তার্লিন্ তার্লিন্। জন্মধেল্ট্রিন্ কল্পিক্ (মহতকের পশ্চাৎ ভাগ শিথার নিল্ল দেশের নাম) ছানের কেশ উষ্ণ জন দারা অভি-সেচন ও কুবদৰ্শন ৪ দৰ্ভণি জ্ঞানী সংহোগ ৫ ঐ স্থানে কুর সংহোগ ৬ ঐ কেশ দৰ্জণি জ্ঞানী সহিত ছেদন ৭ রূপ পাঁচটি কার্য তৃতীয় প্রভৃতি পাঁচটি মন্ত্র পড়িয়া, পূর্ববং ঘণাকরেম বুফ্স্পাডেকীয়োরিক্লস্থ চ জবপ্থ ভন্তঃ কুত্রান্ তেন স্থিতিন। বন্ধণ। বন্ধভূতেন তে তর ব্যাসি ভন্তা-ক্রিয়া, রুষ্ণোময় পাজে দর্জপিঞ্লী সহিত স্থাপন ক্রিবে। তৎপরে, বালকের স্বপুচ্ছল

করিতে ১ইবে। এনত (তুতীরবার) বামকের বাম কণ্ণীক। (মন্থকের বাম গাশুক বাম কর্নর উদ্ধ ভানের নাম ) ফানের কেশে উক জল তাক্ষণ প্রভৃতি কার্য্য পঞ্চ মন্ত পাঠ श्रुकक शुक्रवर वश्राकृष्य क्रित्र 5 डडीर ।

পুৰ্কক বুষগোময় পাত্ৰয়ে রুক্ষিত হউলে, পরে, পিড। উভয় করত ল ছার। কুমারের এই প্রাধ্যে মন্তকের দক্ষিণ পশ্চাৎ ও বাম ভাগের কেশ গুলু মধাক্রণে জেনন মস্তক আছাদন করিয়া মন্ত্র পড়িবেন, যথা,—এজাপড়িখ নিক্রিকছলেশ। সমদ্ধি কস্তা-প্ৰিছিটোদেয়ো দেবতাশিচুড়াকরণে বিনিরোগঃ। উ এয়ায়ুনং জনসময়োঃ। কভোপজা এয়া-

তৎপরে,বস্তাদি মাধ্যত নাপিত পুনি বা উত্নাস্ত কুমারেব মঞ্চক সূত্ৰ এবং ধুদং। অগভাস্ত ভাগিয়ুদং। মদেশবানাং ভাগুদং। তত্তহন্ত ভাগুদং।৮।

And design and the second of the second of

**~**′

অগকাস দেবানাং উলাদিনাং যথ সোমুদং কৃথি অগুদ্ধি বংলদ্ভক্রিরয়ানি তথ কার্যা কে ভারক ভেজক ত্তব ভবকু। তাগুল্মিতি কডাকুরাদিস্তেলগৃত্ সমাস্থাতা । ৮ । ককি চুড়াকুরণমূলবাধা। সমাধা। মিংকোপ করিবে। পারে, পিতা বাজ সমত মহাব্যাজ্তি হোম করিয়া, দমিখ প্রক্রেপ भूक्क डिमीठा क्षेत्र कडिरवस । वर्षाति क्रत्र मक्स नाभिष्टरक श्रामान कडिरव ।

क्रगटवम क्रवाध्या मिटव । न्याक ८कम वाम वा नामान जावापा मुख्यि, भार्क

শিভা বা প্রতিমিধি আচাধ্য রুদ্ধি আদাদি সমাপন করিয়া, সামান্য কুশ্বিক্ নমাধা করিবেন। পরে, এক মাত্র গৈরিক ( অভাবে জন্য শুদ্ধ ) বন্ত পরিচিত্ত মুণ্ডিত

ণ্দিশং এতম্পলল্নাথাং চরিধানানি জলুস্তিনি ন্সূত্ত তুভাল প্রবীনি কথল্নি নিবেদ্গালীভি বাব⊄ অধিবাপনসময়রবাবাবা। ও অন্তাপক হনুষি উপনয়নহোলে বিনিষ্কানি। প্রতিয়োগান্ত-গ্রাণি দেবতাকানি উপনীয়মানো মানহকেণ্ডীয় প্রাপ্তিত। হে অয়ে ওডপ্তে শাস্ত্রীয়ন্ত নিয়মন্ত পালকং ধ্বে ডট্টেম্চং কংক্সিদাচ্টিনিকুং সুবেন শলিকুং শক্ষিনি। ব্ৰড্টেরপঞ্জ ফলমাছ ভেনোশ্রমূলব্রেটেন শিখ মানবককে (অংগ্ৰ ঘাহার বেদ পাঠ হয় নাই একুণ বালককে) খীর দক্ষিণে जिन्दिनम् कत्रोहित्वम्

প্রজাপতিষ্ধিরগুমদ্দেরত। উপনয়ন হোমে বিনিয়োগঃ। ওঁ অমে ত্রতপতে **ত্রতক্রি**-করণভূডেন কংগ্ৰমান্সুমিং শাখনলকণা প্ৰাধুগ্নীতি শেষ। তথাহমনুভাদনীকৰ্চনাৎ প্ৰকৃ কুক। ইদং বতং সভাং সভাবচনককশ, সমূগৈমি সমকে উলৈমি। কংমধঃ ঘোহহং প্রাভিশারনাক্ষণে-শংদাতি দিটীগাগে হৃতীয়। সমূপৈমীতি ব্যবহিতোপ্নগ্ৰদ্দঃ। ১ ় ওঁ ইজ। বতানাং-যঞ্জানাং বাচক ভৎপরে, জাচার্গ "সমুদ্ধব" নামক জায়ির জাবাহনাদি করিয়া, প্রকৃত্ত ষ্যামি ডভে প্রব্রীমি ডছকেরং ডেনজা সমিদমহমন্তাৎ সতামুপৈমি স্বাহা।১। প্রজাপতি ঋদি ব'ায়ুদেবত। উপনয়নহোমে বিনিয়োগং। ওঁ বায়ে। বতপতে বাতথারি-ইটিচার জন্সং রেহিহমগুনা পরিতাকটারতবাদঃ সতাক্তমিদং অতং চরিগল্মি । শকেগমিতি বিভাশিষ্ক কৰারতে প্রাদেশ প্রমাণ সমিধ অগ্রুক অগ্রিতে দিয়া, ব্যস্ত সমস্ত মহাব্যাকৃতি হোম (৮ম ৬২ প্রধা) করিবেন। পরে, আচাধ্য পঞ্চমস্তে ছতাততি দিবেন, যথা,---

প্ৰজাপতিখ্নিরিছো। দেৰতা উপনর্ন হোমে বিনিয়োগঃ। ওঁ ইন্দ্ৰ ব্ৰভানা ব্ৰজপতে বতকরিয়ামি ততে প্রবীমি তচ্চকেয়ং তেনধ্যা সমিদমহমন্তাৎ সভামুপৈমি কাহা ।৫। ষ্যামি ভঙ্তে প্রবীমি ডফুকেয়ং তেনধ্যা সমিদমহমন্ডাৎ সত্যমুপৈমি ধাহা।৩। প্রজাপতিঝ বিশ্চমেনা দেবতা উপনয়নহোমে বিনিয়োগঃ। ও চফ্র বত্তপতে ব্রত-कतिमामि उटछ काउनीम उच्छटकम् एउनकी। ममिममरममुखार मजाम रेभिम सार।। ४। **এ** रे पक्षमञ्ज भागे एक होन ममासा रहेत्न, कार्চार्या भीत्र जागतन भूक्षां अधिक शा मर्खायमान क्रेट्रन धर्र मान्यक आंठार्गा जिम्स थाकिया छैछतान्य क्रेया मधायमान निष्यम् अर्थितमः ॥२---८॥ ॐ काशद्या । अष्टे विष्ठः यापितक्षिक्यानग्रीहार्षाम् करण विनिष्का । क्षानाम् এব দেবতাঃ। হে জালাদ্যো ফুগ্যনমুণানীয়মানং সুমন্তাং শোতনমসূতাং পাদ্যোতন প্রকর্পে। মিল্সতঃ। ধ্যামি ভতে প্রবর্গাম ভচ্ছকেয়ং ভেনদ্ধা বামদম্মসূস্ভাৎ সভামূপোম ফাছা। ২। প্রাজা-পতিঋ মিঃ সূর্যোয় দেবতা উপনয়ন হোমে বিনিয়োগঃ। ওঁ সূধ্য ব্রতপতে ব্রডকরি-

शूबन कवित्रा, भारत, च्यां हार बाह्न विश्वति कलवाता शूबन कतिरव, व्याहार्था शृशीकाश्रील मामवकत्क मर्मन भूक्क मञ्ज शिष्ट्व, यथा, — श्रष्ठाशिङ्श्वितृषु प्रहिन्ता हिम्सी हिम्सी नुष्रा bc खुखामा ए हा । एक त छ । उन्नार क्या कि कि स्थान कि कि कि स्थान । कड़ेरवम, मामवरका मिक्टन खनक्याम श्रीक कान जामन मामवरका ७ षाष्ठान कम बाज़ा

জম্মাভিঃ সহৈতৎ প্রার্গতে। তথা প্রত্যোতন গ্রাথনেন ব্রন্তারিণ ভাগজ। জাগমনশীলেন ব্যং সম্পাম্থি माशास्त्रमाति। किस खरिकी खरिकाः मकरत्रमति शब्दामः। जातम द्रमात्रातिना मत उथा ब्यामानिः मक् क्षित्र कलाएतमायः जक्षात्रा मक्षा क्षार्यमानी कृत अंतिकानी कृत अंतिका अंतिका मञ्ज्ञनारम् कि मधामञ्ज्यस्य स्ट उन मुक्त क्यों (मगड ४ ४ ४ व्यक्त प्रीमोशीमुण्यो नयम् । यस्तिममा छाटिन् ওঁ আগালু। সমগ্যতি প্রেমত ?ং মুরোতন অরিপ্তাঃ সকলেমহি সন্ধি সকলতাদ্যং। ৬। मुटकारण्डि मकानक महर। अशुराशिक्तम्जि नार्विराश्यनमन्त्रष्यः। मृ मिमार्ग लाहिमार् मुरा उत्था-দেবতা মাণ্ডকপাঠে বিনিম্কান। ্ত ওলো ব্লচণ্ড মৈপ্ননিবৃদ্ধি অংমাগাং আগতথ্যমি বড়ঃ অলেজ व्याहार्या मानवकटक अन्हां मिथिक मस अए।डेटवन, यथा,—थाकाशिक्यंत्रिवस्त्रे अकम

ő

## भागात्त्रा (स्वतः) स्थानस्य मानवस्थाहरम् विवास्त्रातः। ६ द्रम्ण्यान्त्रामुन्न

নিজের রাশিঘটিত বা নাধারণ নাম কণন নিমিত্ত মন্ত্রে, যথা,— প্রজ্ঞাপতি অধি-मामवरका मिवछ। উপमग्राम मामवक नाम कश्रम विभित्माणः। के ख्रीममूक प्रवस्त আচাধ্য মানবকের নাম কিকাসা সূচক মন্ত্র পড়িবেন, যথা,—প্রজাপ**তিশ্নিক্ট্র** প্**ছকে**ন মানবকো দেবতা উপনয়নে মানবক-নাম্প্রেম বিনিয়োগঃ। ওঁ কো নামাসি।। মানবক नामान्य । ৮.।

क्रिनक, धन मनिक्रमिथ्यरन। एमरकाः मानन्कश्यक्षरम् निम्मुक्तः। एक् ष्मामो ११ ,एनमस्क ८७ कन मा मार जिनमध्य का क्रममीण र खानहत्व है। इस मार्गात । करने नामस्या । आधार्या पृथ्किक कियामा एमगि। रः शुटेः न जाङ् करमो नामान्य तन्तमस्यामाङ्गिकार्थः । ৮। छै तमयः उट-- वक्षतिका ভৎপত্তে, আচার্য্য এবং মানবক উভয়ে পুর্ম গৃহীত কলাঞ্জনি পরিজ্যাণ করিবেন। এরে, জ্ঞাচার্য সীয় দক্ষিণ হস্তধারা মামবকের অক্ষু স্ভিড দক্ষিণ পাণি গ্রহন পূর্কক

গৃহীত-মানবক্ৰজোচাষ্টজ্পে ইত্যগুহী অবগুমা হজু-

ৰ্থা,—-প্ৰজাপতিৰ্ধ্যিরগ্যাদয়ো দেবত। উপনয়নে বিদিয়োগঃ। ওঁ অগিতে হত্যগুহীৎ সবিত। হ

মল্ল পড়িবেম, যথা,—প্ৰজাপতিখবিৱন্তু প্ছনঃ স্বিত্ৰি –গ্ৰণো দেবভা উপনয়নে আচা-**ब्रामा, मानवकश्**खश्वश्य विनियागाः। ॐ पमदमा তে निव्कः अमदश्चिमार्वाश्वार পুড়েঞা হত্তাভাগি হতং গৃহগমি। জীঅমুক দেবশম্ন্। (মানবকের সংখোধনাত নাম উচ্চারণ করিবেন)। ১। আচাবা প্রবিৎ সাক্ষিগ্রীত হত থাকিয়া, পুনশ্চ মন্ত্র পড়িবে,

ककाः मिक्टार्मवका क्षामातवश्काश्वलाता मक्ति काभागार्गात्मवदेवमाषां नीक्ष्माः भुक्ष्म प्रवाचा र रहाच्याः অহমচার্বার পাভিনা গুড়ামি॥১॥ 🗳 অগ্রিকে—বজুরিদং গুথীতমাণবকহন্তভাচাধান্ত জবে বিনিযুক্তং। काग्रोमग्न अब एमवडाः। एक बन्नाडातिम (पार्थाः ज्य क्टिंडा गया श्रृणेङ्डः श्रुक्तः काश्वः मित्रेडा कार्यामा চাঞালী ৫। অবনেন কর্মণা ওক্তভাষেণাদিন। মিত্রঃ প্রিয়ো হিতকারী মম হুমদি অন্যিশচ ভাগবংস্তব গুকু मधाकी (मज्जुषानि कर्षामा अधिताराधा-ख्व। २०। ९.८त, षाठाषा भन्तास्त्रिक

মিদ্র ইতি লিঙ্গবাতায়েন পুংবং ॥ ১০ ॥ ওঁ ক্র্যসাযুত্নগাংকিগাদৌ। ক্র্টদৈবতং ঘল্লাবর্জনে বিনিষ্কাং

भूतिमूट्य जावकाम कत्राकेटवम, मन।,—धाकाणिध्यतिः सूर्या। तमनका छेन-मज्ञ मिक्ना, मानतकटक श्रमन्तिन कटमः जर्शार भीत्र भूतेतम् घाता द्वामकारण নয়নে মনিৰকজ্ঞ আন্বৰ্ডনে বিনিয়োগঃ। ওঁ স্বাজায়তমখাবৰ্জয়। আনিষ্ফুক দেব-

শৰ্মন্।১১। মানবকের দক্ষিণ ক্ষ দক্ষিণ হত। বাস্থ্য ক্ষ আব্যব্ছিত নাভিয়েশ

ম্পাৰ্ক রিয়া, মন্ত্র পড়িবেন,—প্রজাপ্ডিখমিনাভাগতকে দেবতে উপনয়নে বৃদ্ধচারি নাজিকাশনে বিদিয়োগঃ। ওঁ প্রাণানাং গ্রিয়রিস মারিকাসোহজক ইদজে পরিদদাসি। মাৰিজ্যান বিজ্ঞাসিয়ানি স্থানায় বিচৰিষ্টা। জাত্ৰং আমাণানাং দেইখারণকারণানাং আহিঃ আছি-🏜 অমুক দেবশ্যবিদ্। ১২। পরে, নাভির উপরিভাগ উদর স্পাশ করিয়। আনচাধ্য ए भारतो. एनते एक क्रतात्रावृक्ष्मायक्षित्रमायक्ष्य स्वयम् । स्वयः छारमात्राविक्षेत्र छाव ६ वर्षा छ । १ । 🕉 শাধালাং প্রছিগি। নাভ্যন্তকে পেবতে নাভিস্পর্শনে বিনিষ্ভং। গলুরিলং হে দাভেৎস্য অন্ধচারিণন্তং প্রতিবজ্ঞাসি ভরসি। ডগা হে অকক যম ইদমসা বস্মতারিগঃ শরীয়ং অমুক্ষ ব্রমচারিগং তে তব পরি-দশ্মি অপ্যায়ি শাতুনামনেকাৰ্ভাৎ দৃশ্তিওৱ অপ্ৰাৰ্ণ ভয়ি সম্পিত এব বোগ জ্বামলগ্ৰিক্ষ

नाथं याति कि । जिलम हेटि विल्यास्त्रमञ्जू हे श्वामिकासह । ১২३ छ ष्मच्य हेस्टल पतिसमात्राष्ट्र। नाक् 🗠

মানবকের জনয়দেশ কার্শ করিয়। পড়িবেন, যথা,—প্রকাপতিথ্যিঃ ক্শানুদেবত। উপনর্নে मज शिक्रवम, मला,--शकाणि क्षितिवाङ्गरिक्तकः छन्मयतम बन्नाति-माज्यानि तरमन न्माद्दिन विकित्याताः। के ष्रकृत हैमट्छ श्रितमापि ख्रीष्यमूक (मन्नर्भागम्। ১०। काष्टार्का

The second second second

अंतर्ममामामार्ग विमिष्टकः। वाष्ट्रवाः बक्टा मान्त्र विख्वीति मान्त्रिमाम वाष्ट्रः जनामाध्यमः। (ए मेन्द्रम्। निमिष्का दक्ष:। (क क्रमारमा व्यक्ति ह्रमकः श्रव्यंवत् ॥ १८ ॥ अध्वाकाणकरम् ना निममामारमो मिक्निक्कान्यात्र निनिध्वकरा व्यक्ति। यक्ता (क् व्यम्) वक्षानि विकानित्र व्यक्षानित्र व्यक्ति क्रमाध्यक्तिमा मिल्ला अन्धानम् । ऽ । ज्यानिर्धा शुत्रक मिक्त बरुषाता शानदत्कत मिक्त-कक ज्यानं कतिया, প্রভিষয় — প্রকাপতিথ বিঃ থাজাপতিদেবত। উপনরনে এমতারি-দক্ষিণক্ষ কাশ্রেন বিক্রিয়োগঃ। 🍓 প্রকাণতয়ে হা পরিদণ্গি জীঅমুক দেবশর্মন্।১৫.। আনচাধ্য ्मंत्रः मुक्रियः। जास्त हैि हास्त हमकः॥ ३०॥ ७ कुमन हमास मिलामाम्। साम्प्रमंगित मुक्रिमभूषि अम्म वृश्यि । अंध । " के एमवेषि का मविद्य भृतिममामारम्। मरवास गाविता मवाम्बद्धम्थुर्म् त वागश्ख्यकाता मानवत्कत् वाम क्षम न्याना प्रवाद पाएट्टन, द्या,--याकाणाट्यातः जावता एमवका उपनायतन वक्कानिन्यामकक्षम्मान्ति विनित्याभः। ७ एमवात्र का मिष्ठ भित्र- ममाशि जीवगूक मियमंग्न्। ১७। जाठारी गानवत्कत मत्वाधन सूष्टक गञ्ज भौड्रादन, अम्मकाती शिष्मुक त्मर्यम् । > १। षािश्रां मानगरकत्र निरम्रां प्रक मक्ष पिछ्रत्न, यथा,--- शंकाणि डिक्सिय क्रकात हो। तम्बर्डा डिमाश्रत वक्रकातिन महश्राधान विनिष्ठाणः। যথা,---প্রজাপতিঅধিন-প্রজান্তা দেবতা উপনয়নে অক্ষচারি-প্রেয়ে বিনিরোগঃ। ওঁ

विविष्कः माविकः वक्षः । ১७। '६ अमध्यात्मा। अमध्यक्षात्रमायान विनिष्कः अमध्यिक्तः रक्षा: ३३१३ छै मधियमार्राश कारणाच्याम कथा कुक या पिता थाच्यी:। टेक्टरचा विजिष् कर रहें:। एक मिष्यगारम् । जारशानान । क्षे कुक । या मिरा यात्री: । जन्नात्री नक्षे "बाष्म्" किया "अम्" अहे काहिवाका वित्वम । ১৮।

स्के उक्क अमेशिक निकार क्षेत्रिण विष्या है। या विद्या या नीत न विनिह्न जनस्का जातिक अपना हो একটাহিক কথো নমিধয়াথেহি প্ৰিকণ অধিকাধ্যুকুক। জাণোশান প্ৰাগভোকনাৰ্ত্তৰজ্ঞাং ডক্ষ, কথ

छ । भारत मार्गियो सीय जात्रता श्र्मा जिम्स छ भारतमा कतितम अवर गानवक भाष्टिक मिक्त काचू हहेश, जार्श्वाचित्रत्य ज्यांट शर्कियां जित्रत्य छे १८ द्यान कतित्य । शत्त्रं कोচাৰ্য ত্ৰিয়ত অহ্যুক্ত মুঞ্জ (শরপত্র) মেখল। (জভাবে কুশময়ী মেখল।) পরি-শাপন জন্ম মানবককে হুইটি মন্ত্ৰ পড়াইবেন, যথা,—এজাপতিশ্বিক্তুপ্তদো মেখন। দেবভা উপনয়নে মেখলাপরিধাপয়ক আতাবিদা মানবক্বাচনে বিনিয়োগঃ। 🕇 চ্য়ং ভিমিতি বাঢ়িমিতি বা ১১৮॥ ও ইয়ং ছকজাৎ। তিই বিষং মেথলা দেবতাকা মেথলা পরিধাপনে বিলি-যুকা। অন্ধচারি ক্রতে। ইয়ং ৫ জামেখন। মাঞ্জী নোহমান্ আগাৎ আগতবতী। কিং ফুর্নাণা क्रक्रकार भित्राधमामा वर्गर भिवतः शूनजीम ष्याधार । सामाभामाजार वनमावक्सी গুৰুক্তাৎ অধ্যয়ন্ত্ৰশাপাদিতে। বাধ্যান। নিবাৰ্য়জী। বৰ্ণ আৰ্মণাদিকং পবিভ্ৰাণি পুন্তী পবিয়ন্তী। ভণা চলুছিং। মাজুরংগুংধিজননং দিতীয়ং মৌজবন্ধনাদিতি। পুনঃ কিং ক্পতি আধিস্যাপনস্য চ यास्त्रार्थालनः त्रीर्थार व्यावस्त्र हो। उद्योगाणानस्यकृष्णामान् उद्यास्त्रायाम्यार्थः। उत्यायमा व्यावस्थात्र पत्रीसिं टीवुक्तामामाः मंक्ताः मामुमाः भमग्रहि । तम्बै पृष्टम् यूडमा महत्ताककामा । जाताभममाका-

যুমা দেবী ফুভগা মেখনেরং। ১৯। প্রজাপ্ডিশ্রিক্টিপ্রিক্টিপ্রাজ্ মেখলা-পরিধাপক-আচার্যাস্য মানবকবাচনে বিনিয়োগঃ। ওঁ ঝতস্য গোপ্তা ডিপসঃ भत्रथी मेजीत्रफः मह्मामा ष्यताजी। मामामास्मजिनार्याहि ज्याप प्रजातास्य प्रयास

পৰীত সমগ্ৰ না থাকিলে চৰ্মধণ্ড যজোপ্ৰীত সূত্ৰে বাধিয়া দিবে ) মান্বককে পশ্চা-মিতি ষঠাৰে চতুৰী। ১৯॥ তি শতত গোপ্তী। হে ভচ্তে শোভনে মেৰলে যা হং অফাচারিসমন্থিন কতক সভাস, গোঞ্জী পালংগ্ৰী। তথসো অক্চেগ্সা প্ৰযী দৰ্শৰ ভূতামতী বৃদ্ধঃ বৃদ্ধাশি বিনাশৰ্থী। মারাতীঃ শতুন্ সংঘানা জভিতরস্তী। সৈবস্তুতা ৭ং সামাং সমস্তং জভিপ্ধ্যৈ জভিয়ুথোন সর্পত শাগজ বেইমেডিব্রঃ। যথা জে তর ধর্জারো বয়ং কেন্টিৎ মারিষণ্ম মা হিংমহি। অরাজীরিতি ব্যত্তা-(यम मनः द्यास कम् या क्ष्मनीि भ्रत्नियवर्तः क्षत्राम्निमिनि । २० । क्षे खदीक् (छ। नाविद्यैः (पछ्या-माजिसाम । २० । ७८९एत जाहार्ता सरकाश्यीङ अम्बिम शताहेबात करा। ( क्रममात-हरणा-লিখিত মন্ত্র পড়াইবেন, যথা,—প্রজাপতিশ্বিগায়তীছদেশ। বিশেদেবা দেবতা উপনয়নে

নমুখন্তি আচাৰ্চ অব্যয়প্দিব্টি। ডোম্নবক্ স্বীহি। ডদ্মুজাং প্ৰাণ্ড মাৰ্ক আহ

হাসি। ওঁ যজোণনীতং প্রমংপ্বিত্রং রহম্পতিব্রং সংকং প্রস্তাৎ। আরুষ্যমগ্রা প্রতিমুক শুজং ব্জোপবীতং বলমন্ত তেজঃ। [আচার্য রুঞ্সার চর্দ্রোপবীত ধারণ জন্য যক্তে।পুৰীত পরিধাপনে বিনিয়োগঃ। 👋 যক্তোপনীভম্সি হক্তস্য ছোপবীতে নোপনে-

মানৰককে মত্ৰ পড়াইবেম, যথা,—] প্ৰজাপতিশ্বায়ঃ শক্রীজদেশ। হজিলং দেবজা উপ-নয়নেহজিন পরিধাপনে বিনিয়োগঃ। ওঁ মিত্রস্ চফুক্রণং বলীয়ভেজো যশবি ছবিরং

कतनम সাবিলীং যে মহানহবেবীভু উপশিশভূ। জন্তরংস তমহি।১।°ওঁওৎ সবিভূ স্মিতিভ মানবক ক্থিত মন্ত পাঠ ক্রিলে প্র, আচাম্যু উহঁাকে প্রথমতঃ পাদ পাদ এই সময় আহমন করা আবশ্যে। তেংপরে, মানবক পশ্চালিখিত মন্ত্র পাঠ পূর্পক শাচাধের সমীপবতী ছইবে এবং আচাধ্যকে মিরীক্ষণ করিবে, মন্ত্র থথা,--প্রাজা-শতিশ্দি-রাচার্যো দেবংু আন্চার্যায়স্তবে বিনিয়োগঃ। ওঁ আধীহি ভোঃ সাবিত্রীং সমুদ্ধং। অনাহনন্য বসনং জবিফুং প্রীদপাহাজিনং (জরিফুপ্বীতং বাহাজিনং) দধেয়ং। মে ভবানমূৰবীজু। ২১।

भरत, षरक्षक षरक्षक उद्मारत, ममस्य मान्या जन्मान्य क्राव्या मिरवस, (मानिकोत भाम-ছন্দাদি এক্প্রকার) যথা,— বিশামিত্রশ্নিদায়নীছন্দঃ স্বিভা দেবতা জপোপনয়নে বিনি-

क्रियमाः ভर्मा एमनम मीम् मिर्मा स्था नः अर्ठानमार। भाष्रमीयः मिव्रिम्पण क्रिमिमिकः कुर्नरत्नार ज्यानाम्बर्ग भौगहि [8] विश्वाभिज्ञ – । जै थिया त्रा नः श्रामिश्वार [ष] কাপে বিনিয়েশাঃ। তথ অধায়নং তেজো বা ভগবতঃ স্বিত্ত্ধিবস্ত দেবনাদিভণক ব্রেদাং ব্রশীয়ং ভর্ণঃ थियपार्थता विष् पहला हक्को कि माणी तुक। मार्यु यत्नापः माला वा त्वाणकासमा था। য়োগঃ। ওঁ তৎসবিতুর্নরেগ্যং[১] বিশামিত শমি—। ওঁ ভর্গোদেবস্ত ধীমহি[২] विश्वातिक अपि । ॐ पिरहा (हा नः शरहामहार [ ० ] विश्वामिक अपि । ॐ छरनि वि-ভक्रजीयः मविखाणि त्रवाः थीयाष्टि छित्रप्रायः। त्या त्नार्य्याकः पिष्ठा वृष्टिः मानाधायनमानाशात्र्य क्षंत्र काठामश्रर क्ष्यह्रात्र । डिमिट कि एश्विक मक्नाकामश्रकाष्ठानि क्ष्यहित्त क्ष्यिया उ নিষৰ্জন্তে। ভূগ ইতি ভূকি ধাতোঃ কুৰ্ণণি ঘঞ্ব্যন্তায়েন পুংস্তুং প্ৰথমৈক্বচনে। ধীম্খীতি স্বাতে-

मंत्रीमिक कृत मत्माम्यम क्रामितः बहीमिन् कार्वेनन् वेहण तानिः भवदेषभरमिक्निव्यानानः। कृः

বিশামিত্র—। ওঁ তৎসবিভূর্দ্বেবণ্যং ভর্ণোদেবস্ত শীমহি দিয়ো রোন: প্রচোদয়াৎ [৬]

পুথিবী ভূবেণ্ডভাগীকং সংদ্যীঃ। ওঁ আত্মা এতহুকং ভবতি বৈলোকাণ্ডনং প্রতিপদ্যবৈতি পায়কা কিন গ্রুট্পতৃদ্দালি অধ্যিষ্তৃধ্য দেবতাঃ জংপ বিনিয়োগঃ। ২২। ও ফুলব ফুলবদং মা কুক। ভূব: ওঁ। প্রজাপতি অধিরর্ষু প্রদঃ সূধ্যে। দেবত। মহাব্যাফতি পাঠে বিনিরোগ:। উ ষঃ ও। তৎপরে, আচার্যা মানবককে প্রণব ব্যান্ততি যুক্ত সমন্ত সাবিত্রী তিনবার অধ্যা-শৃত্তিকারিয়ং ক্তাপথে বিনিষ্কা: দতাগ্রী দেবতে দতঃ গৃহন অকচারী তমগ্রিক প্রাধ্যতে। শোতনং ওঁ ভূঃ ওঁ। প্রজাপতি শ্বিফ ফিফ ছিনো বায়ুর্দেবত। মহাব্যাজতি পাঠে বিনিয়োগঃ। ওঁ । ২২। ডংপরে, জাচার্য্য মানবককে আদ্যন্তে ওঁকার যুক্ত মহাব্যাক্তি পুথক্ পুথক্ পাঠ ৰুৱাইবেন, যথা,-- প্ৰজাপতিশ্বিগায়ত্ৰীছদেশ্হয়িদ্বেত। মহাব্যাহ্নতি পাঠে বিনিয়োগঃ।

স্করিলোপঃ। চে ফুলাব ছে শোভনকীর্টে দও মধা হং বেদধ্রপাথি জানাদিন। বোকে প্রথাতিথশাঃ

এবং মানপি ফুলব্স: কুক। ব্যাচেতনে দতে বেদ্ধারণাদিকং ন সন্তব্ভি তথাপ্যথিধাত্দেশ্তাভিকারে-

ट्राट्या यमा म ख्रमायाः खायः महम्मन सहमारुजियोग्रहः। मुह्माहरः क्ष्मिन मर्न्यप्रिक्राज्यम् मनः

পন ক্রাইবেন, যথা,—প্রজাপতিশ্বিগ্রিডীছকঃসবিতা দেবভা জপোপনয়নে বিশিষোগা:।

তৎপরে, বিল্ল বা পলাশ শাখা নির্দ্তি মানবক-পরিমিত দণ্ড মানবকের হতে দিয়া, জাচার্ধ্য भएत, गृशेष्ठ मञ्ज्यकात्री जिम्मा शायना कतित्वन। क्षथमतः माँठाम निकटडे न्निरिट । এवम्कि श्राविष्ट । ए जात मूज्य भूनवाम्बर्भन मुख्यम्ब्र मूज्यम्बर्गि । यवा के एक वह माश मुख्या धावर मसरवाषक मुख्या क्रामर १२०। 🗳 भवत मिका वक्तिक-শৃষ্টি এই একারে ডিকা প্রাধ্ন স্মিহিত ভগ্নী প্রভৃতির নিক্টেও করিবে। পিতা खे कुर्स तः यः छৎमतिकुर्सरत्रनार स्तानीरमत्य भीमित् भिरत्न। त्या मः श्वरागिम्योर सम् मामवकत्क मञ्ज अस्तिम, वथा, – शकानिकिश विवड किएएमा कथापि प्रवरंख छन-নয়নে ফানবক-দণ্ডাণ্ডে বিনিয়োগঃ। ওঁ স্থাব স্থাবসং মা কুক বধা অম্যে। প্ৰশিব यांत्रका कतित्वन, यथा, - "ज्यन्ति जिक्तार मिशि निर्मा शक्ष कतिया विमित्ता के क्रमाता मिरवर्षयम् र स्थात स्थाता वामात्ति क्रांनित। २७।

শ্লেগ্রং স্মিশ্মাধানে বিনিষ্কং। একচারী জতে। অক্ং অগ্নে স্মিষ্ফর্গিং অভিতথ্ন। কিন্তুভাষ

## সাবিত্রী-চক্ন হোম: #।

আমচাধ্য চর পাক নিমিত্তক ততুল স্থেবি উপর স্থাপন করিয়া, ঐ ততুলে চমদক্ষ मत्त्र मूयनवात्रा जनवाङ कतित्व, जभत्र ध्रेयात ७ जे शकात्त जगत्रक खनवाङ कतिया कुर्णशत्रा फिन वात्र धात्कारिन श्र्यक जिन वात्र धाकालम कतित। शत्त, शाकशाह्र कटलत किंगे मित्रा, छेश छष्ट्रभात शर्भ शर्मक "उँ गवित्व का बृष्ट्र निर्वभाषि"।

একটি উত্তরাগ্র পবিত্র দিয়া, উহাতে ততুল, ছগ্ধ ও কিঞ্চিৎ জিল প্রকেপ করিয়া

শুৰুত কুলি বিজ্ঞান বজীয় অনুসর মণ্ড নিসংরণ ক্রিবেনা)। মেক্ষণ ছারা দক্ষিণা-পাক ক্রিবে (কোন বজীয় অনুসর মণ্ড নিসংরণ ক্রিবেনা)। মেক্ষণ ছারা দক্ষিণা-• मादिको छक्टाहाम छेनमञ्जान इब मित्न कहा छिवासित से खक्ता अक्ता के मादिका ने मादिका ने मादिका ने मोहिक कार्ना सम्म कहा हहेश बीटका वह छक्ष कार्याह प्रविद्या प्रविद्या विश्व हिन्स मादिका मुद्रा क्रिका भूका के जात्राप्त भूका कहाहरत । जिनवाम मित्र कि नित्त होयावभिष्ठ छक जम्हाही कि कि कि পঞ্চ ব্যাদি নিয় নিথিত টিকার এবং প্রথম ভাগে নৈবেদ্য দানে দেখ। ২৫-২৭।

अपन माविजी छिक्ट श्मिम अवाशी । मविट जे पाई।। ३ । अपाद पाहा। २ । द्रामाम पाहा। ७।

বৰ্ষে অবষ্টন পূৰ্মক প্ৰাধিত কাঙের আগোক ঘারা ছালী মধা অবলোকন কারিছোঁ তৎপরে, মেক্ষণ দারা সন্তত চরু এহণ পুর্নক; উ"স্বিত্তে ফ্রাহা" মন্ত্রে চরু হোম করিয়া, স্থানী নামাইয়া, পুনশ্চ ঐ চরুতে একবার্য়ত দিবে এবং অগ্নির আলোকেউহা দেখিৰে। পাকশেষ কট্লে, ঐ চক্ততে তুইবার য়তধারা দিয়া, অ্যির ঈশান কোনে কুশার উপর চক

मश्रावक्ता

( छदएमे व गएक कनाभिका काग्रना थाकित हारमत कि कि विकास निषिष्ठारक्न)।

মেশাণ অধিতে নিকেপ করণার্চ্তর মহাব্যাহতি হোমাতে সমিধ একেপ করিবে।

স্মগ্রে সিঞ্চিত্রত স্থাহা। শোভনং স্মাক্ ফলাবংপ্তঃ ইটং যাগং করে।তীতি সিঞ্চিত্রং। ইতি আচাৰ্য তেজ' নামক অগ্নিহাপনাদি কবিয়া, স্মিদ এক্কেশ পূক্ক মহাখাৰিতি मोविनोटिकट्यायश्वताथाः नमाश्वा । ऽ । জাগ সমাধ্ভিনময়বাগগা। তিজায়ে। কাৰিছি বুছ এব্লিডাং স্তারিপং বাত্মিদং সমূশাগাং সমূপাশি

প্ৰিক্লাইন্দ্ৰজা সমাবৰ্জনচোমে মিনিয়োগং। ওঁ জাগু ব্ৰভণতে ব্ৰতমচাৰ্ধ তত্তে পাৰবীসি ভ্যমান্ত্র তেরারাৎ স্মিদ্মহমন্তাৎ স্তামুপাগাং সাহা।১। প্রজাপতিপ্ষিবারু-পেৰজ, সমাৰৰ্গমোহামে বিনিয়োগঃ। ঔ বায়ে। অভপতে ত্ৰভমচাৰ্গ ছতে পাৰবীমি ছোম ক্রিচ্ব। তৎপরে, শাঁচটি মত্তে শাঁচনার মূতাত্তি দিচ্ব, 🛊 ঘণা,—একাপ্তি-

200

দেৰ্ড) সমাবর্জনহোমে বিনিয়োগং। ওঁ চলু রভশতে অভ্যচাসং ভতে প্রেবীমি ভদশকং জেনারাৎ সমিদমহমন্তাৎ মত্যমুপাগাং যাহা। ৪। প্রজাপতির্পমিরিন্দো দেবতা

(क्वका ममावर्धनाशात्म विभित्योगः। कै सूर्षा बकुशरक अख्यात्रांत करिक क्षवित्रीम

ভদশকং ভেমারাৎ সমিদমনমন্তাৎ সভ্যমুপাণাং ঘাহা।৩। এজাপতিশামিশ্যেকা

উদশ্কং জেনারাৎ স্মিদমঙ্গন্তাৎ সভ্যমুপাগাং ফাহা। ২। একাপতিশ্বিঃ সুর্য্যো

छवान्तिम् ३०३ ॐ वाहमा-र्काति र र-०। ७ त्वन्त्वत्रकातः। वस्तिम्मारव्यम्काश्राम् ম্বার্থনতে এই পাচটি হোম উপলগ্রনাক্ক কিন্তু স্মাব্রনেই সাধারণে ব্যবহার করেন

- AND ALLEMAN 9.19 VALARON の3にの可として1957 ある p - c ・c ikatizi cataataata cici

মত্ৰ পাঠ করিয়া, ঐ ক্লাঞ্লি ভূমিতে ত্যাগ করিবে, মত্ত যথা,—প্ৰজাপতিশ্বি-রয়্যাদয়ো সৰ্বেমিধি এবং চন্দন্মিতি শীতলোক জলষায়া অঞ্জলি এছণ পুৰ্বাক আচাৰ্য পঞ্জীক দেবঙা সমাবর্জনে একচার্যুদকাঞ্লিত্যালে বিনিয়োগঃ। ওঁ দেশুস্তর্যয়ঃ প্রবিষ্ঠা গোছ্য थूनम्ठ पूर्वतर बीहि यदामिष्ट्रक कताश्रील तरेशा, जार्रापांतिक गञ्जभाठे कतिशा खेश বিনিষ্জাং। বেংগ্রোর কাষাণাঃ অবসু অভবাধে। এবিটাঃ। কে পুনতে সোচা; উপপোজ্যনোক: মনোহা থলো বিকলঃ তছদ্বিঃ ইলিবহা ভানেভানটো লগ্ৰীন কুলত্বগান অভিফলামি ভালামি বেনেশং **७९९८३, बन्नागरी श्र्माञ हरेया, 'डेह्नांडिय्' डैपिनिडे भागार्या** जिगदमान कतिदयन। भटत, औहि मानि यद गूम्ग शापूग जिम गर्भ क्षाङ्गात अक क्षाकात उनिर्शारका मतमोरका मतमारा चरला विक्रमचन्त्रमिति शिवार व्यक्ताम स्वमामि । ७। শকং ভেনারাৎ সমিদমহমন্তাৎ সভ্যমুপাগাং স্বাছ:। ৫।

क्षमाः सम् मानारगंगाः जवजीङार्थः । ७। ७ वष्णाः व्यातः सम्भाः व्यृवमिङाप्ति । व्यात्रामरम्। प्रवकाः ।

ফ্মিছ গুছুমি ডেনাছং গামভিষিকামি।৮। পুনশ্চ জলাজনি এহণ পুৰ্ক পশচালিখিত अन्ताः मणिक यम्त्यातः जीयः वाङः 🚉 कि त्रारक्षामात्रः क्षत्राकतः जम्जित्वामा ॥ १॥ 🕹 त्रा ৰূপ্যভি তৎ কৃষ্ণামি।৭। পুনশ্চ পুৰ্নের ন্যায় সর্কৌন্ধি ও চন্দনাদি মিস্তিত জলছার। মঙ্গে সীয় মন্তকে অভিষেক করিবে,—প্রজাপতিথ দীরোচনোট্যাদে বত। ওন্মচাধ্যদক।-अनिरमरक विनित्त्रागः। ॐ वर्षत्त एडकरम डक्षर्कमाय (डक्ष्रंम) वनाय रेम्पियाय (ज्ञाहनक्षिमक शृक्षामि ट्रह्माकः मामज्ञिषिक्षामि । मङ्जितः द्राहममामिष्टिक्वजः च्राज्यिक विनिष्कुकः । পুরিত অঞ্জনি ব্রমচারী সীয় ঘন্তকে অভিষেচন করিবেন, মন্ত্র যথা,--থজাপতিশ্ধী-রেচনোচয়িদেশঙা সমাবর্গনে অকাচাব্নুদকাজনিসেকে বিনিয়োগঃ। ঔ যো রোচন

নেমাঞ্যা শাস্থানমভিসিকামি। ৮। কিম্বং ফানে তেজনে বন্ধব্দসায় বলায়েকিয়ায় বীষ্যায়ালা-

গোঞাদিশুভাঞোন যোহজো রোচনাধোণ্যাধ্যিদীজিকবজ্মিত গৃয়ামিতভাকজনাজকাদিনা তেন রোচ-

দেবতে সম্বর্জনে এনচাগ্রাদকাগুলিনেকে বিনিয়োগঃ। ওঁ যেন ক্রিয়মরুণুতং যেনা-পায়ুহতং স্রাং যেনাক্ষানভিষিঞ্তং যেনেমাং প্থিবীং মহীং যদ্বাং ডদভ্রিনা-যশজেন

ä मामि जिष्क छ ।।। भून क भूति द क ला छ नि न हे हा। ष्माञ्च की श्र मच द ष्म जिर्म क ওঁ যেন জিল্লফুকুত:। ষড়টকা মহাপৃত্জিলিয়াং অখিনৌ দেবতে অখিনৌ দেববৈদ্যৌ কৰাণাম্থিলা-তারৌ। ককাচারিণা স্কুয় প্রাধাতে। হে অধিনা অধিনো বেন কথণা যুবাং অপুণ্যাখ্যাং প্রিয়ন-ঙ্গুত: ফিংসিতবজৌ। চেন চ সুরাং মদিরাং অপামুবউং ধডিতবজৌ। বেনাকান পাশকান অপাসুরতং रक क क्ष्माः शृषितीः महाः महतीः खङानिककः खिलिन्यको ममाखरम्भवाता मह्यिक्त मह्यिक्त এবছ্তং হৎ বা সুন্তোক্শাঃ শোচনং কথা তেন মাম্ভিক্ষিতং হথ। সুব্ভাস্মহ্মভিনিক্তঃ ক্তকুতেনা मग्र वाश्राम्यायाय घर्षाहरका। दादरम्याया सममृष्यः दिक्षिमीथिः। ष्यण्डिकः श्रमाखाखिः॥भ

कतित्

ইতি ইয়াগুরিকীকারণাধুণসংখ্যানমিতীকারে ক্তে আদ্ওণঃ॥১০॥ ওঁ উদ্যান্ আকত্তিভিরিকো।। रेस: काफिडा डिमान छमीश्रमानः यक्तिरेदः नश्र्या श्रिट्यान्। किक्टेटः खिक्तिरिः দশানাং সংবিভক্তাসি জতো মামশি দশননিং কৃক অহং দা ধাং আবিশামি অবিচেমোপগচ্ছামি मझ ठड्डेवमामिछ। टेमवडर डिन्चारम् विमियुक्तः। जीनि यकुर्वि त्यारमध्येष्टे भ्। भवदेमभर्मारयांशाद ন কেবলং মক্তিরজ্ঞাৎ প্রতিধাবানো দেববিশেষাকৈঃ নহ জাহাৎ ছিতবান। কিঞ দশসনিরদি। उरभरत, बक्कातती जामिट्या टिस्ट्स म श्रायान इटेसा, अन्धा सिधि यज ठड्छेक দশ্দনির্দি দশ্দনিং মাকুর্বা ছা বিশাম্যা মা বিশা। প্রজাপতিথ্বি-রাদিত্তো দেবতা खदामि। कांत्रिमा हेि स्प्रीश्यम्भिड्यामित्रा क्यंयमाप्रियम्भ नारमणः; रारध्यामिक्रम्ब स बाक्र हि बाक्रार्वकार एष्टिका ए जायांकार। रेड कार्जनामीनामारेनरिकार्यः। পন্থানে বিনিয়োগঃ। ওঁ উদ্যন্ আজ-ভৃষ্টিভিরিন্দো মুক্তদ্বিষ্থাৎ প্রাত্র্যাবভিরুষ্থাৎ পাঠ পুৰ্বাক সুৰ্বোগিত্যান ক্রিবে, মন্ত্র যথা,—প্রজাপ্তিশ্রিরাদিভ্যোদেবতা আদিত্যো–

জাভোমণি ক্লিপ ব্লিপ্ডেডিবনিপ্। দশ্সনিবিতি বন্দ্ন সংভক্তো ছক্দি বন সণ বিক্ষথামিতীন। চঞ্চীমতি যুগভচজুমভঃ পাদমিতিষ্য; টুর্ফ। অবজ্গীতি ব্যব্হিতোপস্থস্ময়ঃ । ১১—১৪ 🛭 🇳 कार मजमनित्रि मजमिर या कृकी का विभाषा या विभा। काकापछिश्विदापिरजा माग्रर याविष्डितकार मञ्ज्यमनित्रमि मञ्ज्यमनिर मा कूकी का विभागम माविभा। टाक्रमिजि-ঋষিরমুষ্ট্রপু ছদ্দ আদিতেনা দেবতা আদিত্যোপছানে বিনিয়োগঃ। ওঁ চকুরসি চকু-आदिमापि आदिरमण्डि दार्रिएजार्शनर्गमभुषः माखराम। (मरदिरमधाः रङ्गः कृक्गोजि जेम् म क्त्रजि। माग्नःयांताटमा एम्बनियमायाः ठक्नुत्रमि। एक् क्ष्रां प्रमम् भागामा व्यमिष्टेः व्यवक्रिक्। रखः टेत्रतीक्षा ठक्ष्रति जयः त्मीक्षाणि ठक्षः मर्मनम्जित्यन्ति । किषः त्रारम् जाक्ष्रानारम्थिषोनाक बीका कांचार कावकु कांगामकू। एनवीनामकः ठस्ट होंड कृषा ध्वर छहा ममस्खर्ष्ट मा मा किरमी:। দেৰত। আদিত্যোপস্থানে বিনিয়োগঃ। ওঁ উদ্যন্ আজ-ভৃষ্টিভিরিন্ডো মক্ষুধিরভাৎ জ্মস্তবমে পাপানিং জহি সোমন্তা রাজাহবতু নমন্তেহন্ত মা মাহিংসীঃ ॥ ১১---১৪।

পরে ব্রশ্নারী শ্রীরের অর্থাদিক হইতে মেখলা মোচন \* করিবে, মন্ত যথা,—জনঃ দেক ঋষিন্ত্ৰিষ্ট প্ছদেশ। বৰুণো দেবত। মেখলামোচনে বিনিয়োগঃ। ওঁ উত্তৰণং বরুণপাশমম্মদ্বাধ্যং বি-মধ্যুমং অথায় অথাদিত্য ব্রতে ব্যুৎ ত্রানাগ্রাম অদিত্যে

উष्ठक्यः। जिष्ठे विशः खनःश्मिकक्षिविक्रिक्षा (मव्जा प्रथम्। मार्गा विष्युक्ता । जनश जिष्ठे भा खनः-\* মেখলা এবং শব্দাৎ পরিত্যক্ত যজোপবীত শব্দাৎ গৃহীত বংশ দণ্ডেরমূলদেশে বিজড়িত করিবে। त्मक्षिडिः भोरेभक्षः छिष्ट्याक्षात वक्रीः लीव्यामान। ए वक्र ष्रायत्मिना छिष्टाः कर्षातिष्टाः भागवन्नाः উচ্ছ दीय ऐक्युडाइत मध्यः भागादिष्डः मत्रमधाय मध्डानवडाहत मधायः कष्तै-দেশাব্ছিতং বিশ্বধায় ভত্তত্মেব শিক্ষিকি। শুনঃ শেফেন ভূয়ো বরুণঃ প্রাধ্তে। ছে শাদিডা অদিতিপুত্র বুকুণ। অথ পাশ্মোক্ষান্তরং তব রতে পরিচর্গালক্ষণে বয়ং অনাগ্দোহ্নপ্রাধাঃ স্তুঃ স্থাম। ১৫।

স্যাম ভবেম। ম কেবলং তব অদিতমে অদিতেশ ভৰ মাকুঃ। প্ৰথায়েতি স্থাতেলে টি সিপ্।

हम्मिति भारत्कनीति भारत छेद ष्मविद्वित्जारक दात्रिहकाः। ज्यामिरङाणि मिट्रामिन्जामिना पाः॥ १८॥

তৎপরে, বৈষদণ্ড ভগ্ন করিয়া, অমন্ত্রক অগ্নিতে নিঃকেণ প্রক্ক মহাব্যাক্তিছোম

भारत, आनिनिधिष्ठक प्रस्टाक करानत्र छिछ। पित्रा, भड़ापि या नवश्चक्र बज्ज भतिशान क्तिया, डेमीठा कथा नगानन कतिरव।

কুষ্ণমার চর্দানংযুক্ত যজোপবীত অমন্ত্রক ভ্যাগ করিনে এবং অলঙ্কার ভূষিত হইয়া পুৰ্শক,— ও যজোপবীতমদি—মন্ত্ৰ ( প্ৰ পূচা ) ছুই এছি যজোপবীত পরিধান করিয়া

মন্তকে মাল্য বন্ধন করিবে, মন্ত্র যথা,—প্রজাণডিখবিঃ জীদে বঁডা অধক্ষনে বিনিয়োগঃ ও জীর্সি ময়িরমঙ্গ ১৩। চর্মপাতুকা পরিধান জন্য মন্ত্র পড়িবে, যথা,—থজাপকি-শ্বিকুপানদেশবক্তা উপাৰং পরিধাপনে বিনিয়োগঃ। ওঁ নেজ্যো স্থেগ নয়তং মাং।

ময়ি রম্ম কাষয়ানং কুক ॥ ১৬ ॥ তিনেতাী ছে! নয়তং মাং।, উপানদৈষ্বতং যকুং। উপানং-🗞 জীরণি মরি রময়। জীদৈবতং অযুদ্ধনে বিনিষ্কাং মৃত্য। হে মালে যা কং জীন জীরিবি সা পরিধাপনে বিনিযুক্তং। হে উপানহো হতো ম্বাং নেরো) নয়ন।জিলাদে য়া জব্ধা জাতো বৈণব জাভাবে পদাস ডিদভাবে বংশ দিও এহণ পূৰ্পক মন্ত্ৰ পড়িবে, যথা, –– প্ৰজাপতি-শ বিদ্ধিত। দেবতাদ ওএহণে বিনিয়োগঃ। ওঁগন্ধ কোইস্থামা জাব। ১৮। বন্ধ চারী ज्यां गिर्या मगीत्म याहेश मन्त्रियम् ज्यां गिर्यत्क मर्भन भ्र्वक मञ्ज निष्टत, मथा,---अकानिष्ड-

र्थवित्राচार्याश्रीशिवामी प्रवट ज्याहाया-शिवातमानीक्याल विभित्यानः। 🕉 वक्कांभव চকুমঃ থিলোবো ভূয়াসং।১৯। একাচারী দক্ষিণ হড়ের বিস্তৃত আংকুলিষারাষীয় মাং নয়তং ইটলাগুলে দেশালুরং প্রাপরতং ॥১৭॥ ওঁ গৃস্ধার্পি।ইয়াপ্য। জব দশুগুরুৎ। দতদৈবতং বলুরিদং। হে দও বতথং গদর্শ আদিত্যোসি রক্ষণকর্তাসি অতোমা মাং উপাব উপ সমীপে রকা। অবরকণে ব্যবহিতোপর সময়ঃ ⊬ু⊬া ওঁ যকমিবচকুষঃ আধ্যো বো ভ্যাসং। যকুরিদং মুখ-বায়ু আছোদন পূৰ্ক মত্ৰ পড়িবে, যথা,---প্ৰজাপতিথ্যিরমূপ্ত প্ছন্দো জিহ্মা आठादीशीदगरमास्त्रीकर। विनिष्ठकः। अल्लिष उठ आठात्रशीत्रव मरमङ्हा युमाकः ठक्नुषः खिरद्याष्ट्रः

ভূয়াসংক ট্ৰ যক্ষমিৰ। যথ। যকে। দৰ্শনীয়ভয়া স্কলোকসাচকুযাং বলভঃ তথাহমণি যুমচকুষামি-छार्थः सक्तिय निक्रयाज्ञात्यन न श्राप्तकषः। ठक्त्य होङ बांडारिक्यतनः॥ ऽ०॥ ४६ व्हानियाना। कक्त- অতঃপর আচাষ্য অহ্য পাদ্য অশত্তে গন্ধ-প্রপ ঘারা বন্ধচারীকে পূজা করিবেন।

ই বিয়ং কিন্তাদেবত। মুধপ্রাণকার্শনে বিনিযুক্তা। সাতকেন কিন্তা প্রাধাতে। হে কিন্তে ইহ প্রস্তাত भारत, बक्कानती त्रभारत्राश्न छ एकत्म मञ्ज भिष्ट्या, यथा,—धकाभिष्ठिभ वि- खिष्ठे भ् **इ**त्का রথোদেবতা রথাভিমরণারোহণে বিনিয়োগঃ। উবনম্পতে বীড্রেসাহি ভূয়া অন্মৎসধা

কৰ্ণণি আংশু ছংমাবিহনল মাচনিষ্যুদি উশকঃ পাদপুরণে। মামাং চাক শোভনং যথাকান্তথা বাচং বাদয় উচ্চাত্ত হত আং ভগণিধান। ভটঃ অপিধানমাব্তণং যক্তাঃ দা তথা। নক্ৰী চঞ্চলখাভাবা তথা দক্ষণীর্মিতঃ পরিদিস্ভাবরণে বন্ধ ইব হং॥২০॥ ও বনম্পাতে ত্রিষ্ট্রিয়ং রথদেবতা রথারোহণে বিনিমৃক্রা। শ্বং প্রাধ্তে। বনম্পতি বিকারতাৎ বনস্তিশক্তেন রথ এবোচ্যতে। হে বনশ্চতে রথ ছং বীত্রে

ছুয়ঃ বিড়ানি যহাভাৱনহানি অঙ্গানি চকুক্বরপ্ত্তীনি যস্ত দ তথাস্থপেশ জুমাকং মিত্ররপো ভয়া: 🐧

ভং পূষং প্র্যাবক্যা নপ্তায়ায়ান্ত নো গৃহে। পুনশ্চ আ চাধ্য অধ্য বা গন্ধপূন্প ঘার। একা-উদ্দেশে মন্ত্র পড়িবে, যথা,—-থাজাপতিথ্রিক্ষুপ্ত্দে র্থো দেবতা রথোপ্বেশনে বিনিয়োগঃ। ওঁ আহোতা ডে জয়তু জেছানি।—২২। প্রজাপতিশ্বিরসূতুপ্ছদেন ভগেজৌ দেবতে গব্যসমন্তনে বিনিয়োগঃ। ওঁ ইমা মে বিখতো বীরোঁ। ভব ইন্দশ্চ রক্ষ **ठातीटक श्रक्का क्**त्रिया, मिन्मभाग्ड ७ जिष्क्र्यावधात्रभाम क्तिरवन । हिं मिमावर्कनर ममाखम्।

জেম্দি দংযুজেমাদি। যত অমেবস্থুতোংত তথং জাতোংমান্পি বীড়গ্য দৃচ্যবান্কুক। কিফ তে তব জাছাত। জেহানীতি জি জয়ে কুতাপে তবৈকেন কেতাহ ইতি বুন প্ৰত্য়ঃ।২১ – ২২। সম্বিভান্তব্যাপ্য সম্ধ্ৰী ॥ তথা প্ৰতরণ: প্ৰকৰ্ণে তর্জি ত্ৰীণি বেন াতথা।ঁতেথা সুধীরং সুসারথিং তথা গোচির্থটৈড: ন্দ-জারোচ়া জেখানি জেতবানি দিষ্দুনানি জঃতু। বীডুদ ইতি বিভূশকল ফুদ্দিনীধুহং বীড়য়বেতার চ।

ड्हेगा मकन्न कतिर्वन, यथा, --विकृत्त्राम् ७८ मत्मामम् जमूरक मानि ष्यमूरक नृत्यं ष्यमूक পিতা কিছা এতিনিথি পুরোহিত বন্ধ্যা প্রাণি নিত্য কার্য্য নমাধা করিয়া, উত্রোক্ত काटमा विक्रमु कि एकवज्ञा शुक्रनमश् कतिमामि। मक्त्र शुक्र मञ्जािक भाठे शुक्र भानधाम जिट्यो वमूक माजिः श्रिवमूक मियमा। वमूक भावज्ञ खिवमूक मियमा ११। विमामा

\* ক্রিশ্ দিনে মাস ধারমা শারনবর্ধ গণনা হইয়া থাকে অর্থাৎ জন্ম দিন হইতে গণিত সৌর ব্ৎস্তেক भी हिमिस भारत हो। मध्य याम मिरम मायन वष्मत्र हत्, धहे खाकारत्र भिष्ठ ठात्रि मायम वष्मत्र छिछी भ छरैतन अक्ष्म मात्रन वर्त्रत मार्था हिविनयन खकाखानि मकान ७ ष्याराग्र मिन এवः यक्की त्रिक्का वाजितिक जिथिए ७ णीं ममन जिस दोद अक्रमिक विमाजिक कता विश्वि। दिमाजिए प्रदेश अदि भक्त ७ ठक्के डीश खिक्त खरशक्त [ विरंग मिमामि पश्चिकां रम्भून ]।

विष्क मिरवात्रा भेत्रकात्र भाव जारलांग्ना भ ग्रीह्मी अस्ति हि कात्रा मर्समा त्रांथा यंत्र करिरवन,

## গুহারত্ত 🟶 ।

পুরোধিত খীয় নিতা প্রাদি সমাপন করিয়া, সংকল্প করিবেন' যথা,—বিষ্ণুরোম্ তৎস্দদ্য জন্মকে মানি অমুকে পাকে অমুক ভিথে অমুক গোতাঃ আজিমুক দেবশৰ্ষা অমুক গোতাত আজিমুক দেবশৰ্ষণ धिक्षांच-मर्मारमारमामम कारमा वाष्ट्रप्रमामहः कतिराता।

্ৰাজ্য দক্ষিণ ( শায়কোণ ) ভাগে চতুরজুলি গভীর এবং হত্ত প্রমাণ দীর্ঘ ও প্রস্তুত্ত (সামরোপলিপ্ত ও

\* जाने काषिका काछिक मार्त के छत्रपूर शृंह' का शहात १ भीर माय मारम भूत्रपूर शृंह, का छन रेठन জিলাগ শংসে দৃশিকণ মূণ পূক্, সৈষ্টাট জামিট লাবেণ মাসে পদ্দিম মূখ গৃহ করা প্রশস্ত। মতাজারে, কর্চ কুন্ত শিক্ষে এম কুরক্ষ রবি কালীন কুর্মাবা পাকিক মারি এবং ছুলা যেব বুব ও ব্যক্তিক ছ ববিকালীন পাকি। বা উত্তর দাবি গৃহ করা লার। ভঙ্ককালে কিন্তুত তিথি নক্ষা বাহে ডক্ল পক্ষে পাঞ্চকার বিধিত দিন मिषियो 'शृक्षोत्रस्य कविद्य। शृष्ट ब्यादमा ७ खर्टे कालि क्हार प्रशिक्त एकाडी ७ पुनर्तिय नकत हेशा इ বিছিত। শ্ৰবণাদি রেবড়ী পৰ্যক্ত ছয়তী নক্ষতে প্ৰধায়ৰ গৃহ বন্ধনাদি করিবে না।

আনাগায় দাবিকায় জন্যায় কলোয় অপৰ্চ্যে স্বিত্ত বিব্যতে ইত্ৰায় মিকায় রাজ্যৈয়াগে পৃথীধরায় আনাণ-The total and the second of the second ক্রিনে, যথা,— এয গন্ধ 🕹 গণেশায় নমঃ ( এইকুমে ) স্ধ্যায়, দোমায়, মঙ্গলায়, ব্ধায়, বৃহস্পতয়ে, खकाग्न, मोटेमफंडांव्र, दांश्ट, ट्क्छ्डाः, हेसानिस्मिनिक्षांत्वाः। ट्क्वापात्वाः। क्वजात्वाः क्डक्र्यवार्व्डाः কুরছ্তেভাঃ অস্মনে বাল্পপুরুষায় শিথিনে পর্গনায় জ্যন্তায় ইন্দায় স্থ্যায় সভায়ে ভ্শায় জাকাশায় ৰায়বে পুকে বিতথায় গৃহক্ষতায় থমায় গন্ধৰ্কায় ভূলরাজায় মূগায় শিভ্ভ্যঃ দৌবারিকায় স্থবীবায় পুত্ৰাৰভাষ বকুণায় অবসুৱায় শোষায় পাণায় রোগায় অহয়ে মুখ্যায় ভলাটার বোমায় অদিটৈত্য দিটৈত্য ভৎপরে, যোড়শোপচারে বা দশোপচারে বিষ্ণুর পূজা করিয়া,—"উ নমজে বছরূপায় বিষ্ণুব পরমান্তনে স্বাহা মত্ত্রে পূলাঞ্জনি দিবে। পরে, দশোপচারে বা বোড়শোপচারে পশাক্ত্বিত एमरेडा मिरात शुक्ता कतिरत, यथा,—जिटेश, राज्यामराध, श्रीयदेता । राज्यामराक ज्यत्रामान मज्ज, —ध আধির শক্তিরপত্তং ক্রারপী জনাধনঃ। গৃহাণাই্যং নয়। দত্তমাচত্তাকং হিরো ভব। শক্ত হারা হুগ্ধ সম্ধিত অহা লইয়া পৃথিবীকে এদান ক্রিবে, মন্ত হথা,—অত্র তিইজি যে নাগা ড্মিচা ড্মি-বৎসায় বন্ধণে চরকৈ্য বিদার্টের্য প্তনাটর পাপরাক্ষ্ট্র্যা স্কন্য অর্ধ্যন্ত্র জন্তকায় পিলিপিঞ্জায়।

শ্যক্ষঃ। অধ্যস্তিত তে সর্কে গৃহাণাব্যংধরিতি মে। হিরণ্গতে বছ্যে শেষজ্যোশরিশারিতি। वनायाहः उत गुर्ड गृहां,नादाः बन्नि (म ॥

বসুধাকে প্রণাফ, প্রক প্রাধনা করিবে, – উজিভেচ শেভেনে দেবি চতুয়নে মহীজনে। স্মূভগে

मन्ना श्रुवन मृत्रुविकः शृष्टिनः क्का नश्यकत्त्र नत्नात्नारिक क्यांनः त्म मीन्नकाः चर्रका व्यवस्थानामान्नाशास्थि পুত্রদে দেবি গ্রে কাপ্তাণ রয়ছোং। অব্যক্তে চাক্তে পূর্ণে মুনে-কালিরস: স্বকে। সূচ্চাং কৃতা

मात्र चक्क वन्त्र नहेश मिरद, यत्र वथा, – ॐ जाग्राच्याणाथ नार्मरक्या रव ठारछ करमयाज्ञिकाः। गृक्क वानः गरलं वाध-गृक्षागतः जुनः । छ्ळथापा मडः, -क्छानि वानीह वनां छानि, वानः ভেডভয়াবলিং এবয়ছামি পুণ্যমেদিনমূত্যং। ভূতানি রাক্ষমা বাপি বেহল ভিটজি কেটন। তে मृशीया विधित्वालनामितः। अञ्जत वारं लिककात्रक कमक जानीरु नायाश्य (जजाः। क्रिंगिः त्य जिष्डाः क्रजः।

উচ্চারণ প্রকি "--"উ বিশ্বকশাংগ নমঃ" মলে প্ৰা করিবে। পরে, কডিডঙ স্হারজকশাংঃ মাস-উৎপত্তে এইগৰ্ড মধ্যে দ্ধি দ্বিশি জাতণতও বা পূজা ফল আলগ্ৰব সংষ্ক্ত জৰ্গ জলপূৰ্ণ ৰটে ন্ট্রা, বাজ-(मगरक मिर्टन,—'केनमर्शाः के वारखाम्मोकात नमः।'' 'के मिन्नाराम्। एकात्र नमान नमरक विषक्षान योगी'

मूच्य मिक्क्यावर्ष्ड शतिख्याव कतित्व एउ. वायावर्ष्ड षाष्ठछ। भरत्र, भूखणाङ निमिष्ठक मैचानाकि मेगानामिकाम श्वावात्रा जिनवात्र त्वहैन कत्रित । श्रक्षिकार्ध धक्षाचि ष्टका केर द्राविता, केरात ইটকাম-প্রসিদ্ধার্থং পুনরাগমনায় চ। "ক্মধ্বং" বলিয়া পুজিত দেবতাদিগকে বিসৰ্জন পুর্কক ঘট-क्टिंड चार्डा समामात्रा श्र्तमोक्त शर्च श्रम कतिया, व्यम्य डिकात्रमानख्य थे साल भूष्य व्याप्तमण कतिर्घ, एकांग एफ्टोर स कार्म का का म की मक ( (बीटी ) त्रांगण कत्रित बादः कार्डाक मझ गिष्टत, मथा,--ওঁ বিশক্ত ভেংতলে নাগা লোকণালাশ্চ কামগাং। গৃহে ডম্মিংশ্চ ভিটছ আয়ুৰ্পলকরাং সদা। উপর দ্ধি দ্কাপুশা তুখুল (এবং পঞ্বযুচ) প্রদান প্রক্ক মৃতিক। দিয়া জ্ঞভারোণণ করিবে, মন্ত थका, -- यथां हरता शित्रियं क्रियं वार्ष क्ष्य वितः। ज्यात्राञ्जा पृष्ठ छ - स्था व्यवस्था छत्। कृष क्ष्य कर्षा जिला भूका कि स्थान स्वीक शक यांना कि शहन करिया, अधिनतक कांक नाकि किया, क्षाक्रक जासित अ कम मर्माष्ठ कमभूष कृष्ठ এतः ब्राम्मपन्गिरक षात्य कतिया, (शाभूक म्मार्म कतिर क्र क्रिक ভাৰ্থ-ইত্যাদিক্তমে দক্ষিণাক্ত করিয়া, বলিবে,—ওঁ বাজ্বদেবগণাঃ সর্কে প্রামাদার ঘাজিকাৎ। गुरुखार्यम्। ছ্ট্লে কাকাদি নিবারণ জত্ম থক্তঃ সর স্থাপন করিবে।

शृहस्रादम कतिरतम। उरकारन शृहिनी अक्बीत नामभारम थाकिया नामकरम्क बनाभून कुछ তৎপরে, কগুলা পুরোহিত নবগৃহ মধ্যে আসনে উপবেশন পূর্কক সঙ্কল্ল করিবেন, যথা,—আছে-<u> अदः मुख्यक थाञ्जपूर्व स्तर्भ नहेन्ना ज्ञात माह्छ गृरु खादमा कत्रित्न ।</u>

প্রবেশ নিমিন্তক সগণাধিশ গোধানি-বোড়শমাত্কাগুল। বনোধারাসম্পাতনায়ুয়্য স্বক্ত জ্পাভূাদরিক-मिक्क्षां का कार्याता । उद्भारत, त्रोष्णां मि श्रुका निमिक्क मक्क्ष कत्रित, यथा,--कारमाङ्गामि- नवगृष्ट आष्ठकश्रीशृष्टः कविरागि। माष्ट्नाशृष्टांनि धवः इन्धि साक्ष मगांथा रुरेटन, पश्र्याङ विशास पहि धाहे मकन कर्मा काश नमाथा कि हिल्ला भारत शृष्ट्यायमां करता यात्र, मिटे शत्न श्रांकी क श्रुकां कि पटत, यथाविधि छानामि कतिया, श्रायत्छ कथिङ एकवङामिरात यथानि श्र्वा । अ अंगामामि श्र्विक क्षांभन भूस्क "छिष्रकाः भवमः भकः--माज्ञ दिक्ष উদেहां यथांमछि ह्यां क्रियदि [ ५म जाद्र (मथ ]। ভ্যাদি—নবগৃহ-প্রবেশনিমিত্তক বাস্তদর্পদোষোপশমনকামো বাস্তপ্জনমহং করিষ্যে।

क्योगोखांत कतिएङ श्हेर्य। श्रुक्योक्ति भरत या शुर्लि शृष्टीरायम कन्ना यो नो कन्ना रूड नमम् बारभक्ता कतिया छन्य कन्नारे स्टेएन भारत ।

## मरकात्र-माधात्रन-वावकाति ।

সংশাদ খৃত হইবেন]। তক শোণিত সন্তুত সভানের উপপাতকাদি পাপপঞ্চক পদাদ্বিত পাছি श्री के विशिष्टम, शंकीशन मश्कात बांता (वमश्रतभ ममर्थ सम्बान छर भम्र हम । खी-भूर कि झार-শক্তিকাল ভূতীয় মানে প্ৰেবন ছালা পুকৰ সন্তান জন্ম। দীমজে লগন ছালা তিৎপদ গড়ের আংশ্রে ধণিয়াছেন, প্রতীধানাদি ছার। একবার সংস্কৃত। নারীযে যে গ্রু প্রেম করিবেন সেই সক্র স্কুলাক্ কাঁধী ছায়া ধৰণে ক্ইবাল কথা জাচেচ, হথা,- জাতকৰা, নামকরণ, অস্প্রাখন, চূড়াক্রণ, সান জাধাৎ 8 বালকের সংখ্যার হয় [এই ডিনটি সংখার ঘারাই বালক ও ডদাধার আধী সংস্কুড়া হয়েন, এইজ্জু উশ্নয়নৈতির সমাবর্জন এই অর্থ কল্লডক্রতার বলিয়াছেন।

क्षकाम रुष, ভारोत जाय तिथिश्रक मःकात बाता कममः विकामकात्मात बक्षातात बक्षातात विकाम रुरेया थारक । দুটাজরণে আদিয়া বনিয়াছেন — বেমন চিত্র কর্ষায় চিরিভের অক্পত্তাক সকল আছে। আছে

মলমাস ভত্তেও বলিয়াছেন, -- অতুকালে গভাষান, ভৃতীয়মানে পুংস্বন, যঠ বা জাইম মাসে দীমাজ্ঞা-য়ারন, প্রস্বের পর জাতিকার, এক্লেশ্লিনে নামকরণ, চতুর্ঘাদে নিজ্মণ, ষ্টনানে জাল্লাশন এবং চ্চীয়বৰ্ধে কিখা কুলাচার নিয়মাত্মসারে চ্ডাকরণ করিনে, এই অইবিধ দংক্লাস্থাস। বালকের বীজ गर्ड नमूख्द भाष मक्न ममङ। लाखि रुरेग्रा थारक।

য়ে কোন দংখায় ফ্বকালে না ছ্ট্রা পরবৃত্তী 'গৌণ' কালে করিতে হ্টলে, কালাড্যয় দোগেষ মহাব্যাস্ত্রতি হোষ ক্রণ প্রায় কিডের বিধান আছে। এই প্রকার দশমবর্ষ কাল উত্তীধ্বা তৎ স্ত্রাবনা ৰাজ্বণদিহগর এই যুখ্কাণেল বিহিত সংস্থারের নিরবকাশ খলে বৃদ্ধির জাহ্রোধে জাপ্কর সপিওন মাস বয়স উজীৰ হুইলে বিবাহের জন্মরোধে জপকবি হুইবে, লী এবং শ্রুদিগের এক মাত্র বিবাহই প্রধান সংখায় এজন্ত কেছ কেছ ুলন শ্রেরঙ ঐকালে বিবাহের অমুরোধে অপকর্ষ হইতে পারে, কিছ শুভাদিগের বিবাহের ঐ কাল বিশেব রূপ নিদিট নাই। স্থী ও শুআদিগের অনুসাস সংস্লাবের হ্ইনেই সর্বজাতীয়া কন্তার বিবাহ অত্নরোধে অপকর্ষ হইতে পারে। আদ্মণের পনেরো, বংসর ডিন গৰ্ভাধানের স্থায় উপনৱনাস্ত সংখারই পিতা বৃধ্নং করিবেন, অসমৰ্থ হুইলে অন্ত ব্যক্তি ধারা ক্রাই-दन [ अत्र कारत ७६ शृधी तमथ]। अहे शृस्वकाताक कांन मकन माक्षात्र वित्यासत्र मुथाकोन। হ্ইয়া থাকে। উপনয়নে ঘাদশ বৰ্কাল অভিকাম স্ভাবনা থাকিলেই অপকৰ্ষ হ্ইবে, কারণ্ডংশরে, बासूरतारम बानकर्य कता मन्न जनार ।

শুভকংশির দিন চক্রশুদি থাকা প্রয়োজন, (পঞ্জিকায় দেখ) তারা তাজি থাকিলেও ভালো হয়। ষ্ই তিনটি সংস্থার পতিত হলে শেষ সংস্থারের বিহিত দিনই পূর্ধসংস্থারের:কলি। সংস্থার সাধারণেরই ক্ৰাচারায়ুসারে কালের আঞ্জা আছে। [কালাভিন্ধিতে কভিবাকিভিব্য ৩য় ভাগে ১২ পূঠার দেখা সংস্কার তত্তে চূড়াপ্রকরণে ব্লিয়াছেন,—কন্তাদিগের সংগ্লারের প্রক্রিয়া সমস্তই অমন্ত্রক ক্রিভে डिनमस्तम प्रत क्हेर ना । नामकद्रपामि मःक्षांत्र प्रकारन ना क्हेरन (मूथ) कारनंत्र ष्यस्रात्रांथ ना थोकांत्र সাবকাশ বিধায়) উছা উত্তরায়ণে শুরুপক্ষে ও বিহিত নক্ষত্রাদিতে শুদ্ধকালেই করিতে হুইবে। যদি কৰ্ষদিব্দীয় ভিথি নক্ষ্ত্ৰাদি তাদুশ মূপ্তশান্ত না পাণ্ডয়া বায়, তবে ঐ দিন দেববর বিষ্ণুষ্ঠ বিশেষক্রপ পুজা করিলেই সকল আংশুভ থওন হইবে বলিয়াশাত্রে বলিয়াছেন। চইল ভারাদি বিকল, জাতাশাদি চ্ট্ৰে, কিন্তু ডদক হোমের এবং আন্ট্যুদ্রিকের মন্ত্রপাঠ বান্দণ যার। হইবে। [একদণে এতক্ষিশে अम्बात्क कछात्र भन्नश्रीमानामि मःकारत रक्षी मार्कत्थत श्रमा मांच कवित्रां कछात सूर्य ष्मन्न मित्रा थारकन প্ৰায়দিত জাজ কৰ্মার্জক মহাব্যাস্থতি হোম ব্যস্তমমন্ত-মহাব্যাস্থতি রূপে ক্রিতে হ্ইবে, পতিত সংস্থার নংস্থারের শুভ ভিথি নক্ষাদি বিহিত দিন সকল পঞ্চিকাতেই বিশেষ থাকায় উহা লেথা হইল না ]। উৎमर्ग कतिवात्रक वायका ज्ञारक [ २३ चार्म यन्त्राज्ञ व्यक्तरान एम्थ ]।

… কবল : বিবাহে আধিবাস ও আন্ত্যুদ্রিকাদি কর; হয়। জী এবং শুলেজর ধাবজ্ঞা এক ছইলেও শুক্ত পুত্র-দিয়ের অন্তর্জাশানাদি সকল সংস্থারেই আছুসুদরিক কর। হয় এবং বিবাইস্তালের কোন কোন কোন সৰ্ ীয়ের। আছিও ছারা করাক হোগ করাইয়া গাকেন।]।

া গুড়িছ ইইবার দিন ধ্রিলা সাবন গণিত বুগাবর্গে বিবাহ হইবে, জাগ্বি ব্যাবন্দানে ( জালাদা হইতে ) -দাসভয়-মুধ্যো, এবং, জায়ুধা বংসারে মাসত্তরের পরে বিবাহাদি হইবে। কপ্বেধ চুচ্চাও কটোর বিবাহ कर्पने शुक्ष वर्ष नियत्त्रमात्र फ्रेटकथ आधिक। क्रममात्म कर्पत्वर हुछ। ७ दिवाक् मित्रम किन्न क्षेत्राक भाग मीन (होस्. धारः कचात्र दिल्हं ७ भूरेखंत्र डिभानन क्षेत्रका । नित्रक्कांग क्रान ब्रामानित ন্দাদিন তাগ করিয়া চুড়াদি হইতে পারে। পুকের জনাবারে প্রায় সংখায়াদি কার্বা হয় না। ভভাজজ विवार-वावन्त्रामि। विरविष्णात क्य कर् क्यमामानि (नोत्र बाका।

3

खेळांखामि ष्रकारन विवाह इहेरन मण्डोत्र मध्ये धरकत विभाग रह, श्रुष्टमाः कञ्चाकान डेबीन श्रुरन নির্বকাশ বিধায় সর্প্রকার দোর সীকার করিয়াও বিবাহ দেৎয়া ঘায় কিন্তু বরেয় বিমাশ স্চক দোব-শীতি হৈতৃক পূর্বেশিক্তি অকালে বিবাহ দিবে না ( মকাল ব্যবজা এয় ভাগে দেখ)।

भारिक विशिष्ट्रमा वर्षार्थकायायाक नाट्ड मुनकारम्हे नक्षी कुरुद्राः विवारक्ष भूत्र् यक হ্যসন্ধনি বিশিষ্টা নেঘবণী স্কুৎরক্তবণ্ডিন্যে,নমুক্তা ক্যাই গৃহচ্ছের সুখবন্ধিনী। যাধার হক্ত-महास्तिति । श्रहत प्रित प्रति श्रहत थारक रत्र हो । यह भी प्रमुख्या स्मीना त्याख्या বিশিষ্টা এবং যাহার কোম নমূহ হ্যা কাষ্প্ৰ ও দক্ত পাক্তি স্কারদ্যা এবং ঘাহার নয়ন পালপাপাড়ির গৰ্গ ব্ৰিয়াছেন, - লৈচ্বাদ ও অৱহায়ৰ্থমানে এপমগ্ৰ্মস্তুত কোট পুত্ৰ এবং জোটা কজার বিষাত্ত চুড়া ও উপনাল এবং বচনাস্করোক্ত অস্তাত নতন ক্ষিত্ত নিষ্ধে। নিরবকাশস্থলে বৈষাষ্ঠ মানের श्रीक नाडीत नदीका व्यापणका पष्ट बिताराहरून, राग वा शब्दा छात्र हुन। निमी श्री तिमी श्री किन क দভামেণী বিশিষ্টা এবং অবিকলাকী ও কোমলাংশী জীট বিবাহে আশান্তা। শাতাতণ বলিঃহাছেন, দশ্দিন ভ্যাগ করিলে হইতে পারে। [ অহাত উৎনক ক্রেণ্ড নিধিদ্ধমানে দশ দিন ভ্যাগ किरियांत्र कथा प्लार्छ ]।

তায় বিশাল ও গাছার মধ্যদেশ বোল্ডা কীটের তায় ফুল সেই স্থী হীন কুলজাত। হুইলেও

মন্ত্ৰলিয়াছেন, ক্পিল বা পিঙ্গলবৰ্গা অধিকাজুলবিনিষ্ঠা জড়িলোমান্ত্ৰিতা হাচালা হোগিণী এবং शका, घष्मा, महामुखी, जिन्न नमीनामी अवर मानुखी, जूनमी जिन्न बुक्नामिक। अवर द्ववंखी द्राहिनी कुटािडिखामिनिएड दिनिशास्त्रम, त्कक्त (तित्रा) अभिष्मनात्मात्मा ध्रुभीमा श्राभकारम याश्रित श्राध-७ जिम्मी जिम्न नक्ष्व नाम्री धवः माज्ञनात्री पक्षिमात्री दा जीवन मात्री कञ्चा जविदात्या. किक दिराष्ट्र कारल क्षित्र কুপছর দৃষ্ট হর দেই নারীবক্ষ্যা। ধুষী কুদত্তা এবং যাহার \* কটিদেশ ফুল্কিফা যাহার পদ-ভारा स्ट्रेंत कांत्र विद्याग्यान विहिड्, द्वित्यत्र सार्याकम नाहे । विभिकांत्र <u>अमित्रारक्ष्य,</u> किंद्रागयन।—खहेम मन्य ७ ष्रामः दार्व बिंद्रागयन विहित्त नार्षः। त्वाािकिमांत्रीमः बार रानिष्रााष्ट्रन, পাবন গণিত বিবাহ মাদের মধ্যে যদি বৃদু পিত্রালয় হইডে পতিগৃহে দ্বিতীয় বার আনাসিয়া থাকেন, নামাস্তর করিয়া"বিবাহ করা যায়। विवाह, त्यांता।

একথামে বা চতুঃশালা মধ্যে কিছা গৃডিক বা রাপ্তবিগ্ন উপক্ষিত হবুলে পতি কত্ত্ক নীগমান্ यक्षि लायनमाकीनी त्मक्रानाती नाकक्षा क्वेरलेख ज्याका।

নুধুর সমূধ শুকুদীদ দোব হুইবে না। জাদশ ব্য জ্বতাত ক্ষা গ্রাথান গংকাম ২২মা নোকে দিরাগমন বিহিত দিনের আবশ্যক নাই।

मध्य मुख्क वनिशाहम, -- (य कथा, भिष्ठाह (डांकन कतिया। तम्हे मिरनहे भामी शृष्ट क्यांनिश

কাল হুইতে রোড়শ নিশা গ্র্থানের কাল ঐকাল মধ্যে প্রথম তিন বা চারি রাত্তি (শোণিত নির্ভি ৮% ना रुएशा भरीकः) धकानम ७ बरग्नामन प्राज्ञि धरः ष्रह्याानि भक्षभक्तं कानं अध्विত भन्निङ्काना গভিগোনে পূৰ্ণ এবং রিজা ভিথিও প্ৰশস্ত নৃহে, ভন্তাও জয়া ভিথি ভত্কারে প্রায় প্রশস্ত, এই কার্ডী রবি মঙ্গল ভূষ্ণশতিবার প্রশন্ত বুধবার নিবিদ্ধ। জোটা মূলাম্ঘা জ্লোখা রেবভী ফুন্তিকা ভ্ৰপের আধার (পঞ্গাব্য ভক্ষণাদি দার।) শোধন করাকে গঙ্গাধন সংখার কছে। রজোদশন वाथिती छेछत कवानी छेछत्राताह। ७ छेछत्र छ। सभाव निविष्ठ \*। छाष्ट्रम कात्रम, छिनि छुर्छशा ७ क्लमाप्रिका कर्ड्क माथळाछ। हायम। गर्डाधीन वावन्धामि।

<sup>\*</sup> দাধাগণতঃ শ্রীগমনেও উক প্রায়ণ্ডিন্তাই পর্বদিনাদি ত্যাগ করিবে, দ্বপ্রশন্ত রিক্তাদি কাল দাব-কাশু স্থল ভাল্য ( «ম ভাগে পারোপগমন বিধি দেখ )।

ছ্ট থতুকাল ভাগে করিয়া পুনশচ পাতুর মাংশ্বন। ক্রিবে বা আসনার শা;জি এবং চিথ্যাণি দেব মাস্ডিথি নক্ষর ওবার বিশোলে আন্সাধারুর ফলকেল পঞ্জিলাতে অণ্ছে। নিদিন্ত নক্ষ্রাদি-

ন্ৰেয় বাৰ্ষ্য করিতে চালে, সেটি যুক্তিন্তত লেং, কাংগ শালে অনাত্ৰ অব্যায় অবাসুনী নামী গ্যনে পাপ শ্কি জ্যাছে এবং ইছা গুকি কিন্ত সাহাহানিকর কাৰ্য পত্হবি; ই জিগের রজো-দোৰ এবং আন্বৰ ইদিয় এবুকি দোৰ প্ৰচ্চিনিটু হইবৰৈ আভান্ও শালে পাহে। যুর মূতরংং হাধিম ভাকা শোণ্ডিনামেগো কিংন জাম হতল।ই প্ৰায়েন, এই জাজা খাতুর প্ৰথম হিনাদিন নিং বিহ মাদ্য শুহতে গর্কাধান নাহতহা প্রিয়ত নারীগণ হবিবালে ভে'জন প্রত্তি নিঃযে বংগা পাকেন, এই সক্ষানিয়মাদি আনটেনাপা অবহত আছেন (শাহাগেও বিজাহিত দেখ) এবং প্রথান দিবদে শশতী সায়ংকাল পত্তিজ অতুক থাকিয়া ভক্তি তাবে নর্ক্তাজা স্ধাদেবকে জগদেশানি প্রত্তি নামে ঞ হুকে নাঘটিনে পুনৰ্ধার হজে। উ^িত বান মণেকাবি চি হুইবে।[মাধুনিক কোন কোন পডিত মহাশয় মুখাকালোর পরবন্তী সমস্ত কামেকেই এনীণ কাল বিবেচনা কলিয়া জনাতিব সময়ে ও নবপুষ্পোৎ-এতুর বোড়ণ রাত্রি মধোই গ্রাথ'ন হওলা শাত, সুত্রাং পতির অনারিধ'নাদি নিবম্ম আদি कछ उष्ट्यामि हरमर् कि दि।

**অন্য দান করিয়া থাকেন এবং পতি নবাহুয়াগাকালিত। নংবধুর ইন্দিয়ত্তি আমদূত্রক শারীরিক** होने दिएमत नुस्मिन्नि क्रम कोदीबाहा नवशूरमा १ नवावा हिन्दा थाएकम ज्यापिनि प्रिं प्रां

रिनिहाएकम, एकारिएका शूच ध्वर, भीतिएक जातितम कछा हहेता शरक। अमन्तक बाधूनिकमित्रिक কাৰ্যাই হউক ভাহাতে সত্ৰকভাৱ নহিত্ৰ নমাকু নিবিইডিজ ত্ইব'র জ্ঞা প্ৰকৃত্তৈ উদ্যোপী ও সাবধান ইইতেন, একানে পাশ্চাত্যনিকাভিনানী মহাশ্যেয়া এসকল কাৰ্গ্যে ওক্ষ ও প্ৰোক্ৰীয়তা বা বৃধি-মুমু বিরাছেন, ঋতুর মুগ্র রাদিতে জীগ্রতে। পুর এবং অনুগ্র নিশার কঞা সভাল জলো। বিশেষ জনেক প্রকার মতামত জাত্ত। বিজ্ঞাকানীন তিথি নকরে শিলে এবং জাতাভাকারণে ও জনক ি জেয় ভিষ উত্তে হরিয়াছেন,—নবিন গ পিত ধেছিশ্বৰ্নহানে যে নাঙী পজিনী। ইয় কিছা সন্থাম 'প্ৰাৰ্থ करत, टमरे ही महाम ७ भड़ित नहित दिन्ने द्रा शास्त्र, टमरोब नश्बरेत स्वोत्न स्रोत माखित्रक **জননীয়** শাগীরিক মাদসিক অবস্থাস্থারে প্র কতার শ্রীর মন্মের উৎকর্ষ <del>অগক্র সংঘটিত</del> গ্রাই অনভাঞ্লোরিত ব্রিগা মনে করেন ( এম ভাগের দেখ )। हहेज़ा थाक ]।

विशाम क्षांद्र ।

मारित्र की मिय मर्मा मियम खामक )। अथय शुरमदमान छत्र एमितन है कि छीत्र शुरमदम के ब्रिटिंग एक्षेत्र, एक ह প্ৰেশৰ ব্যবস্থাদি।—গত্তোৎপত্তি এত্কাল হইতে লাবন গণিত চ্ভীয় মাস প্ৰস্বম কাল ( ভ্ৰীয়

না, মংছার সকল করান থাইতে পারে (৩র ৬৫ পু: দেখ)। পুংদননম্ময়ে গুভিগীর অনুষ্ঠেশ শুসিছে।

পুলিছে দেব ফুল নিমুক্ত মালায় গুবাক জাতিকল প্রবাল স্বব ও রজ্জ খণ্ড-গুলিছা। দিবে।

পুলিছিল নাবনগানিক পুল্ফানাশীয় গুর্বিছায় বৈদিক মন্ত্রে (আ. ১১১ খু: দেখ) শোহিত
পুলিছিল স্থান্ত পুলিছিল সেবন করাইতে হয়। শর্কা মুদুছা ছুম্ম ও মুদ্ধ এক্লানগানিক মফোরের প্রধান উদ্যোশ্য। পিতা উপস্থিত না থাকিলে প্রতিনিধি স্বরূপ অন্ত ব্যক্তি মারাও পূংসবনাদি नव जिलीख क्रांग शिभामा भाष्टि जात्रा शतिकृत क्षेत्रा थारकम ( वय जाद्य वह गुड क्रिकिमी दम्म) तक किछी। कित्म छ विष्णी व शुश्रतम कतिएक तरलत। शुर्म विनग्नकि भक्ताके भूत्व क्षिया है अहे এই অমৃতক্ষ প্ৰ পবিত্ৰ দ্ৰব্য মাতা ভোজন করিলে পর দন্ধান উহার মসমার আপ্ৰাদন দারা

मीमाकामप्रमा । न्यश्कात भूशमतम मा हहेश थाकित बहेतित स्थातिक खान्त्रक मामक मध्य-ব্যাজতি ছোম করিয়া প্রসবলানজ্ঞর দীমজোন্নজন করিতে হট্টে। এই দিন প্রস্তিকে পায়দ ভোজন কঃ।নও ব্যবহার আছে।

যদি প্ৰথমগতে পুদৰ্ম বা নীমন্তন না হুইতে গৰ্ভ নই হুইয়া হায় ভবে হিতীয় বাৰ, গৰ্জেৎপক্তি

हरेल शुक्तीक मात्र वित्यातत्र नित्रम नारे, अञ्चलटे ठड्व मात्र हरेए जानुर पानक आति नी दुर

नामकत्रत-वावस्ति \*। ন্বপ্ত্তা বালককে কোড়ে ল্ট্যাও ( জাতকগের পূর্বে ) দীমন্তন সংঘ্যান্তীব 🔃 🗀

ভাবৎ দীম্ভনের কাল ক্থিত হইয়াছে। বৃহৎ রাজ্মান্তিওেও ব্লিয়াভূল, সত্তুত্র-মীগ্রন্ধ লাখীর

জ্যদিন হইতে সাবন গণিত একাদশ বা ছাদশদিনে কিয় শতদিনে নামুক্রপের কাল্ড

जुल। वम ভारत माधुरीज दहेशार खादाः (मात्रतिक हिमा, शुल्मुक्ति ज्यान, शुल्मुक्ति ज्यान, श्रीकिक खाज्ञिक कामा किति \* कोछक्ष वादश्मि खक्रात अवा हहेशा ( 8वं ৮९ प्रका विष्मती (मवं)। श्रुक्ति विष सिक्टल ब्यात्र बारहात्र मा थाकात्र निश्मिय मा।

একছিশ দিনই নামক্তবের মূধ্যকাল । সাধাবণ্ডঃ নুখাকালের পরবতী আনগামী ক্রিয়া পধীজ

গোলগুলিত যথা, দেবদত্তের যহন্ত মূল বেরুয়েও পুন পোশীকুকা ইতাদি। দেবতাখিত য্থা, — রামদাস্থ্রিরণ ইড্রাদি।, নক্ষ্ণাতিত নাম শ্রপ্দ ক্রেল্ড্রারে উভার ক্রিডে হয়। একং এই ন্ম গোপ্র রাধা আবর্জনে। দেকতা আতি নামই উৎস্ট কালে পুরাধে অকামীল উপাধ্যানে বাধিত দাছে, ন্যোয়ণ নামক কনিট পুত্ে ত্তিমকাতে, বাহছাক অক্ষান কবিয়া ছোৱ পাপী জজামীক মানুক রাঞ্চাত্রিত নাম হারিলে যাহারিগের কোটি নী হইল। নিলাছে বা কোটি হয় মাই ভাষ়েরিগের রাণিবে ফুতরাং নারায়ণ জন্তিন বিষ্তুর বলিকানী ইত্যাদি প্রকার নাম্ট প্রশাস্তা। প্রশাক্তি নাম মক্ল বাঅহে≱ত নাম গোহা⊴িত বা দেবহাআিত কিসানজ হাজিত করিয়া রাথা**ও শাহে সক**ত। য়ুর ল কিয়ান এবং মুডে দীর্কান । বিদর্জুজ (প্রমন। বিভজাত ) এবং যুক্তা আময় সম্ভিত নাক্ নামের জাদিতে গঘ ২, ক ক এ০, ড চ ৩, দধ ন, ব ভ ম, কিয়াহ্ এই সকল ব্যঞ্ন বৰ্ণ এবং মধ্য মধ্যকলিই গৌণ কাল হইলেও বঢ়ে ছিনিত হাদ্শ দিনাদি অপেকাকুত অংজ। किगरक यक्ता शुर्कक विकृत्नाक अछि स्हैतिहितन।

নামের আংগ্যক্ষর ধরিরাই সংথক রাশি নিণ্য করিতে শারা যায়। তাশি না আমনিকে শারিলে কে কোক

ৰাক্তিয় লামের জাধ্যক্ষর ধরিয়া রাশি নির্গ করিবার বাব্যা আহে, ইয়া পঞ্চিমতে পাওয়া ঘা িনিষ্ড ব বিকল নাম থাকিনে আনংশীক মতে পরিবইন ক্রিডে হয়, এজ ড ওকুদেবেরা শতপদ।

(জুমিট হওয়ার পর কিছুকাল গৃহ মধ্যে শিতকে আবন্ধ রাথা বিশেষ আবশ্বত কারণ স্থেতিশি ও भवाबहित्त भरत भिष्टतक श्रुट वर्हार्ट्य व्ययम कामहान भ्रतिकृति समानि कताहेट वृष्ण, वृद्गादनाच्च নিছ্মণ বাৰ্ছাৰি।—জন্মদিন হইতে সাবন গণিত জ্তীয় মানীয় জন্ম জ্তীয়া থিছিতে স্কর मन' बतन । खरबिक ७ यबूरकतितितितत्र ६ दूर्वनारन जिक्रमन जरा स्कृतिक कर्षात्रनम क्रिवीय विविधिष्ट । মছ ব্ৰিয়াছেন,— মীনিগো নাম এই একাৰ হবৈবে, থথা, যাহা সংক্ৰে উচ্চাৱিত যে ও ক্ৰুৰ करशक श्रदक्षं श्रीमक दायकांत्र कतिरव ध्रयः नामास्क बाक्ततः त्रियन्त्री कहिरस्य वर्षायो বৈজ্ঞের 'ছঞ্জ' শ্লের দাস এইরূপ প্দ বোগ করিয়া, 'ই অমূক দেবশার্ণ' শীনমূক দাস এইরূপ ধ इश्डिम सत्नाष्ट्र अवर कानी में ति वारकात्र छात्र ७ मामना धवः एम नारतत्र कर्षण्यो । ७ याषात्र कार ह দেবতা ওক ওকছান পুণাকের ও কেতাবিলদেবতা নিম পুল্য বা জাতিত মহবের লাম ৰাদীধ্যয় যুক্ত এবং সংযুক্ত বৰ বহিত ভাহাই প্ৰশস্ত যথা, — যশোদা সুংদা ইভাগদি। मा जा। मिना हैश भिषाट मीकि ड करत्रा

বায় বিবৃদ্ধিত গাঢ় অন্ধকারময় গতিবাস্হইতে নিক্জি অভিনব শিশুর পকে হটাৎ ফ্র্য কিরণ্ড প্রবৃদ্ধ বায়ু অনিটকর হয়, উহাছার। দৈহিক উভাপহানি গাতুর বৈষ্যা ওচফুরোগ প্রভৃতি জামা পারে, বৃক্ষাদিও বাতাতণ রহিত শীতন হানে শীঘ অক্রিত ও পরিপুট হইতে দেবা যায়, এই জ্ঞা শাবৈকির বীন্ধও প্রায় রাত্তিকালে অস্থ্রিত হয়।।

পিতা দেবতা সমীপে অনক্ত বালককে শীয় কোড়ে বসাইয়া, স্বপেদক শারা পবিত্রীকৃত্ ১৯ अम्म सामान न जुनकामि। यहे दा काहेम मान अम्म थाना निम्म का का नान, यहंमान हे भूदा। जी मिरिनेक्ष শুত্যুক্ত পায়দ ভোজন কহাইয়া মাতার কোড়ে ঐ শিতকে প্রদান করিবেন। অনেক দেশ্ধের আৰু আৰু আৰু বিশ্বতালা প্ৰথা নহন্দ্ৰ।

মানুহৰ মানুহৰ আৰু বিশ্বতালা কাৰ্ল, সন্তম মাসই সাধারগতঃ ব্যৱহাৰ্য।

প্ৰ পিতা দেবতা সমীপে অনস্কৃত বালককে সীয় জোড়ে ব্যাইয়া, স্বপোদক

মানুহৰ পায়স ভোজন ক্যাইয়া মাতার জোড়ে ঐ শিশুকে প্রদান করিবেন। मृत्य जमाना निष्ठा माछ। करतम मा, माञ्जनानि कतिया थारकम।

**हू फ़ाक्**त्रन्यामि।

চ্চতীয়বৰ্ চূড়াক্রবের মুধাকাল, শুপঞ্মবৰ্ণ এবং প্রথম বর্ণেও চূড়াকরণ হইতে পারে। ইহাজে

বংসর ৩ মাস প্রাত্য নহে এবং জনুমাস জন্মচক্ত ৪ জুলনু নকাল এবং চৈত মাস নিজিল কিছ চৈত্যমাসে

त्रतियोत्र भाष्ट्रत्न हुए। स्ट्रेट्ड भीट्य ।

পুৰ্বে বা উত্তয়মূথ ক্ইয়া জাসনে উপবেশন প্ৰ্বিক যথাকুদ্ধে (শিংধা বাতীত) কেশ শাক্ষ লোম এবং নথ ছেদন করাইতে হয়। জনুমাস জানুতিথি ও জনুনক্ষতো এত উপবাস ও আংলিদিনে সংযোদিনে ক্ষোরবিধি থথা,—দেষকাধ্য ভা পিতৃ কাৰ্ধ্য, সমাপন করিয়া দোম বা বুধবারে অব্যুৎক্ষিতটিতে

मःकांखि मिटन कामाश्र्यामिटन এवर मक्षा ७ अधिकाटन त्यमेति रुखा निरम अवर भगरनारश्रक, তৈলাকে বাজ্জ ব্যক্তিরও কৌর নিষিদ্ধ। নাপিত গৃহে বদিয়া কৌরি হইবে না এবং কৌরাকে

कर्गदिध।

প্ৰান করিবে। জনন বাময়ণাশৌচাজ্ঞ দিনে|কায়ামূজি বা বিবাহ দিনে যজনাদিতে দীকিছতু, হইবায়

দিনে এবং রাজা বা আন্ধণের আনজাক্রমে নিবিন্ধ বারাদিতেও ক্ষোরি হওয়া ধায়।

শাগ্রণতঃ কৌলিক নিয়মে কিয়া চূড়াক্রণদিনেই ক্ণবেধ হইয়। থাকে, ইহাতেও অনুত্র বৎসর

শুকুণ ক ও উত্তরারণাদি প্রশৃত্তকাল অংশকা ক্রিবে। জলুমাস ক্লুলক্ত্র কিছা হৈছে বা শৌক

কৃত্যডিক্তামণ্যাদি এছে বনিয়াছেন, অপ্তার্গ অর্থ যথাক্রমে (পীঠাপীটী) কাক সন্তানধ্য মাসাদি বিধিত নহে। সর্পত্রই গঠলমা প্রত্তিগণনা খারা অস্থাবৎসর আছা হইবে।

এই দোষ সংঘটন হইনে কিনটি সতানেবই জনিই হইবার আশক্ষা আহে, এই অনিই নিবারণের উপার জনা শালে ব্লিলাফেন লে, বৰ্জমান লোঠ বা কনিঠ নভানের মধ্যে যাহায়রবি ভাদি থাকিবে ভাষার বৰ্ষান পাৰিতে যদি তৃতীয় সভান গ্ৰহ হয়, তাহা হইলে বট্কপোৎ পতি দোষ আংশ হা হইয়া থাকে,

কণ্বেধ করা আবেউক, জালথা সূত্য দ্ভব।

डियर्यम दादक्षापि।

शृहशास्त्र व्यक्षवाद्या यांसक क्ष्मव ममीलयही हत्यन, त्महे क्ष्युक्त 'खेलक्षम' याता हिन्त्रतम ( সাবকাশ বিধায় ) উত্তরায়ণ শুক্রপকাদি বিহিত বিশেষ প্রশস্ত দিমের জপেকা করিবে।

গ্ৰেটিম বা জটম বৰ্ছটতে ঘাদশ বৰ্প পাত আছনে ল উণনমনে কুকাল, ( অমতেজ বৃদ্ধি, কামনার 

R

এবং গোষ্কা এক কাহন দান করিয়া, উপনয়ন দিতে হইবে। পিতু মাতু রহিত নিঃৰ ব্যক্তির ধেসূত্রয় হোষ করিয়া উপনয়ন দিতে হইবে। বোড়শ বৰ্ডভীণ হইনে বাতাদোয কামে ভরিবারণ করে চাক্রায়ণ

ৰোড়শ বৰ্কাল ঐ ভক্স্ছে বাস প্ৰকি একাঞা চিত্তে জ্বায়ন ক্ৰিডেন, পরে গুকুর জামুম্ভি ক্ৰমে শুভ্ দিনে গাহি ছালমে পাব্জিত হইতেন, ডংশোব্জনিমিজক হোমাদির নাম সম্ব্জিন' একংণে উহা উপনয়ন দিনেই সমাধা হয় এবং দণ্ডাশ্ৰমে ( দণ্ডির ঘরে ) তিরাত্র মাত বাস প্রকিক চতুৰ্দিবদীয় প্রাভঃকাতো বংশ প্লাখের দণ্ড ধারণ করিবেন, ঐ দণ্ড ষ্ক্ বিশিট ও কেশ প্ধ্যন্ত দী। হইবে জ্লাতে ভট্দুশ শ্রব্যক্তিরেরও ममानक्ता।--श्रक्तात दक्षाता अकर्ण्ड डिनायनमिता (तमभाठे कात्रस्य कवित्रा, ब्रोधि काम किया কুত্যচিন্তামণিতে থলিয়াছেন,—কল্ম—লগ্ন ভারা মাস বা নকতে উপনয়ন দিলে, ,বাৰূণ বিধান্না ৰক্ষচারী কোম বাশগনিথিত বন্ত, কৃষ্ণগৃচধের উপবীত সর জাভাবে কুশমরী মেখলা, বিশ্বা দ্ও জলে একেপ ( দণ্ডি ভাগান ) ক্রিয়া সান করা ব্যবহার জাছে। হ্ইলেঙ পৃধিবীতে পণ্ডিড বলিয়া বিশাতি হইবেন। भूला नवकाषीनन छेरमर्भ कदिला ७ हहेर् । अह्म कत्रा मार्टेर ।

## रहेक्।कद्रर-८क्टाबर

खिल्धियोष्ट्रवाठ। भून (मृति महामञ्जू णामिष्ठ्रषाहर्ष्ट्रक्र, मन्द्र हृत्यक्षम्मनः मन्त्रमञ्जूषितक्षेत्। जन-गरक्राक्षात्रियार एमदी टेखरनारका ठानि कुन छः, जन्धेकांभागियर ग्रहर मर्सन्छिनम्बिङर । स्प्रनीरम्ब यक्षमा ভূততে প্রতিশিশাচকাঃ, বিস্তব্জি ভরাজি। বৈ ক্লিফ্ডাদিব প্রকাঃ। পরেশ। পাঠায়খাশি পুৰয়েশাশি नामनः स्थरधनः त्मश्रष्टमार्गि एड मकः नर्मग्रिमः खित्त। नर्कन्यार्थमः मकः ब्रोकाएडांगळामः ज्याः, जाशकृक्षात्राः मञ्जः वक्षामीजी विद्यम्तकः। त्यन्यः शुर्तमुक्षः विरा त्यतीः त्यानम्बद्धः, पृष्टेकारित्र जिल्लाचा আবাপ্ত্ৰারণীয়ত। কুকু ষ্যং ভতঃ শুমাং বুটুকায় পুনং কিপেৎ, দেবী-প্ৰবষ্কুতা মন্ত্ৰোৰায়ং সুধু পিত্ৰে। ক্রাদিরোগাণাং জ্রাদীনাং বিশেষতঃ, নাশনং স্তিমাত্রেণ স্তবর্জমিমং থিরে। **এক্রাজভ্রানাক্** সকোৰাইশ্বৰ ভূটোনাং হিতাথং বাঞ্চিতং ময়।, বিশেষত জুৱাজ্জাং বৈ শান্তি-পুটি-এলাখনং আক্ৰাস-কর-व्यान संहारो । जगदन् मस्यम्खः मस्यावार्यभाषाः चालघृष्टाः मस्र मस्र मस्र मस्र मस्र मा रिक्वात्रिक्षत्रीत्राः मित्राम्यः कत्रमृष्टकः महत्रः गतिभव्छि भावा हो भत्राव्यक्षत्रा कांग-वीष्णाय-गमिष्टः वक महित (मरवन मम हरीवविष्नाः।

শুক্তকং, নামি-চৌরভরং বাশি এহরাঞ্ভরং ভবা। নচ মারীভরং তন্য স্ক্রি স্থবানি ভবেৎ, আর্ছান রোগামৈশব্য পুত্রপৌতাদিনত্তার:। ভবজি গভতং ভন্য পুত্তক্র্যাণি প্রনাৎ।

मस्त्राणिविमियात्रकः। मन्निकाषार्थकः तनि माथकामाः श्र्यायदः, तम्हाकनानकरेकव श्रुतः क्षापः ममाहिकः গ্রন্থ চার্থ সাংকার্ডরেনেত্ত নর্ক্মছনিবহুপং। নর্কান্ কামানবারোতি সাধক: সিদ্ধি-ধেৰচ, শুৰু দেবী প্ৰকালি টেভরবস্ত মহাকুনঃ। জাপচ্ছারক্সোহ নামাইশতমূভ্যং, সৰ্বণাপহরং পুণাং टेस्टबरः मुक्ति विकान ने लताटि जीयनमानः अहका-क् जालातः अन् वमत्त जीक्रममानः। टक्नेलाः कर्पता-मरिंग एकतानानः वृति शत्तरः, (केवोवाः नास्टिताः क् केटेगाः नक्षावनामनः। व्हित्मवस्किनिजना মূত্যং, নামাটণতকসাাস। ছদেশহৈছইবুদাক্তং। বৃহদারণাকো নাম কুদিক, পরিকীপিতি,, দেমতা শ্বিতা চেহ সন্তির্ধুক্তৈরবঃ। ও টেরবো জ্তনা্থিক জ্তান্থা জ্তকাবনঃ, কেল্ডাঃ কেল্পালক্ কেল্ ইীপাৰ্পত্যবাচ। য এব টেন্তৰো নাম আপাপ্ত্যালকোমতঃ। জ্যা চ ক্থিডো দেব টেল্বন্নক অভকল্যোরজনানিকং, পাদরো-দেবদেবেশং সর্বাদে বটুকং জনেৎ। এবং নাাস্থিধিং কুমা, ভদনজর छित्रमः, जन, नायमस्यानि अध्राक्तिमानितः । नात्रमृत्यः त्वार्दाहेन नायहिनछकः वतः।

ঞ: ক্ষিয়ে বিরাট্। মংনাৰাণী মাংনাশী কৰিয়ানী নথাতকে, রক্তণ: প্রাণ্ড়। দিছে: সিভিল: সিভিল: সিভি

মরঃ। অংশীধারঃ কলাধারঃ সপস্তকঃশশিকাতঃ, ত্ধরে। ভূধরাবীশোড়পাতভূধরাজ্জঃ। কজালধারী ক্চিৎ। পাতকানা ভর্টেশব পঠেৎজোত্রমন্ত্রীঃ, মাধীভ্রে রাজ্ভরে তথা চৌরাগ্নিজ ভরে। সুকমং। ন ডয়ে ছরিত: কিঞ্ছিতন লোগেগেতা। ভয়ং তথা, ন শকলতোলি ডয়ং কিঞ্ছি এন গোতি মানবঃ বটুকো বটুকেশত বহাঙ্গবরধারকঃ। ভূতাধাকঃ প্ৰপতিভিক্তঃ পরিচারকঃ, ধূৰো দিগ্যঃ নৌরি-হ রিণ: পাতুলোচন:। প্রমাস্ত: শাক্তিক: ৩ ছ: শক্তাবিয়বাক্র:, জাটম্তিনিধীশক অবানচজুতামো-মুভীচ লাগমজেণাবীতবান । জৃতনো মোগনতভী মারণঃ কোভণতবা। ভাছো নীলাজনতথয়া দেহো মুভবিভ্ষিতঃ, বলিভূক বলিভূতাসং কামী কামপরাকমঃ। সৰ্বাপভারকো ছ্রো ছ্টভূভনিবেবিতঃ, কামী কলানিধিং কাতঃ কামিনীৰ কুন্দী। সৰ্বগিছিপ্ৰদেশ গৈল: প্ৰতিষ্ণু: প্ৰতাবনানু, অটোত্রশতং নাম ভৈত্তবজ্ঞা মহাজ্ঞানঃ। ময়। তে কথিজিং দেবি রহজং সক্কামিকং, য ইনং পঠিতি ত্তাত্তাং নামাষ্টিশ্জ-সেবিত:। ক্রাল: কালশমন:: ক্লা কাঠী ডয়: কবি:, জিনোলো বহনেজক, ভ্ষা পিজল্লোচন:। শূলণানিঃ থঞ্গণানিঃ কছালী ধুমনোচনঃ, জভীক্তিরবোভীক্ত্তপো সোগিনীগতিঃ। ধন্দো ধন-হারীচ যনপ: ঐভিভাবন:, নাগহারো নাগকেশো বোমিকেশ; কপালড্থ। কাল; কপালহারীচ কমনীয় ক্লানিথিঃ, তিলোচনোজনলেত ছিশিখীত তিলোকপাৎ। তিত্তনয়নে। ডিগুঃ শাস্তঃ শাস্তজনথিষ ,

প্ৰশম্নং হাজি ভয়াৎ ভৈত্বকীতিনাৎ, একাশশ্যক্ষ্য পূল্দত্রণযুচাতে। আলেশ্বাং বং পাঠেশেৰি সংবংদরমডিছিত, সমূবিং প্রাপুরাদিটাং গুল ভা-মণি মাজুনঃ। ব্যানাকুমিকামত জাপিতা লভতে মথীং छेरुमाछिक स्टात्र एषाति उथा स्थिमनीता, रक्षांन छ छथ। एषात भाठेर एकान्तर मनाहिकः। मानि

ব্যনাৎ। ভীতে। ভয়াৎ প্রমূচ্যেত দেবি সত্যং ন সংশয়ং, যান্ যান্ সমীহতে কামান্ ভাং আবালাগৈ স্কাশং সহলাদিত্যকর্মণ, জাইবাছং ক্রিয়নং চত্তর্লাছং ব্বাছকং। জ্ললমেশলাকারং দেবম্গি-তঃ ং বাতে টা রাজানং বশ-মানরে খ। ধনাথী চ সূত্াথী চ দারাথী জ্ঞানবং, পঠেৎ বারতে রং চৈব বার-মেকং তথা নিশি। ধনং পুতাং-তথা দারনৈ প্রাধ্রালাত সংশংঃ, রোগী রোগাৎ প্রস্চোক বলো মুচ্চেক দ্দ্যুৎ তো্তাহমিদং পুণাং সর্কামফলপ্রদ:, ধ্যানং ভত্ত প্রক্লামি থথা ধ্যাকা পঠেলরঃ। তথক কটিক-শিচরাক্তং, দিগথকং ক্মারীশং বটুকাথাং মহাবলং। গটাকম্বিণাশ্ঞ শ্লবিক্ব তথা পুমঃ, ডমক্ষ আত্মুম্বণসংসাংপ্ৰতঃ সারমেয়সময়িতঃ, করক্লিতকপাল: ক্তলী দ্ওপাণি-তকণ্ডিমিরনীলো ব্যাল্যজো-স্কাশ কাবিনাশায় ক পেলানাটকং পুনঃ। রাজৌ বারত্র १ টেব নাশ গতে যে শাক্ষান, ক্রেণুলান-নিদিতং। জাপ্রকাশ্র-মিদং গুর্যু নাদেয়ং যক্ত ক্তাচিৎ, সংকুলীনায় শাস্তায় পাজবে দ্যুবর্জিতে। ক্পালফ বরলং ড্জগং তথা । নীল্লীনুতনংক্ৰিং নীলাজনচয়প্ৰতং, দংষ্টাক্রাল্বদনং মুণুরাসদসংক্লং ।

ণবীতিঃ। ক্ষমময়সপাধ্যা বিশুবিছেদহেষ্ট্-জ্বাতি বটুকুনাথঃ গিজিদংশাধকানাং। ধ্যাথা আপে পুস্তু-শ্বাতিঃ। জন্মশনগণাগ্যা নভানংহ নতে বুলা নামাইশতমূভ্যং তৈরবার **প্রাহিত্** হয়। **চৈৰ** ছটঃ স্কানি কামানবাগুয়াৎ এতৎ শ্বাতি (দবী নামাইশতমূভ্যং তৈরবার **প্রাহিত্** হয়। **১৮**ব

अ अधितस्योत नगः। शांचा नीत्नाष्णनधागः दागः दाकीवत्नात्नः। कानिकीचकरत्तार् क्रोमुक्रेमिख्डः। मानि जृष ४श्र्ताष-भाषिः तक्ष्यतास्तः। यनीलश्चा कंश्बाष्ट्-माविक् ज्यकः विक्रः। जामत्रकार भटिर खाळः भाषत्रीः मर्त्रकामताः। खात्रामकवराजां वृश्होणिक अपि-तक्षे अ हमः खेशमध्यारमवडा खोशमधः व्योडावरं खरण विनिरंशांशः। ॐ निरंत प्रांचवः नाष्ट्र-डांनर দশরথাম্মকঃ। কৌশলেয়ো দৃশে গাড় বিখামিত্রপ্রিয়ঃ শুতী। স্বাণং পাতু মথতাতা মুখং সৌমিত্রি-বৎদলঃ। জিক্ষাং বিদ্যালিধিঃ পাতু কঠাং ভরতবদিতঃ। ক্লেমী দিব্যায়ুধঃ পাতু ভূজেনী ভগ্রেশকাৰ্ম কঃ। क्टतो मौडाविडि: शोड् ब्रह्म क्षांमह्या किए। वकः शोड् क्वक्षात्र-ब्रह्मो निर्मापविष्ठः। शार्थि মত্ত্ধরী। ইভি বিশ্সারত সে আপি গুজারক লোবটক টভরবজ্ববঃ সমাঝা। রামকবচম্।

পাতু পুঠং পাতু রষ্বহঃ ্রগ্রেশঃ কটীং পাতু শকিলনী হল্মথপ্রতঃ। উন্ন রষ্বনঃ বাত্রক্ষ-क्लदिनामकृषः। अन्यकृतः भाकु,अरअव मन्युवाखकः। भारमे विजीयनआजितः भाकु द्रायाशियनः क्तनां डि: शाकृ । कृषि मिक्को क्रममा । मधार शाकृ थडकारी मां डि: काषूरमां बाहर। अष्ट्र किट्डिसिंड

রামভদ্রেতি বা্মরন্। নরোন বিপাতে পাপৈত্তিং মুক্তিং স্কিক বিশতি। কগকৈট্যকময়েগ গাম-নামাভিবিক্ষতং যঃ করে ধাররেজন্ত করছাঃ দক্শিক্রয়ঃ। ভূক্জপত্রে কিমাং বিধ্যাং গর্কদশ্রুমিটিকিলাং। वस्त्रभक्ता कीववदना माठ क्यान्नाज नरभाषः। बक्रमधन्नारमन् या ज्ञायकवद्दः भटिदः भवाहेर्डाख्डः প্রবৃদ্ধা বুধকৌশিকঃ। ধৰিনৌ বদ্ধনিন্তিংশৌ কাকপক্ষরের ভভেঙা বীরে মাং পথি द्भुः। अछाः द्राभवत्नात्मेकाः त्रक्नाः यः कुकी भटीय। म छिताषुः कृषी भूजी विक्रत्नी विनती छत्वय। পাভান ভূতনব্যোমচারিংঃ ছ্যাচারিণঃ। ন দ্রষ্ট্রাণি শক্তাক্তে রিক্ষতং রামনামভিঃ রামেতি রামচন্ত্রেতি কুছা বৈ ধাররেদ্যক্স সোহভীটং কলমাগুয়াৎ। কাকবন্ধ্যাচ যা নারী মৃতাশিত্যা চয়। ভবেৎ। সকলে লভতে জনমঞ্চলং। আদিটবান্যথা বলে রামরক্ষামিমাং হরি। ভ্রমানিথিভবান্ প্রাতঃ द्राक्ककाः ভারুভৌ तामनत्त्रात्। छक्रत्। त्रमनम्भाता प्रकृपात्त्री पश्वता। भूछतीकविनानात्को ठीत्रक्रमाजिनायरत्रो। कम-म्नामित्नो माटको डाणरमी बन्द्रहातिरमी भटको मनदश्ररेगाटकी जाखरत्री हाममन्द्रती। मद्राशी नर्तनद्यानाः (सहकी नर्तमञ्जाकाः। त्रकः क्रानिक्कार्ते बारक्षाः নো গুষ্তমৌ। জাত বছা-ধহাংবিহুশা,শা-বক্ষাভগনিস্দস্দিনো। রক্ষণায় মম্রামলক্ষণাব্রতীঃ পৃথি সদৈৰ গছতছাঃ। সন্তঃ কৰটী বড়গী চাপৰাণধয়ে। যুবা। বছতু**সানোরথকাম্বান্ রামঃ** পাতু সলক্ষণঃ। অধ্ততস্থিংহো যে পৃথতো গৃহত্পজঃ। পাৰ্যোজ্ঞ ধহুমজ্ঞী সশারী

त्रायलक्षरते। द्रारम हाणक्षरिः भृत्ता लक्ष्याक्ष्यग्रहात् वनी काक्क्षः भूक्षः भूषः क्रीणात्तात्रार

मिक्टा सक्ता १ सी बार्य 5 छात्ती छडा। शूब्र छ। माजिस्मित छर नगामि ज्यष्ट्रमम्। आयोगनामण-র্ষ্ত্যঃ। বেদায়ত:বদ্যা যজেশঃ পুরাণঃ পুরুগোত্মঃ। জনানকীবয়তঃ শীমানপ্রেময়পুরাক্ষমঃ। তঞ্জারং দীতারং ন্র্বামপ্রদাং । ওণাতিরামং জীরামং ভূরে। ভূরে। ভূরে। বিভাশি মুম্নামানি महास्कृष् कः नमा महत्र । जन्नामराण्यः वृषार न लाक्ष्मित न मन्यकः)। विकि भाष्प्रदारमं त्रमन्त्रान-कृष्डो ज्यावष् धरकोमिक धानी हर दक्ष पक "माधार खोळामक वर्षः ममाखम्।

অংখ নবগ্রহক্বচম্।

ব্যক্ষাবাচ। শিরে। যে পাতু মার্বভঃ কণাল: রোহিণীপভিঃ ? মুখমদারকঃ পাতু কঠক শনিমদদঃ।

-

পুতী যুদ্ধ চ বিজয়ে। ভবেং! রোগাং এমুচাতে রাপী বন্ধে মুটোত বন্ধনাং। জ্রি ক লততে নিহাং হিছিত্ত লালভো য় কেনে ধাবলে দিতা। ভঙ্গিলি জায়তে। পঠনাৎ কৰ্চপ্ৰাক্ত দৰ্শণাৎ আমু-চাতে . মুক্ৰৎসা চযা নারী কাকবন্ধা। চ বা ভাবেং । জীবৰংসা পুল্বভা ভব্ভোব ন সংশয়:। দৃদ্য পাতৃ বারাং সকলিত্যের চ। তিপত্রেহিটৌ দিশা পাতু নজানাবি বথুং সদা। আন্শোরাশিঃ সদ্য अष्ट्रहाजाक टेवास्मर । अस्ति अक्तार शरहात् अकर भूडोपिया भरदेर। मस्त्रायः खुत्री वृक्तिः कीयः मना भाक् वित्रशः कृष्ठानताः। किठेत्रभ भाविः भाक् जिल्लारं (अर्वनिज्ञित्तताः। भारति (कक् हेि क्रायाल नवक्रकविर ग्यां थरे।

### সরগতী-ক্তোত্রম্।

ওঁনমঃ সংস্তো। বৃহত্ত ভিক্তাচ। স্বস্তীং নম্তামি চেত্নাং ক্লিস্পিতাং। কঠিজাং প্রস্তো নিয়ং হী' হী কাঃশিষাং শুভাং। মতিদাং বরদাকৈব স্কাকামক্তপ্রদাং। কেশবক্ত হিন্তাং দেবীং ৰীণাছতা। বরঞালং এ এ মহাব্যাং নিতা।ং ক্ষতিদ্দেসকারিণীং স্থাকাশাং নিরাল্যায়জানাভিন্তিরা-

कामिछ्रमञ्जल नीनाः खन्यामि । क्नविद्याः । हेछि मा मःखङ। (मदी दानीर-भन्मस्याचा । काचानः শশিরামান শরদিকুনমঞাভাং। দেয়াবাচ। বরং বুণুৰ ভল্লেজে যতে মনসি বওঁতে। বৃহশপতি কৰাচ। ব্রদায়দি মে দেবি দিব্যজ্ঞানং এব্যক্ত মে। দেব্যবচি। দত্ততে নিম্লং জননং কুমতিপনেকারণং। गेहरः। (बाक्काक महा निज्ञाः चन्त्राः (नाज्यविद्धाः। भगविज्ञः कृष्णिनीः कत्रवर्षाः गत्राक्ष्याः

(खाद्यभारमन एव एका)। माः खरकि मना नदः। (उ न एक्स भद्रः क्योमः मगक्ना) भद्राकारः। विनयाः

প্রযতোজ্জা গ্রিদং পঠতে সদা। তস্য কঠে সদাবাদং করিয়ামি ন নংশয়ঃ। ইতি বৃহস্পতিবির-

हिन् गत्रम्होत्काबः गमोधः । कं छ<म<।

ष्मग्र भाष्रजीमाभविर्याष्ट्रमग्रजम् ज्ञाक अविनीधजीष्ट्रतम् विकत्तारम् उज्जामाभिरियोष्टत विजि-রোগ:। ও যদু শেতি এক বিদোবি স্থাং পশাকি ধীরা: অ্মনদো বা গায়তি দং একশাপাৎ বিষ্কা ख्य। द्विकेषाणदिव्यक्तियञ्जमा विषि अविविशिष्ठी एत्वका विषिक्षाणदिव्यक्ति विविद्यानः। 🗳 गांत्रजीनार्टिंग कांत्र ।

## দশাবতার বিষ্ণু স্থোত্রম্।

তম্পিং ভব মুধ্যারপা । ১। দিব্যায়তাথং মাথতে মহাকৌ দেব্যত্তরপীকিমালকরটেলঃ। ভ্রেমান আশায় বেদাঃ সকলাঃ সমুলালিহত। শন্ধং রিপুমডুাদ্জং। দ্ভাঃপুরা কেন পিতানভার বিজুৎ मिर्डाम्प्रिक्तः। त्रिशुः स्त्रापाः निभिट्टन्यादेवस्त्रिमात्राष्ट्रः न छ विष्यवाधि । ६ । ६ छन्त्रमुखाच्यापा ধাবেগবিদ্ধিতায়াজং কুর্মাবারগতংমিরামি ॥ ২ ॥ সমূদ্রকাঞীন্রিজ্ভরীয়া বস্থুলরা মেক্কিরীটভারা। দকাবাতো যেন সমূচ্তাভ্তমাদিলোকং শরণ প্রণদোগু। ৩। ভভাবিভসকন্যা থিয়া য**ে শুজান্তরালাক্ষ** 

į

মামি বিফং। ৬। কুলে রঘুণাং সমবাপা জনা বিধায় নেতুং জনধেজিলাজঃ। লাক্ষেরং যঃ সময় কিকার সীভাপতিং ডং প্রণামি ভক্তা।।।। হলেন স্কান নৃপতীন নিহত। চকার চুণং মুবলপ্রহাজৈ। अतिको छोषात नानः ठडणमा वणा। अन्या नानामा णणः यहांनाः हिविकारः मुर्वणकः नवामि । ६ । ক্রিপপ্তবারং লুপতিং নিহতা হতাপিং। রক্ময়ং পিত্তাঃ। চক্র দেগে ওবলেন সমাক্ তমাদিশূরং প্রশ-

যঃ কুক্ষমাসাদিন বলং বলীয়ান্ ভজনা ভজে তং বলভএবামং॥৮। পুরাক্রাণ শুলুরাক্ বিজেজ্প শভারিগং-

ारक्रमारक प्रजाम । १४ ॥ खील १६३ महा खडा करामाथर करामाथर। भवाबकामामाथिक अधिकामाधिक বাং কৃষ্ণাসাদা বলং আমাসাদ্ৰতা নালম্মোল্কল্প: ভং মুলভূভঃ, প্লান্তিহি বুজং । ৯ । কলাব্যানে নিকিলৈ:

ভীব্যতিহাং সক্ষর্যামাস নিমেব্যালাৎ । যাজেজ্যা নিক্চভাভিনীমোংলিখাস্কং ভং ভূরগাং ভ্লানাঃ। ১ । ।

পুরাইলঃ সক্ষর্যামাস নিমেব্যালাৎ । যাজেজ্যা নিক্চভাভিনীমোংলিখাস্কং ভং ভূরগাং ভ্লানাীসাং আদি

শ্বান্তিঃ সক্ষরি নারোজং পোর্ভিক্রামং গ্রুত্বিক্টা । জীব্যসাহিত্য জ্লাদাশিম্লং ভ্রানানীসাং আদি

শ্বান্তিকঃ সুগলাং নারোজং শেন্তিকিয়ামং গ্রুত্বিক্টা । জীব্যসাহিত্য ভূমি বিস্মীড়ে ॥ ১১॥ को রাষ্থা শোবাব "স্তরে শ্রানমস্থাসিকে শোভিবজ্য। উৎস্থানাস্কমস্থাভ্যাসাং শীবরচিছেবেশং। চকার যঃ শালুমমোবকল্লং ভং মূলভূভং প্রণ্ডোহসি বুজং। ৯। কলাবসানে নিবিটলঃ পুক্ৰোভ্যং॥ ১৩॥ ইতি ত্রুপারোজ দশ্বিতারবিষ্ণস্তবং স্মাধী:।

#### लक्षीरखांबर

কুকে তথা ভব মরি ফ্রির।। ঈর্পরী কমলা লক্ষীকলা ভৃতিহ্রিথিয়া। পদাপদালয় সম্পত্তৈতঃ 🚨 প্ৰধারিণী। জাদশৈতানি নামানি নলীং সংগ্জায়ং পঠেৎ। ফিরানদ্মীত বেডসা প্রদারাদিভিঃ 🕹 নমোললৈ গ্ৰহাচ। তেনোকাপ্জিতে দেবি কমলে বিক্ষবলভে। বধা ছং ক্ৰিয়া

मधूस्मनत्छ। बर

क नत्या मध्यमनात्र। अमिङिखानमात्वन त्राशाकीत्नि किस्किङः। काननिकाः धापताशिक त्मानिक्षात्रः भृषुक् भृषक्। "गर्धवात्त्र मरुष्ट्यः वाहि मारं मधुष्युम्न ॥ ७॥ ८छम एमव व्यभएतारिण बानार्ष काहि मार मधुरुमन। ১। न शजिसिन। ज नाथ एरमदणतार यम। भाषभरक निमरमाशिच जाहि मार যুত্দন। ২। মোহিতোমোহজালেন পুত্রদারগৃহাদিয়। তৃফয়া পীডামানোহস্মি ত্রাহি মাং মধুক্দন। ০। শত্তে হিমান দীধন্যারণঅব্য। বেন ভ্রোন পচ্ছামি আহি মাং মধুহদন ॥ ৫॥ বছবো হিম্যা দুটা **ज्यक्तिक मीनक क्ष्यामाकाकृतः थाटा। ज्यनाचित्रमनायक् जाकि माः मध्यम्।।। शाजागटान** 

मह। इजिनमीटकाबः नमाधम्। '४ छ पन्।

ম্গোঙ্জি জাহি মাং মুধ্যদন ॥ ১॥ দেইতিরসহলেপু চাজোভা—আমিতে। ময়। তিধাক্ষং মাছ্যবৰ্ তংশাপাৰ্জিত্-মগোহবিষ জাহি মাং মগুহদন ॥৮॥ হুরুতং ন কুতং কিফিচ্ছুতঞ্ময়া কুতং। সংস্বিঘোরে হণপরায়ধঃ। ছাণ্ডিবপ্রিলাবাং লাহি মাং মধ্রদন। ৭ ঃ বাচা হত প্রিজ্ঞাত। ক মধা ্নাপপাদিকং

উৰ্ধাতালমৰ্ভেষ্ ব্যাঞা লোকজপাল্ডঃ। ঘাদশাক্ষণে ারং নাজি বাসুদেবেন ভাষিতং। ১৪। ১৯%, আহি মাং মধুহদন ॥ ১০ ॥ বাচয়ামি ব্ৰোল্ডঃ প্ৰলপামি ত্ৰাগ্তঃ। ক্রমেরণভীতোহ্সি লাহি মাং মধুস্দন।১১।ধন ধন চল চল চল চিলিছ শিলুবা পুক্ষেত্চ। তত ত তাচনা ভজিলাহি মাং মধুস্দন । ১২ । গছা গছা নিৰভতে চলস্ধাদেয়ে। অহাঃ। অনুমূণি ন নিৰভতে ছাদশাক্রচিজকাঃ। ১৩। ষ্ট্ৰাক্ষয় মহামন্ত্ৰ সৰ্কামন্ত্ৰপ্ৰদ্। প্ৰবাদনিব্যেন শুকেন প্তিভাষিত । ১৫ । বাদশাক্ষ্য নিরাছারোয়ং পঠেৎ হরিবাসরে। স গছেইছফবং স্থানং যত্ত হোগেশবো হরিঃ।১৬॥ ইতি আজিক-

দেববিরচিতং মধুস্দন-জোত্রং সমাপ্তং।

দরাপ শা ক্তগঙ্গাইকজোতা।

ষ্ক্রাজকং জননীগগৈধর্দশিন ন স্পৃতিং মুস্তাদ্বান্ধবৈ-ধিমিন্ পাৃষুদৃগন্তস্তিপ্তিতে তৈঃ স্বধাতে আহিছিঃ। আংকে ন্যান্য ভদীদৃশং বপুরহো স্বীক্রিয়তে পৌকুষং ছং ভাবৎ করুণাপুরায়ণপুরা মাতাসি ভাগীরথি। ১।

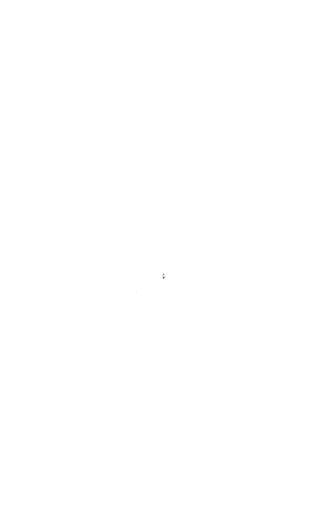
কৈকমাদায় ষৎ ।৫। কুতো বাণী বীচিন্তৰ যুদি গভাগ লোচনপূধং দুমাপীভাপীতাস্বপুরনিবাসং বিভরদি। নয়দি মুরারাভিনিবহা, — জহো মাতর্গঙ্গে কিমিছ্ চিষ্টিতং তে বিজয়তে। ৭। স্বরগুমি মুনিকত্তে ভারতেরঃ ধায়ক থণ্ডাঃ ক্তি। কিঞ্ছ্ঞ ক্তি ত্ৰিলোক্জননি জনং ব্যৱিপ্ৰোদ্বে, মন্ডজ্জ্জ্দ্দ্ৰকং সমূদ্য্ত্ৰে-হুল্ৎসঙ্গে গলে যদি পভতি কায়তত্তত্তাং তদ। মাতঃ শাত্কত্বপদলাভোহপাতিলঘুঃ।৬। ঘমজো লোকানাম্থিনগ্রিতান্যের দহ্দিপ্রগায়ী নিয়ানাম্থি মুর্দি সর্ধোণ্রিগভান্। মুর্গ জাতা বিফোর্জ-চ গাঙ্গং। ৪। কত্যকীণি করোটয়ং কতি কতি দ্বীপি দিপানাং ६৮৯, কাকোলাঃ কতি পদ্নগাঃ কতি স্থা

हे छि शक् हिक छि। ज्या मार्थिम्।

मस्यः स्मार्षः मस्यः । ৮।

भूगावतः म उत्रिक्त निक्रभूटे गुख्य कि छ महत्।। यि छ शक्ति विश्रीमः कात्रतः भाभिमः याः ङिम्ह ज





# शुक्रमम्ब्यून "हिस्-मद्व्यमाना ।"

माध्याक-स्वत्नित्वाचि, चन्छात्रमामि १४०। ७८য়, मनावधा वाषकात ७ बङ्खान्ति। विश्व कर्षामि १४०। 814, ताश्वताम निवास , मासिस्स, मामिस्स, मामिस्स, में व्यक्षकारत. -- ननावश, कर्नन, जित्ति ६ ठाजिकी गक्षा, निका क्षांग श्रुकानि ।/॰। १८८६. ८९९१- विशेषमस्य, गांकश्राण्, 'विक्-मध्कवियांना (कारत' खित्रक्षताय मुख्तिएक निक्क बांगाः। अष्य जामा। अ विकीत जात ० वाता। देश त्या, यद ध इति किदिनात तत्त्रीको शुक्क बाम, त्मान, प्रश्क्यहामि। । । अहं, बावजीत आधाष्ट्य-यायशा । कर्म मह कामी श्र्वामि। । । भरत, शुरुकता, कमक्षीती, कार्किक, मत्रश्रेती क ध्रतीश्रुवामि । ८० । ४८म, क्षतिकृतिका क दावका नेह क्षणिकारकामाति । / । शास्तीत करहेक्द्र नहळ नाम ७ व्यत्पानि ४ माता । विकीत मत्त्रत त्रा-बीदन। चशक मानीत्र शुक्क बामांड मिक्छ मां एता बात्र।





नव्य छोन

বিশ্ত ব্যবহা ও গুণবিষ্ণুক্ত টাকা সহ গ্রোধানাকি উপরাষ্থ্য धारा यहेक-टेड्यच्छामि मश्ति भूखक দরমায়াধ্য প্রাণাদ প্রিযুক্ত ঘারকানাথ বিদ্যারত ও প্রিক্ত মধ্রানাথ সামগ্র क्षिक्रोडा। १९१३,--दब्राह्मनवर,-नाननामा, उष्ट्रणाहि हहेरक क्षक्रानिक। अम्मथनाथ सुव्डिड एटोर्गिस दहक व्यष्टि महाभन्ना बाद्रा मन्द्रमादिक।

यत्राहमगत, - भानभाष्ट्रा 'रिस्-मदक्षमाना" (बारन क्रिम्मिक्षन ए बात्रा बृधिङ

मन ३७०२। माह टेंड ।

(ब्राक्टियी क्या

AMI IN. DE MINI